Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

☸ ʎ ♂ ♀ ⊲ ☸ ⊳

Humans have more KBs,MBs,GBs than Animals,యేచెట్టుకంతగాలే!మనుష్యులూ అంతే-

◉⇧◆⇧●⇧◉

◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●

⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉

✽○ ✽○ ✽○ ✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○

✽○ ✽○

❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖

Contents....المحتويات

◉⇧◆⇧●⇧◉

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Prophets and their Nations.

Nuh.a.s.

Other Prophets.

Moosa.a.s.

PreFinals.

Angels.

An_Nihaayah.

Recognize thy Lord with a befitting Configuration.

◉⇮◆⇮●⇮◉

◉⇮◆⇮●⇮◉
◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●
⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

Prelude

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆

●●●●●

An-Nahl (16:19)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

وَٱللَّهُ يَعْلَمُ مَا تُسِرُّونَ وَمَا تُعْلِنُونَ

And Allahﷻ doth know what ye conceal, and what ye reveal.

और अल्लाहﷻ जानता है जो कुछ तुम छिपाते हो और जो कुछ प्रकट करते हो

আল্লাহﷻ জানেন যা তোমরা গোপন কর এবং যা তোমরা প্রকাশ কর।

●●●●●

An-Nahl (16:20)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱلَّذِينَ يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ لَا يَخْلُقُونَ شَيْـًٔا وَهُمْ يُخْلَقُونَ

Those whom they invoke besides Allahﷻ create nothing and are themselves created.

और जिन्हें वे अल्लाहﷻ से हटकर पुकारते है वे किसी चीज़ को भी पैदा नहीं करते, बल्कि वे स्वयं पैदा किए जाते है

এবং যারা আল্লাহﷻকে ছেড়ে অন্যদের ডাকে, ওরা তো কোন বস্তুই সৃষ্টি করে না; বরং ওরা নিজেরাই সৃজিত।

●●●●●

An-Nahl (16:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْوَٰتٌ غَيْرُ أَحْيَآءٍ وَمَا يَشْعُرُونَ أَيَّانَ يُبْعَثُونَ

(They are things) dead, lifeless: nor do they know when they will be raised up.

मृत है, जिनमें प्राण नहीं। उन्हें मालूम नहीं कि वे कब उठाए जाएँगे

তারা মৃত-প্রাণহীন এবং কবে পুনরুত্থিত হবে, জানে না।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷿ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷿ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷿ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

An-Nahl (16:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَٰهُكُمْ إِلَٰهٌ وَٰحِدٌ فَٱلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِٱلْءَاخِرَةِ قُلُوبُهُم مُّنكِرَةٌ وَهُم مُّسْتَكْبِرُونَ

Your Allahﷻ is one Allahﷻ: as to those who believe not in the Hereafter, their hearts refuse to know, and they are arrogant.

तुम्हारा पूज्य-प्रभुﷲﷻ अकेला प्रभु-पूज्य है। किन्तु जो आख़िरत में विश्वास नहीं रखते, उनके दिलों को इनकार है। वे अपने आपको बड़ा समझ रहे है

আমাদের ইলাহ একক ﷲﷻইলাহ। অনন্তর যারা পরজীবনে বিশ্বাস করে না, তাদের অন্তর সত্যবিমুখ এবং তারা অহংকার প্রদর্শন করেছে।

●●●●●

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

An-Nahl (16:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا جَرَمَ أَنَّ ٱللَّهَ يَعْلَمُ مَا يُسِرُّونَ وَمَا يُعْلِنُونَ إِنَّهُۥ لَا يُحِبُّ ٱلْمُسْتَكْبِرِينَ

Undoubtedly Allahﷻ doth know what they conceal, and what they reveal: verily Heﷲﷻ loveth not the arrogant.

निश्चय ही अल्लाहﷻ भली-भाँति जानता है, जो कुछ वे छिपाते है और जो कुछ प्रकट करते है। उﷲﷻसे ऐसे लोग प्रिय नहीं, जो अपने आपको बड़ा समझते हो

নিঃসন্দেহে আল্লাহﷻ তাদের গোপন ও প্রকাশ্য যাবতীয় বিষয়ে অবগত। নিশ্চিতই তিনিﷲﷻ অহংকারীদের পছন্দ করেন না।

●●●●●

An-Nahl (16:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ لَهُم مَّاذَآ أَنزَلَ رَبُّكُمْ قَالُوٓا۟ أَسَٰطِيرُ ٱلْأَوَّلِينَ

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

When it is said to them, "What is it that your Lordﷻ has revealed?" they say, "Tales of the ancients!"

और जब उनसे कहा जाता है कि "तुम्हारे रबﷻ ने क्या अवतरित किया है?" कहते है, "वे तो पहले लोगों की कहानियाँ है।"

যখন তাদেরকে বলা হয়ঃ তোমাদের পালনকর্তাﷻ কি নাযিল করেছেন? তারা বলেঃ পূর্ববর্তীদের কিসসা-কাহিনী।

●●●●●

An-Nahl (16:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

لِيَحْمِلُوٓا۟ أَوْزَارَهُمْ كَامِلَةً يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ وَمِنْ أَوْزَارِ ٱلَّذِينَ يُضِلُّونَهُم بِغَيْرِ عِلْمٍ أَلَا سَآءَ مَا يَزِرُونَ

Let them bear, on the Day of Judgment, their own burdens in full, and also (something) of the burdens of those without knowledge, whom they misled. Alas, how grievous

the burdens they will bear!

इसका परिणाम यह होगा कि वे क़ियामत के दिन अपने बोझ भी पूरे उठाएँगे और उनके बोझ में से भी जिन्हें वे अज्ञानता के कारण पथभ्रष्ट कर रहे है। सुन लो, बहुत ही बुरा है वह बोझ जो वे उठा रहे है!

ফলে কেয়ামতের দিন ওরা পূর্ণমাত্রায় বহন করবে ওদের পাপভার এবং পাপভার তাদেরও যাদেরকে তারা তাদের অজ্ঞতাহেতু বিপথগামী করে শুনে নাও, খুবই নিকৃষ্ট বোঝা যা তারা বহন করে।

●●●●●

An-Nahl (16:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَدْ مَكَرَ ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ فَأَتَى ٱللَّهُ بُنْيَٰنَهُم مِّنَ ٱلْقَوَاعِدِ فَخَرَّ عَلَيْهِمُ ٱلسَّقْفُ مِن فَوْقِهِمْ وَأَتَىٰهُمُ ٱلْعَذَابُ مِنْ حَيْثُ لَا يَشْعُرُونَ

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Those before them did also plot (against Allah'ﷻs Way): but Allahﷻ took their structures from their foundations, and the roof fell down on them from above; and the Wrath seized them from directions they did not perceive.

जो उनसे पहले गुज़र है वे भी मक्कारियाँ कर चुके है। फिर अल्लाहﷻ उनके भवन पर नीवों की ओर से आया और छत उनपर उनके ऊपर से आ गिरी और ऐसे रुख़ से उनपर यातना आई जिसका उन्हें एहसास तक न था

নিশ্চয় চক্রান্ত করেছে তাদের পূর্ববর্তীরা, অতঃপর আল্লাহﷻ তাদের চক্রান্তের ইমারতের ভিত্তিমূলে আঘাত করেছিলেন। এরপর উপর থেকে তাদের মাথায় ছাদ ধ্বসে পড়ে গেছে এবং তাদের উপর আযাব এসেছে যেখান থেকে তাদের ধারণা ছিল না।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖

The Proudly Exultant

●●●●●

Al-Muminoon (23:66)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَدْ كَانَتْ ءَايَٰتِى تُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ فَكُنتُمْ عَلَىٰٓ أَعْقَٰبِكُمْ تَنكِصُونَ

"My Signs used to be rehearsed to you, but ye used to turn back on your heels-

तुम्हें मेरी आयतें सुनाई जाती थीं, तो तुम अपनी एड़ियों के बल फिर जाते थे।

তোমাদেরকে আমার আয়াতসমূহ শোনানো হত, তখন তোমরা উল্টো পায়ে সরে পড়তে।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Muminoon (23:67)

بسم الله الرحمن الرحيم

مُسْتَكْبِرِينَ بِهِۦ سَٰمِرًا تَهْجُرُونَ

"In arrogance: talking nonsense about the (Qur'an), like one telling fables by night."

हाल यह था कि इसके कारण स्वयं को बड़ा समझते थे, उसे एक कहानी कहनेवाला ठहराकर छोड़ चलते थे

অহংকার করে এ বিষয়ে অর্থহীন গল্প-গুজব করে যেতে।

●●●●●

Al-Muminoon (23:68)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَفَلَمْ يَدَّبَّرُوا۟ ٱلْقَوْلَ أَمْ جَآءَهُم مَّا لَمْ يَأْتِ ءَابَآءَهُمُ ٱلْأَوَّلِينَ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Do they not ponder over the Word (of Allahﷻ), or has anything (new) come to them that did not come to their fathers of old?

क्या उन्होंने इस वाणी पर विचार नहीं किया या उनके पास वह चीज़ आ गई जो उनके पहले बाप-दादा के पास न आई थी?

অতএব তারা কি এই কালাম সম্প৩ 2503;ক চিন্তা-ভাবনা করে না? না তাদের কাছে এমন কিছু এসেছে, যা তাদের পিতৃপুরুষদের কাছে আসেনি?

●●●●●

Al-Muminoon (23:69)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْ لَمْ يَعْرِفُوا۟ رَسُولَهُمْ فَهُمْ لَهُۥ مُنكِرُونَ

Or do they not recognise their Messenger, that they deny him?

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি ﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

या उन्होंने अपने रसूल को पहचाना नहीं, इसलिए उसका इनकार कर रहे है?

না তারা তাদের রসূলকে চেনে না, ফলে তারা তাঁকে অস্বীকার করে?

●●●●●

Al-Muminoon (23:70)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْ يَقُولُونَ بِهِۦ جِنَّةٌۢ ۚ بَلْ جَآءَهُم بِٱلْحَقِّ وَأَكْثَرُهُمْ لِلْحَقِّ كَٰرِهُونَ

Or do they say, "He is possessed"? Nay, he has brought them the Truth, but most of them hate the Truth.

या वे कहते है, "उसे उन्माद हो गया है।" नहीं, बल्कि वह उनके पास सत्य लेकर आया है। किन्तु उनमें अधिकांश को सत्य अप्रिय है

না তারা বলে যে, তিনি পাগল ? বরং তিনি তাদের কাছে সত্য

নিয়ে আগমন করেছেন এবং তাদের অধিকাংশ সত্যকে অপছন্দ করে।

●●●●●

Al-Muminoon (23:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوِ ٱتَّبَعَ ٱلْحَقُّ أَهْوَآءَهُمْ لَفَسَدَتِ ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ وَمَن فِيهِنَّ ۚ بَلْ أَتَيْنَٰهُم بِذِكْرِهِمْ فَهُمْ عَن ذِكْرِهِم مُّعْرِضُونَ

If the Truth had been in accord with their desires, truly the heavens and the earth, and all beings therein would have been in confusion and corruption! Nay, We have sent them their admonition, but they turn away from their admonition.

और यदि सत्य कहीं उनकी इच्छाओं के पीछे चलता तो समस्त आकाश और धरती और जो भी उनमें है, सबमें बिगाड़ पैदा हो जाता। नहीं, बल्कि हम उनके पास उनके हिस्से की अनुस्मृति लाए है।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

किन्तु वे अपनी अनुस्मृति से कतरा रहे है

সত্য যদি তাদের কাছে কামনা-বাসনার অনুসারী হত, তবে নভোমন্ডল ও ভূমন্ডল এবং এগুলোর মধ্যবর্তৗ 2496; সবকিছুই বিশৃঙ্খল হয়ে পড়ত। বরং আমি তাদেরকে দান করেছি উপদেশ, কিন্তু তারা তাদের উপদেশ অনুধাবন করে না।

●●●●●

Al-Muminoon (23:72)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَمْ تَسْـَٔلُهُمْ خَرْجًا فَخَرَاجُ رَبِّكَ خَيْرٌ وَهُوَ خَيْرُ ٱلرَّٰزِقِينَ

Or is it that thou askest them for some recompense? But the recompense of thy Lord is best: Heﷲ﷿ is the Best of those who give sustenance.

या तुम उनसे कुथ शुल्क माँग रहे हो? तुम्हारे रब का दिया ही उत्तम है। और वहﷲ﷿ सबसे अच्छी रोज़ी देनेवाला है

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

না আপনি তাদের কাছে কোন প্রতিদান চান? আপনার পালনকর্তারﷲﷻ প্রতিদান উত্তম এবং তিনিই রিযিকদাতা।

●●●●●

Al-Muminoon (23:73)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِنَّكَ لَتَدْعُوهُمْ إِلَىٰ صِرَٰطٍ مُّسْتَقِيمٍ

But verily thou callest them to the Straight Way;

और वास्तव में तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुला रहे हो

আপনি তো তাদেরকে সোজা পথে দাওয়াত দিচ্ছেন;

●●●●●

Luqman (31:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنَ ٱلنَّاسِ مَن يَشْتَرِى لَهْوَ ٱلْحَدِيثِ لِيُضِلَّ عَن

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

سَبِيلِ ٱللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَيَتَّخِذَهَا هُزُوًا أُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ

But there are, among men, those who purchase idle tales, without knowledge (or meaning), to mislead (men) from the Path of Allahﷻ and throw ridicule (on the Path): for such there will be a Humiliating Penalty.

लोगों में से कोई ऐसा भी है जो दिल को लुभानेवाली बातों का ख़रीदार बनता है, ताकि बिना किसी ज्ञान के अल्लाहﷻ के मार्ग से (दूसरों को) भटकाए और उनका परिहास करे। वही है जिनके लिए अपमानजनक यातना है

একশ্রেণীর লোক আছে যারা মানুষকে আল্লাহﷻর পথ থেকে গোমরাহ করার উদ্দেশে অবান্তর কথাবার্তা সংগ্রহ করে অন্ধভাবে এবং উহাকে নিয়ে ঠাট্টা-বিদ্রূপ করে। এদের জন্য রয়েছে অবমাননাকর শাস্তি।

●●●●●

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Luqman (31:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِ ءَايَٰتُنَا وَلَّىٰ مُسْتَكْبِرًا كَأَن لَّمْ يَسْمَعْهَا كَأَنَّ فِىٓ أُذُنَيْهِ وَقْرًا فَبَشِّرْهُ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ

When Our ﷻSigns are rehearsed to such a one, he turns away in arrogance, as if he heard them not, as if there were deafness in both his ears: announce to him a grievous Penalty.

जब उसे हमारी आयतें सुनाई जाती हैं तो वह स्वयं को बड़ा समझता हुआ पीठ फेरकर चल देता है, मानो उसने उन्हें सुना ही नहीं, मानो उसके काम बहरे है। अच्छा तो उसे एक दुखद यातना की शुभ सूचना दे दो

যখন ওদের সামনে আমার আয়তসমূহ পাঠ করা হয়, তখন ওরা দম্ভের সাথে এমনভাবে মুখ ফিরিয়ে নেয়, যেন ওরা তা শুনতেই পায়নি অথবা যেন ওদের দু'কান বধির। সুতরাং ওদেরকে কষ্টদায়ক আযাবের সংবাদ দাও।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Luqman (31:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَعَمِلُوا۟ ٱلصَّٰلِحَٰتِ لَهُمْ جَنَّٰتُ ٱلنَّعِيمِ

For those who believe and work righteous deeds, there will be Gardens of Bliss,-

अलबत्ता जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए नेमत भरी जन्नतें हैं,

যারা ঈমান আনে আর সৎকাজ করে তাদের জন্য রয়েছে নেয়ামতে ভরা জান্নাত।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَسْمَعُ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ تُتْلَىٰ عَلَيْهِ ثُمَّ يُصِرُّ مُسْتَكْبِرًا كَأَن

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

لَمْ يَسْمَعْهَا فَبَشِّرْهُ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ

He the infidel hears the Signs of Allah ﷻ rehearsed to him, yet is obstinate and lofty, as if he had not heard them: then announce to him a Penalty Grievous!

जो अल्लाह ﷻ की उन आयतों को सुनता है जो उसे पढ़कर सुनाई जाती है। फिर घमंड के साथ अपनी (इनकार की) नीति पर अड़ा रहता है मानो उसने उनको सुना ही नहीं। अतः उसको दुखद यातना की शुभ सूचना दे दो

সে আল্লাহর আয়াতসমূহ শুনে, অতঃপর অহংকারী হয়ে জেদ ধরে, যেন সে আয়াত শুনেনি। অতএব, তাকে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তির সুসংবাদ দিন।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا عَلِمَ مِنْ ءَايَٰتِنَا شَيْـًٔا ٱتَّخَذَهَا هُزُوًا أُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

عَذَابٌ مُّهِينٌ

And when he learns something of Ourﷻ Signs, he takes them in jest: for such there will be a humiliating Penalty.

जब हमारी आयतों में से कोई बात वह जान लेता है तो वह उनका परिहास करता है, ऐसे लोगों के लिए रुसवा कर देनेवाली यातना है

যখন সে আমার কোন আয়াত অবগত হয়, তখন তাকে ঠাট্টারূপে গ্রহণ করে। এদের জন্যই রয়েছে লাঞ্ছনাদায়ক শাস্তি।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

مِّن وَرَآئِهِمْ جَهَنَّمُ وَلَا يُغْنِي عَنْهُم مَّا كَسَبُوا۟ شَيْـًٔا وَلَا مَا ٱتَّخَذُوا۟ مِن دُونِ ٱللَّهِ أَوْلِيَآءَ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ

In front of them is Hell: and of no profit to them is

anything they may have earned, nor any protectors they may have taken to themselves besides Allahﷻ: for them is a tremendous Penalty.

उनके आगे जहन्नम है, जो उन्होंने कमाया वह उनके कुछ काम न आएगा और न यही कि उन्होंने अल्लाहﷻ को छोड़कर अपने संरक्षक ठहरा रखे है। उनके लिए तो बड़ी यातना है

তাদের সামনে রয়েছে জাহান্নাম। তারা যা উপার্জন করেছে, তা তাদের কোন কাজে আসবে না, তারা আল্লাহﷻর পরিবর্তে যাদেরকে বন্ধুরূপে গ্রহণ করেছে তারাও নয়। তাদের জন্যে রয়েছে মহাশাস্তি।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَٰذَا هُدًى وَٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِ رَبِّهِمْ لَهُمْ عَذَابٌ مِّن رِّجْزٍ أَلِيمٌ

This is (true) Guidance and for those who reject the Signs of their Lordﷻ, is a grievous Penalty of abomination.

यह सर्वथा मार्गदर्शन है। और जिन लोगों ने अपने रबﷻ की आयतों को इनकार किया, उनके लिए हिला देनेवाली दुखद यातना है

এটা সৎপথ প্রদর্শন, আর যারা তাদের পালনকর্তাﷲﷻর আয়াতসমূহ অস্বীকার করে, তাদের জন্যে রয়েছে কঠোর যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

●●●●●

Al-Munaafiqoon (63:5)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا۟ يَسْتَغْفِرْ لَكُمْ رَسُولُ ٱللَّهِ لَوَّوْا۟ رُءُوسَهُمْ وَرَأَيْتَهُمْ يَصُدُّونَ وَهُم مُّسْتَكْبِرُونَ

And when it is said to them, "Come, the Messenger of Allahﷻ will pray for your forgiveness", they turn aside their heads, and thou wouldst see them turning away their

faces in arrogance.

और जब उनसे कहा जाता है, "आओ, अल्लाहﷻ का रसूल तुम्हारे लिए क्षमा की प्रार्थना करे।" तो वे अपने सिर मटकाते है और तुम देखते हो कि घमंड के साथ खिंचे रहते है

যখন তাদেরকে বলা হয়ঃ তোমরা এস, আল্লাহﷻর রসূল তোমাদের জন্য ক্ষমাপ্রার্থনা করবেন, তখন তারা মাথা ঘুরিয়ে নেয় এবং আপনি তাদেরকে দেখেন যে, তারা অহংকার করে মুখ ফিরিয়ে নেয়।

●●●●●Al-Munaafiqoon (63:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

سَوَآءٌ عَلَيْهِمْ أَسْتَغْفَرْتَ لَهُمْ أَمْ لَمْ تَسْتَغْفِرْ لَهُمْ لَن يَغْفِرَ ٱللَّهُ لَهُمْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَهْدِى ٱلْقَوْمَ ٱلْفَٰسِقِينَ

It is equal to them whether thou pray for their forgiveness or not. Allahﷻ will not forgive them. Truly Allahﷻ guides not rebellious transgressors.

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷿ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷿ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷿ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

उनके लिए बराबर है चाहे तुम उनके किए क्षमा की प्रार्थना करो या उनके लिए क्षमा की प्रार्थना न करो। अल्लाहﷻ उन्हें कदापि क्षमा न करेगा। निश्चय ही अल्लाहﷻ अवज्ञाकारियों को सीधा मार्ग नहीं दिखाया करता

আপনি তাদের জন্যে ক্ষমাপ্রার্থনা করুন অথবা না করুন, উভয়ই সমান। আল্লাহ কখনও তাদেরকে ক্ষমা করবেন না। আল্লাহ পাপাচারী সম্প্রদায়কে পথপ্রদর্শন করেন না।

●●●●●

Al-An'aam (6:93)

﷽

وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ ٱفْتَرَىٰ عَلَى ٱللَّهِ كَذِبًا أَوْ قَالَ أُوحِىَ إِلَىَّ وَلَمْ يُوحَ إِلَيْهِ شَىْءٌ وَمَن قَالَ سَأُنزِلُ مِثْلَ مَآ أَنزَلَ ٱللَّهُ وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذِ ٱلظَّٰلِمُونَ فِى غَمَرَٰتِ ٱلْمَوْتِ وَٱلْمَلَٰٓئِكَةُ بَاسِطُوٓا۟ أَيْدِيهِمْ أَخْرِجُوٓا۟ أَنفُسَكُمُ ٱلْيَوْمَ تُجْزَوْنَ عَذَابَ ٱلْهُونِ بِمَا كُنتُمْ تَقُولُونَ عَلَى ٱللَّهِ غَيْرَ ٱلْحَقِّ وَكُنتُمْ عَنْ ءَايَٰتِهِۦ تَسْتَكْبِرُونَ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Who can be more wicked than one who inventeth a lie against Allahﷻ, or saith, "I have received inspiration," when he hath received none, or (again) who saith, "I can reveal the like of what Allahﷻ hath revealed"? If thou couldst but see how the wicked (do fare) in the flood of confusion at death! - the angels stretch forth their hands, (saying),"Yield up your souls: this day shall ye receive your reward,- a penalty of shame, for that ye used to tell lies against Allahﷻ, and scornfully to reject of His signs!"

और उस व्यक्ति से बढ़कर अत्याचारी कौन होगा, जो अल्लाहﷻ पर मिथ्यारोपण करे या यह कहे कि "मेरी ओर प्रकाशना (वह्य,) की गई है," हालाँकि उसकी ओर भी प्रकाशना न की गई हो। और वह व्यक्ति से (बढ़कर अत्याचारी कौन होगा) जो यह कहे कि "मैं भी ऐसी चीज़ उतार दूँगा, जैसी अल्लाह ने उतारी है।" और यदि तुम देख सकते, तुम अत्याचारी मृत्यु-यातनाओं में होते है और फ़रिश्ते अपने हाथ बढ़ा रहे होते है कि "निकालो अपने प्राण! आज तुम्हें अपमानजनक यातना दी जाएगी, क्योंकि तुम अल्लाहﷻ के प्रति झूठ बका करते थे और

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

उसकी आयतों के मुक़ाबले में अकड़ते थे।"

ঐ ব্যক্তির চাইতে বড় জালেম কে হবে, যে আল্লাহﷻর প্রতি মিথ্যা আরোপ করে অথবা বলেঃ আমার প্রতি ওহী অবতীর্ণ হয়েছে। অথচ তার প্রতি কোন ওহী আসেনি এবং যে দাবী করে যে, আমিও নাযিল করে দেখাচ্ছি যেমন আল্লাহﷻ নাযিল করেছেন। যদি আপনি দেখেন যখন জালেমরা মৃত্যু যন্ত্রণায় থাকে এবং ফেরেশতারা স্বীয় হস্ত প্রসারিত করে বলে, বের কর স্বীয় আত্মা! অদ্য তোমাদেরকে অবমাননাকর শাস্তি প্রদান করা হবে। কারণ, তোমরা আল্লাহﷻর উপর অসত্য বলতে এবং তাঁর আয়াত সমূহ থেকে অহংকার করতে।

●●●●●

Al-An'aam (6:94)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ جِئْتُمُونَا فُرَٰدَىٰ كَمَا خَلَقْنَٰكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَتَرَكْتُم مَّا خَوَّلْنَٰكُمْ وَرَآءَ ظُهُورِكُمْ وَمَا نَرَىٰ مَعَكُمْ شُفَعَآءَكُمُ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ أَنَّهُمْ فِيكُمْ شُرَكَٰٓؤُا۟ لَقَد تَّقَطَّعَ بَيْنَكُمْ وَضَلَّ عَنكُم مَّا كُنتُمْ تَزْعُمُونَ

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heالله ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहالله ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"And behold! ye come to usﷻ bare and alone as Weالله ﷻ created you for the first time: ye have left behind you all (the favours) which Weالله ﷻ bestowed on you: Weالله ﷻ see not with you your intercessors whom ye thought to be partners in your affairs: so now all relations between you have been cut off, and your (pet) fancies have left you in the lurch!"

और निश्चय ही तुम उसी प्रकार एक-एक करके हमारेﷻ पास आ गए, जिस प्रकार हमने तुम्हें पहली बार पैदा किया था। और जो कुछ हमने तुम्हें दे रखा था, उसे अपने पीछे छोड़ आए और हमالله ﷻ तुम्हारे साथ तुम्हारे उन सिफ़ारिशियों को भी नहीं देख रहे हैं, जिनके विषय में तुम दावे से कहते थे, "वे तुम्हारे मामले में शरीक है।" तुम्हारे पारस्परिक सम्बन्ध टूट चुके है और वे सब तुमसे गुम होकर रह गए, ज ो दावे तुम किया करते थे

তোমরা আমারﷻ কাছে নিঃসঙ্গ হয়ে এসেছ, আমিالله ﷻ প্রথমবার তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছিলাম। আমিﷻ তোদেরকে যা

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

দিয়েছিলাম, তা পশ্চাতেই রেখে এসেছ। আমি তো তোমাদের সাথে তোমাদের সুপারিশকারীদের কে দেখছি না। যাদের সম্পর্কে তোমাদের দাবী ছিল যে, তারা তোমাদের ব্যাপারে অংশীদার। বাস্তবিকই তোমাদের পরস্পরের সম্পর্ক ছিন্ন হয়ে গেছে এবং তোমাদের দাবী উধাও হয়ে গেছে।

Satan.-Shaitan.

●●●●●

Saad (38:71)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلَٰٓئِكَةِ إِنِّى خَٰلِقٌۢ بَشَرًا مِّن طِينٍ

Behold, thy Lord ﷻ said to the angels: "I am about to create man from clay:

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

याद करो जब तुम्हारे रबﷲﷻ ने फ़रिश्तों से कहा कि "मैं मिट्टी से एक मनुष्य पैदा करनेवाला हूँ

যখন আপনার পালনকর্তা ﷲﷻফেরেশতাগণকে বললেন, আমিﷲﷻ মাটির মানুষ সৃষ্টি করব।

●●●●●

Saad (38:72)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِذَا سَوَّيْتُهُۥ وَنَفَخْتُ فِيهِ مِن رُّوحِى فَقَعُوا۟ لَهُۥ سَٰجِدِينَ

"When Iﷲﷻ have fashioned him (in due proportion) and breathed into him of Myﷻ spirit, fall ye down in obeisance unto him."

तो जब मैंﷲﷻ उसको ठीक-ठाक कर दूँ और उसमें अपनीﷻ रूह फूँक दूँ, तो तुम उसके आगे सजदे में गिर जाना।"

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

যখন আমিﷻ তাকে সুষম করব এবং তাতে আমারﷻ রূহ ফুঁকে দেব, তখন তোমরা তার সম্মুখে সেজদায় নত হয়ে যেয়ো।

●●●●●

Saad (38:73)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

فَسَجَدَ ٱلۡمَلَٰٓئِكَةُ كُلُّهُمۡ أَجۡمَعُونَ

So the angels prostrated themselves, all of them together:

तो सभी फ़रिश्तों ने सजदा किया, सिवाय इबलीस के।

অতঃপর সমস্ত ফেরেশতাই একযোগে সেজদায় নত হল,

●●●●●

Saad (38:74)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

إِلَّآ إِبۡلِيسَ ٱسۡتَكۡبَرَ وَكَانَ مِنَ ٱلۡكَٰفِرِينَ

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Not so Iblis: he was haughty, and became one of those who reject Faith.

उसشيطانने घमंड किया और इनकार करनेवालों में से हो गया

কিন্তু شيطانইবলীস; সে অহংকার করল এবং অস্বীকারকারীদের অন্তর্ভুক্ত হয়ে গেল।

●●●●●

Al-A'raaf (7:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ خَلَقْنَٰكُمْ ثُمَّ صَوَّرْنَٰكُمْ ثُمَّ قُلْنَا لِلْمَلَٰٓئِكَةِ ٱسْجُدُوا۟ لِءَادَمَ فَسَجَدُوٓا۟ إِلَّآ إِبْلِيسَ لَمْ يَكُن مِّنَ ٱلسَّٰجِدِينَ

It is Weﷲ﷯ Who created you and gave you shape; then We ﷲ﷯bade the angels prostrate to Adam, and they prostrate; not so Iblis; He refused to be of those who prostrate.

हमالله ﷻने तुम्हें ~~पैदा~~ خلقकरने का निश्चय किया; फिर तुम्हारा रूप बनाया; फिर हमﷻने फ़रिश्तों से कहो, "आदम को सजदा करो।" तो उन्होंने सजदा किया, सिवाय इबलीस के। वह (इबलीस) सदजा करनेवालों में से न हुआ

আর আমিالله ﷻ তোমাদেরকে সৃষ্টি করেছি, এরপর আকার-অবয়ব, তৈরী করেছি। অতঃপর আমিالله ﷻ ফেরেশতাদেরকে বলছি-আদমকে সেজদা কর তখন সবাই সেজদা করেছে, কিন্তু ইবলীস সে সেজদাকারীদের অন্তর্ভূক্ত ছিল না।

●●●●●

Al-A'raaf (7:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ مَا مَنَعَكَ أَلَّا تَسْجُدَ إِذْ أَمَرْتُكَ قَالَ أَنَا۠ خَيْرٌ مِّنْهُ خَلَقْتَنِى مِن نَّارٍ وَخَلَقْتَهُۥ مِن طِينٍ

(Allahﷻ) said: "What prevented thee from prostrating when I commanded thee?" Heشيطان said: "I am better than

he: Thou didst create me from fire, and him from clay."

अल्लाहﷻकहा, "तुझे किसने सजका करने से रोका, जबकि मैंने तुझे आदेश दिया था?" बोला, "मैं उससे अच्छा हूँ। तूने मुझे अग्नि से बनाया और उसे मिट्टी से बनाया।"

আল্লাহﷻ বললেনঃ আমি যখন নির্দেশ দিয়েছি, তখন তোকে কিসে সেজদা করতে বারণ করল? সে বললঃ আমি তার চাইতে শ্রেষ্ট। আপনি আমাকে আগুন দ্বারা সৃষ্টি করেছেন এবং তাকে সৃষ্টি করেছেন মাটির দ্বারা।

●●●●●

Al-A'raaf (7:13)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ فَٱهْبِطْ مِنْهَا فَمَا يَكُونُ لَكَ أَن تَتَكَبَّرَ فِيهَا فَٱخْرُجْ إِنَّكَ مِنَ ٱلصَّٰغِرِينَ

(Allahﷻ) said: "Get thee down from this: it is not for thee to be arrogant here: get out, for thou art of the meanest

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

(of creatures)."

ﷲﷻकहा, "उतर जा यहाँ से! तुझे कोई हक़ नहीं है कि यहाँ घमंड करे, तो अब निकल जा; निश्चय ही तू अपमानित है।"

ﷲﷻবললেন তুই এখান থেকে যা। এখানে অহংকার করার কোন অধিকার তোর নাই। অতএব তুই বের হয়ে যা। তুই হীনতমদের অন্তর্ভুক্ত।

●●●●●

Al-A'raaf (7:14)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ أَنظِرْنِىٓ إِلَىٰ يَوْمِ يُبْعَثُونَ

He شيطانsaid: "Give me respite till the day they are raised up."

شيطانबोला, "मुझे एक दिन तक मुहल्लत दे, जबकि लोग उठाए जाएँगे।"

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heالله were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहالله अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

شيطان

সে বললঃ আমাকে কেয়ামত দিবস পর্যন্ত অবকাশ দিন।

●●●●●

Al-A'raaf (7:15)

بسم الله الرحمن الرحيم
قَالَ إِنَّكَ مِنَ ٱلْمُنظَرِينَ

(Allah ﷻ) said: "Be thou among those who have respite."

الله ﷻकहा, "निस्संदेह तुझे मुहल्लत है।"

আল্লাহ ﷻ বললেনঃ তোকে সময় দেয়া হল।

●●●●●

Al-A'raaf (7:16)

بسم الله الرحمن الرحيم
قَالَ فَبِمَآ أَغْوَيْتَنِي لَأَقْعُدَنَّ لَهُمْ صِرَٰطَكَ ٱلْمُسْتَقِيمَ

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

He شيطانsaid: "Because thou hast thrown me out of the way, lo! I will lie in wait for them on thy straight way:

बोला,شيطان "अच्छा, इस कारण कि तूने मुझे गुमराही में डाला है, मैं भी तेरे सीधे मार्ग पर उनके लिए घात में अवश्य बैठूँगा

সে شيطانবললঃ আপনি আমাকে যেমন উদভ্রান্ত করেছেন, আমিও অবশ্য তাদের জন্যে আপনার সরল পথে বসে থাকবো।

●●●●●

Al-A'raaf (7:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ لَـَٔاتِيَنَّهُم مِّنۢ بَيْنِ أَيْدِيهِمْ وَمِنْ خَلْفِهِمْ وَعَنْ أَيْمَـٰنِهِمْ وَعَن شَمَآئِلِهِمْ ۖ وَلَا تَجِدُ أَكْثَرَهُمْ شَـٰكِرِينَ

"Then will Iشيطان assault them from before them and behind them, from their right and their left: Nor wilt thou find, in most of them, gratitude (for thy mercies)."

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

شيطان"फिर उनके आगे और उनके पीछे और उनके दाएँ और उनके बाएँ से उनके पास आऊँगा। और तू उनमें अधिकतर को कृतज्ञ न पाएगा।"

شيطانএরপর তাদের কাছে আসব তাদের সামনের দিক থেকে, পেছন দিক থেকে, ডান দিক থেকে এবং বাম দিক থেকে। আপনি তাদের অধিকাংশকে কৃতজ্ঞ পাবেন না।

●●●●●

Al-A'raaf (7:18)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱخْرُجْ مِنْهَا مَذْءُومًا مَّدْحُورًا لَّمَن تَبِعَكَ مِنْهُمْ لَأَمْلَأَنَّ جَهَنَّمَ مِنكُمْ أَجْمَعِينَ

(Allahﷻ) said: "Get out from this, disgraced and expelled. If any of them follow thee,- Hell will I fill with you all.

اللهﷻकहा, "निकल जा यहाँ से! निन्दित ठुकराया हुआ। उनमें से जिस किसी ने भी तेरा अनुसरण किया, मैं अवश्य तुम सबसे जहन्नम को

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

भर दूँगा।"

আল্লাহﷻ বললেনঃ বের হয়ে যা এখান থেকে লাঞ্ছিত ও অপমানিত হয়ে। তাদের যে কেউ তোর পথেচলবে, নিশ্চয় আমি তোদের সবার দ্বারা জাহান্নাম পূর্ণ করে দিব।

Al-A'raaf (7:19)

﷽

وَيَٰٓـَٔادَمُ ٱسْكُنْ أَنتَ وَزَوْجُكَ ٱلْجَنَّةَ فَكُلَا مِنْ حَيْثُ شِئْتُمَا وَلَا تَقْرَبَا هَٰذِهِ ٱلشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ ٱلظَّٰلِمِينَ

ﷲﷻ"O Adam! dwell thou and thy wife in the Garden, and enjoy (its good things) as ye wish: but approach not this tree, or ye run into harm and transgression."

ﷲﷻऔर "ऐ आदम! तुम और तुम्हारी पत्नी दोनों जन्नत में रहो-बसो, फिर जहाँ से चाहो खाओ, लेकिन इस वृक्ष के निकट न जाना, अन्यथा अत्याचारियों में से हो जाओगे।"

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

ﷲহে আদম তুমি এবং তোমার স্ত্রী জান্নাতে বসবাস কর। অতঃপর সেখান থেকে যা ইচ্ছা খাও তবে এ বৃক্ষের কাছে যেয়োনা তাহলে তোমরা গোনাহগার হয়ে যাবে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:20)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَوَسْوَسَ لَهُمَا ٱلشَّيْطَٰنُ لِيُبْدِىَ لَهُمَا مَا وُۥرِىَ عَنْهُمَا مِن سَوْءَٰتِهِمَا وَقَالَ مَا نَهَىٰكُمَا رَبُّكُمَا عَنْ هَٰذِهِ ٱلشَّجَرَةِ إِلَّآ أَن تَكُونَا مَلَكَيْنِ أَوْ تَكُونَا مِنَ ٱلْخَٰلِدِينَ

Then began Satan to whisper suggestions to them, bringing openly before their minds all their shame that was hidden from them (before): he said: "Your Lordﷲ only forbade you this tree, lest ye should become angels or such beings as live for ever."

फिर शैतान ने दोनों को बहकाया, ताकि उनकी शर्मगाहों को, जो उन दोनों से छिपी थीं, उन दोनों के सामने खोल दे। और उसने (इबलीस

ने) कहा, "तुम्हारे रबﷲﷻ ने तुम दोनों को जो इस वृक्ष से रोका है, तो केवल इसलिए कि ऐसा न हो कि तुम कहीं फ़रिश्ते हो जाओ या कही ऐसा न हो कि तुम्हें अमरता प्राप्त हो जाए।"

অতঃপর শয়তান উভয়কে প্ররোচিত করল, যাতে তাদের অঙ্গ, যা তাদের কাছে গোপন ছিল, তাদের সামনে প্রকাশ করে দেয়। সে বললঃ তোমাদের পালনকর্তা ﷲﷻতোমাদেরকে এ বৃক্ষ থেকে নিষেধ করেননি; তবে তা এ কারণে যে, তোমরা না আবার ফেরেশতা হয়ে যাও-কিংবা হয়ে যাও চিরকাল বসবাসকারী।

●●●●●

Al-A'raaf (7:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَاسَمَهُمَآ إِنِّى لَكُمَا لَمِنَ ٱلنَّٰصِحِينَ

And he شيطانswore to them both, that he was their sincere adviser.

और उसشيانने उन दोनों के आगे क़समें खाई कि "निश्चय ही मैं तुम

दोनों का हितैषी हूँ।"

সে شيطانতাদের কাছে কসম খেয়ে বললঃ আমি অবশ্যই তোমাদের হিতাকাঙ্খী।

●●●●●

Al-A'raaf (7:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَدَلَّىٰهُمَا بِغُرُورٍ فَلَمَّا ذَاقَا ٱلشَّجَرَةَ بَدَتْ لَهُمَا سَوْءَٰتُهُمَا وَطَفِقَا يَخْصِفَانِ عَلَيْهِمَا مِن وَرَقِ ٱلْجَنَّةِ وَنَادَىٰهُمَا رَبُّهُمَآ أَلَمْ أَنْهَكُمَا عَن تِلْكُمَا ٱلشَّجَرَةِ وَأَقُل لَّكُمَآ إِنَّ ٱلشَّيْطَٰنَ لَكُمَا عَدُوٌّ مُّبِينٌ

So by deceit he brought about their fall: when they tasted of the tree, their shame became manifest to them, and they began to sew together the leaves of the garden over their bodies. And their Lordﷲﷻ called unto them: "Did I not forbid you that tree, and tell you that Satan was an avowed enemy unto you?"

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

इस प्रकार धोखा देकर उसने उन दोनों को झुका लिया। अन्ततः जब उन्होंने उस वृक्ष का स्वाद लिया, तो उनकी शर्मगाहे एक-दूसरे के सामने खुल गए और वे अपने ऊपर बाग़ के पत्ते जोड़-जोड़कर रखने लगे। तब उनके रबﷲ ने उन्हें पुकारा, "क्या मैंने तुम दोनों को इस वृक्ष से रोका नहीं था और तुमसे कहा नहीं था कि शैतान तुम्हारा खुला शत्रु है?"

অতঃপর প্রতারণাপূর্বক তাদেরকে সম্মত করে ফেলল। অনন্তর যখন তারা বৃক্ষ আস্বাদন করল, তখন তাদের লজ্জাস্থান তাদের সামনে খুলে গেল এবং তারা নিজের উপর বেহেশতের পাতা জড়াতে লাগল। তাদের প্রতিপালকﷲ তাদেরকে ডেকে বললেনঃ আমি কি তোমাদেরকে এ বৃক্ষ থেকে নিষেধ করিনি এবং বলিনি যে, শয়তান তোমাদের প্রকাশ্য শত্রু।

●●●●●

Al-A'raaf (7:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَا رَبَّنَا ظَلَمْنَآ أَنفُسَنَا وَإِن لَّمْ تَغْفِرْ لَنَا وَتَرْحَمْنَا لَنَكُونَنَّ مِنَ ٱلْخَٰسِرِينَ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

They said: "Our Lordﷲﷻ! We have wronged our own souls: If thou forgive us not and bestow not upon us Thy Mercy, we shall certainly be lost."

दोनों बोले, "हमारे रब!ﷲﷻ हमने अपने आप पर अत्याचार किया। अब यदि तूने हमें क्षमा न किया और हम पर दया न दर्शाई, फिर तो हम घाटा उठानेवालों में से होंगे।"

তারা উভয়ে বললঃ হে আমাদের পালনকর্তাﷲﷻ আমরা নিজেদের প্রতি জুলম করেছি। যদি আপনি আমাদেরকে ক্ষমা না করেন এবং আমাদের প্রতি অনুগ্রহ না করেন, তবে আমরা অবশ্যই অবশ্যই ধ্বংস হয়ে যাব।

●●●●●

Al-A'raaf (7:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱهْبِطُوا۟ بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ عَدُوٌّ وَلَكُمْ فِى ٱلْأَرْضِ مُسْتَقَرٌّ وَمَتَٰعٌ إِلَىٰ حِينٍ

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

(Allah) said: "Get ye down. With enmity between yourselves. On earth will be your dwelling-place and your means of livelihood,- for a time."

ﷻकहा, "उतर जाओ! तुम परस्पर एक-दूसरे के शत्रु हो और एक अवधि कर तुम्हारे लिए धरती में ठिकाना और जीवन-सामग्री है।"

আল্লাহﷻ বললেনঃ তোমরা নেমে যাও। তোমরা এক অপরের শত্রু। তোমাদের জন্যে পৃথিবীতে বাসস্থান আছে এবং একটি নির্দিষ্ট মেয়াদ পর্যন্ত ফল ভোগ আছে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:25)

بسم الله الرحمن الرحيم
قَالَ فِيهَا تَحْيَوْنَ وَفِيهَا تَمُوتُونَ وَمِنْهَا تُخْرَجُونَ

Heﷻ said: "Therein shall ye live, and therein shall ye die; but from it shall ye be taken out (at last)."

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷿ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷿ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷿ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

कहा, "वहीं तुम्हें जीना और वहीं तुम्हें मरना है और उसी में से तुमको निकाला जाएगा।"

ﷲﷻবললেনঃ তোমরা সেখানেই জীবিত থাকবে, সেখানেই মৃত্যুবরন করবে এবং সেখান থেকেই পুনরুজ্জিত হবে।

Prophets and their Nations..

Nuh...ﷺ

Nooh (71:1)

﷽

إِنَّآ أَرۡسَلۡنَا نُوحًا إِلَىٰ قَوۡمِهِۦٓ أَنۡ أَنذِرۡ قَوۡمَكَ مِن قَبۡلِ أَن يَأۡتِيَهُمۡ عَذَابٌ أَلِيمٌ

We ﷲﷻsent Noah ﷺto his People (with the Command):

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"Do thou warn thy People before there comes to them a grievous Penalty."

हमﷲने नूहﷺ को उसकी क़ौम की ओर भेजा कि "अपनी क़ौम के लोगों को सावधान कर दो, इससे पहले कि उनपर कोई दुखद यातना आ जाए।"

আমিﷲ নূহﷺকে প্রেরণ করেছিলাম তাঁর সম্প্রদায়ের প্রতি একথা বলেঃ তুমি তোমার সম্প্রদায়কে সতর্ক কর, তাদের প্রতি মর্মন্তুদ শাস্তি আসার আগে।

●●●●●

Nooh (71:2)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ يَٰقَوْمِ إِنِّى لَكُمْ نَذِيرٌ مُّبِينٌ

He said: "O my People! I am to you a Warner, clear and open:

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैं तुम्हारे लिए एक स्पष्ट सचेतकर्ता हूँ

সে বলল, হে আমার সম্প্রদায়! আমি তোমাদের জন্যে স্পষ্ট সতর্ককারী।

●●●●●

Nooh (71:3)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

أَنِ ٱعْبُدُوا۟ ٱللَّهَ وَٱتَّقُوهُ وَأَطِيعُونِ

"That ye should worship Allahﷻ, fear Him and obey me:

कि अल्लाहﷻ की बन्दगी करो और उसका डर रखो और मेरी आज्ञा मानो।-

এ বিষয়ে যে, তোমরা আল্লাহﷻ তা'আলার এবাদত কর, তাঁকে ভয় কর এবং আমার আনুগত্য কর।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Nooh (71:4)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

يَغۡفِرۡ لَكُم مِّن ذُنُوبِكُمۡ وَيُؤَخِّرۡكُمۡ إِلَىٰٓ أَجَلٖ مُّسَمًّىۚ إِنَّ أَجَلَ ٱللَّهِ إِذَا جَآءَ لَا يُؤَخَّرُۚ لَوۡ كُنتُمۡ تَعۡلَمُونَ

"So He ❖ ﷲ may forgive you your sins and give you respite for a stated Term: for when the Term given by Allah is accomplished, it cannot be put forward: if ye only knew."

"वह तुम्हें क्षमा करके तुम्हारे गुनाहों से तुम्हें पाक कर देगा और एक निश्चित समय तक तुम्हे मुहल्लत देगा। निश्चय ही जब अल्लाह का निश्चित समय आ जाता है तो वह टलता नहीं, काश कि तुम जानते!"

আল্লাহ তা'আলা তোমাদের পাপসমূহ ক্ষমা করবেন এবং নির্দিষ্ট সময় পর্যন্ত অবকাশ দিবেন। নিশ্চয় আল্লাহ তা' আলার নির্দিষ্টকাল যখন হবে, তখন অবকাশ দেয়া হবে না, যদি

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

তোমরা তা জানতে!

●●●●●

Nooh (71:5)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ رَبِّ إِنِّى دَعَوْتُ قَوْمِى لَيْلًا وَنَهَارًا

He said: "O my Lordﷲ! I have called to my People night and day:

उसने कहा, "ऐ मेरे रबﷲ! मैंने अपनी क़ौम के लोगों को रात और दिन बुलाया

সে বললঃ হে আমার পালনকর্তা!ﷲ আমি আমার সম্প্রদায়কে দিবারাত্রি দাওয়াত দিয়েছি;

●●●●●

Nooh (71:6)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

فَلَمْ يَزِدْهُمْ دُعَآءِىٓ إِلَّا فِرَارًا

"But my call only increases (their) flight (from the Right).

"किन्तु मेरी पुकार ने उनके पलायन को ही बढ़ाया

কিন্তু আমার দাওয়াত তাদের পলায়নকেই বৃদ্ধি করেছে।

●●●●●

Nooh (71:7)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِنِّى كُلَّمَا دَعَوْتُهُمْ لِتَغْفِرَ لَهُمْ جَعَلُوٓا۟ أَصَٰبِعَهُمْ فِىٓ ءَاذَانِهِمْ وَٱسْتَغْشَوْا۟ ثِيَابَهُمْ وَأَصَرُّوا۟ وَٱسْتَكْبَرُوا۟ ٱسْتِكْبَارًا

"And every time I have called to them, that Thouﷻ mightest forgive them, they have (only) thrust their fingers into their ears, covered themselves up with their garments, grown obstinate, and given themselves up to arrogance.

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"और जब भी मैंने उन्हें बुलाया, ताकि तूﷲ﷽ उन्हें क्षमा कर दे, तो उन्होंने अपने कानों में अपनी उँगलियाँ दे लीं और अपने कपड़ो से स्वयं को ढाँक लिया और अपनी हठ पर अड़ गए और बड़ा ही घमंड किया

আমি যতবারই তাদেরকে দাওয়াত দিয়েছি, যাতে আপনি﷽ তাদেরকে ক্ষমা করেন, ততবারই তারা কানে অঙ্গুলি দিয়েছে, মুখমন্ডল বস্ত্রাবৃত করেছে, জেদ করেছে এবং খুব ঔদ্ধত্য প্রদর্শন করেছে।

●●●●●

Nooh (71:8)

﷽

ثُمَّ إِنِّي دَعَوْتُهُمْ جِهَارًا

"So I have called to them aloud;

"फिर मैंने उन्हें खुल्लमखुल्ला बुलाया,

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

অতঃপর আমি তাদেরকে প্রকাশ্যে দাওয়াত দিয়েছি,

●●●●●

Nooh (71:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ إِنِّيٓ أَعۡلَنتُ لَهُمۡ وَأَسۡرَرۡتُ لَهُمۡ إِسۡرَارٗا

"Further I have spoken to them in public and secretly in private,

"फिर मैंने उनसे खुले तौर पर भी बातें की और उनसे चुपके-चुपके भी बातें की

অতঃপর আমি ঘোষণা সহকারে প্রচার করেছি এবং গোপনে চুপিসারে বলেছি।

●●●●●

Nooh (71:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَقُلْتُ ٱسْتَغْفِرُوا۟ رَبَّكُمْ إِنَّهُۥ كَانَ غَفَّارًا

"Saying, 'Ask forgiveness from your Lordﷻ; for Heﷲﷻ is Oft-Forgiving;

"और मैंने कहा, अपने रबﷻ से क्षमा की प्रार्थना करो। निश्चय ही वह ﷲﷻबड़ा क्षमाशील है,

অতঃপর বলেছিঃ তোমরা তোমাদের পালনকর্তারﷲﷻ ক্ষমা প্রার্থনা কর। তিনিﷻ অত্যন্ত ক্ষমাশীল।

●●●●●

Nooh (71:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

يُرْسِلِ ٱلسَّمَآءَ عَلَيْكُم مِّدْرَارًا

"'Heﷲﷻ will send rain to you in abundance;

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷛ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷛ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷛ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"वह ﷲ﷛बादल भेजेगा तुमपर ख़ूब बरसनेवाला,

তিনিﷲ﷛ তোমাদের উপর অজস্র বৃষ্টিধারা ছেড়ে দিবেন,

●●●●●

Nooh (71:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيُمْدِدْكُم بِأَمْوَٰلٍ وَبَنِينَ وَيَجْعَل لَّكُمْ جَنَّٰتٍ وَيَجْعَل لَّكُمْ أَنْهَٰرًا

"'Give you increase in wealth and sons; and bestow on you gardens and bestow on you rivers (of flowing water).

"और वह माल और बेटों से तुम्हें बढ़ोतरी प्रदान करेगा, और तुम्हारे लिए बाग़ पैदा करेगा और तुम्हारे लिए नहरें प्रवाहित करेगा

তোমাদের ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি বাড়িয়ে দিবেন, তোমাদের জন্যে উদ্যান স্থাপন করবেন এবং তোমাদের জন্যে নদীনালা প্রবাহিত করবেন।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Nooh (71:13)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

مَّا لَكُمۡ لَا تَرۡجُونَ لِلَّهِ وَقَارٗا

"'What is the matter with you, that ye place not your hope for kindness and long-suffering in Allahﷻ,-

"तुम्हें क्या हो गया है कि तुम (अपने दिलों में) अल्लाहﷻ के लिए किसी गौरव की आशा नहीं रखते?

তোমাদের কি হল যে, তোমরা আল্লাহﷻ তা'আলার শ্রেষ্টত্ব আশা করছ না।

●●●●●

Nooh (71:21)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

قَالَ نُوحٞ رَّبِّ إِنَّهُمۡ عَصَوۡنِي وَٱتَّبَعُواْ مَن لَّمۡ يَزِدۡهُ

مَالُهُۥ وَوَلَدُهُۥٓ إِلَّا خَسَارًا

Noah said: "O my Lord!﷽ They have disobeyed me, but they follow (men) whose wealth and children give them no increase but only Loss.

नूह ने कहा, "ऐ मेरे रब!ﷲ﷽ उन्होंने मेरी अवज्ञा की, और उसका अनुसरण किया जिसके धन और जिसकी सन्तान ने उसके घाटे ही मे अभिवृद्धि की

নূহ বললঃ হে আমার পালনকর্তা,ﷲ﷽ আমার সম্প্রদায় আমাকে অমান্য করেছে আর অনুসরণ করছে এমন লোককে, যার ধন-সম্পদ ও সন্তান-সন্ততি কেবল তার ক্ষতিই বৃদ্ধি করছে।

●●●●●

Nooh (71:22)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

وَمَكَرُوا۟ مَكْرًا كُبَّارًا

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"And they have devised a tremendous Plot.

"और वे बहुत बड़ी चाल चले,

আর তারা ভয়ানক চক্রান্ত করছে।

●●●●●

Nooh (71:23)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَقَالُواْ لَا تَذَرُنَّ ءَالِهَتَكُمۡ وَلَا تَذَرُنَّ وَدّٗا وَلَا سُوَاعٗا وَلَا يَغُوثَ وَيَعُوقَ وَنَسۡرٗا

"And they have said (to each other), 'Abandon not your gods: Abandon neither Wadd nor Suwa', neither Yaguth nor Ya'uq, nor Nasr';-

"और उन्होंने कहा, अपने इष्ट-पूज्यों के कदापि न छोड़ो और न वह वद्द को छोड़ो और न सुवा को और न यग़ूस और न यऊक़ और

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

नस्र को

তারা বলছেঃ তোমরা তোমাদের উপাস্যদেরকে ত্যাগ করো না এবং ত্যাগ করো না ওয়াদ, সূয়া, ইয়াগুছ, ইয়াউক ও নসরকে।

●●●●●

Nooh (71:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَدْ أَضَلُّوا۟ كَثِيرًا ۖ وَلَا تَزِدِ ٱلظَّٰلِمِينَ إِلَّا ضَلَٰلًا

"They have already misled many; and grant Thou no increase to the wrong-doers but in straying (from their mark)."

"और उन्होंने बहुत-से लोगों को पथभ्रष्ट॥ किया है (तो तू उन्हें मार्ग न दिया) अब, तू भी ज़ालिमों की पथभ्रष्टता ही में अभिवृद्धि कर।"

অথচ তারা অনেককে পথভ্রষ্ট করেছে। অতএব আপনি জালেমদের পথভ্রষ্টতাই বাড়িয়ে দিন।

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি ﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Nooh (71:25)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

مِّمَّا خَطِيٓـَٔـٰتِهِمْ أُغْرِقُوا۟ فَأُدْخِلُوا۟ نَارًا فَلَمْ يَجِدُوا۟ لَهُم مِّن دُونِ ٱللَّهِ أَنصَارًا

Because of their sins they were drowned (in the flood), and were made to enter the Fire (of Punishment): and they found- in lieu of Allah ﷻ- none to help them.

वे अपनी बड़ी ख़ताओं के कारण पानी में डूबो दिए गए, फिर आग में दाख़िल कर दिए गए, फिर वे अपने और अल्लाह ﷻ के बीच आड़ बननेवाले सहायक न पा सके

তাদের গোনাহসমূহের দরুন তাদেরকে নিমজ্জিত করা হয়েছে, অতঃপর দাখিল করা হয়েছে জাহান্নামে। অতঃপর তারা আল্লাহ ﷻ তা'আলা ব্যতীত কাউকে সাহায্যকারী পায়নি।

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Nooh (71:26)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَقَالَ نُوحٌ رَّبِّ لَا تَذَرۡ عَلَى ٱلۡأَرۡضِ مِنَ ٱلۡكَٰفِرِينَ دَيَّارًا

And Noah, said: "O my Lord﷽! Leave not of the Unbelievers, a single one on earth!

और नूह ने कहा, "ऐ मेरे रबﷲ﷽! धरती पर इनकार करनेवालों में से किसी बसनेवाले को न छोड

নূহ আরও বললঃ হে আমার পালনকর্তা,ﷲ﷽ আপনি পৃথিবীতে কোন কাফের গৃহবাসীকে রেহাই দিবেন না।

●●●●●

Nooh (71:27)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

إِنَّكَ إِن تَذَرۡهُمۡ يُضِلُّواْ عِبَادَكَ وَلَا يَلِدُوٓاْ إِلَّا فَاجِرًا

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

كفّارًا

"For, if Thou ﷲ﷯dost leave (any of) them, they will but mislead Thy devotees, and they will breed none but wicked ungrateful ones.

"यदि آپ﷯ उन्हें छोड़ देगा तो वे तेरे बन्दों को पथभ्रष्ट कर देंगे और वे दुराचारियों और बड़े अधर्मियों को ही जन्म देंगे

যদি আপনিﷲ﷯ তাদেরকে রেহাই দেন, তবে তারা আপনার বান্দাদেরকে পথভ্রষ্ট করবে এবং জন্ম দিতে থাকবে কেবল পাপাচারী, কাফের।

●●●●●

Nooh (71:28)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

رَّبِّ ٱغۡفِرۡ لِي وَلِوَٰلِدَيَّ وَلِمَن دَخَلَ بَيۡتِيَ مُؤۡمِنٗا وَلِلۡمُؤۡمِنِينَ وَٱلۡمُؤۡمِنَٰتِۖ وَلَا تَزِدِ ٱلظَّٰلِمِينَ إِلَّا تَبَارَۢا

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"O my Lord! Forgive me, my parents, all who enter my house in Faith, and (all) believing men and believing women: and to the wrong-doers grant Thou no increase but in perdition!"

"ऐ मेरे रब! मुझे क्षमा कर दे और मेरे माँ-बाप को भी और हर उस व्यक्ति को भी जो मेरे घर में ईमानवाला बन कर दाख़िल हुआ और (सामान्य) ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को भी (क्षमा कर दे), और ज़ालिमों के विनाश को ही बढ़ा।"

হে আমার পালনকর্তা! আপনি আমাকে, আমার পিতা-মাতাকে, যারা মুমিন হয়ে আমার গৃহে প্রবেশ করে-তাদেরকে এবং মুমিন পুরুষ ও মুমিন নারীদেরকে ক্ষমা করুন এবং যালেমদের কেবল ধ্বংসই বৃদ্ধি করুন।

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Other Prophets.

Al-Baqara (2:87)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَا مُوسَى ٱلْكِتَٰبَ وَقَفَّيْنَا مِنۢ بَعْدِهِۦ بِٱلرُّسُلِ
وَءَاتَيْنَا عِيسَى ٱبْنَ مَرْيَمَ ٱلْبَيِّنَٰتِ وَأَيَّدْنَٰهُ بِرُوحِ
ٱلْقُدُسِ أَفَكُلَّمَا جَآءَكُمْ رَسُولٌۢ بِمَا لَا تَهْوَىٰٓ أَنفُسُكُمُ
بْتُمْ وَفَرِيقًا تَقْتُلُونَ ٱسْتَكْبَرْتُمْ فَفَرِيقًا كَذَّ

Weﷲﷻ gave Moses the Book and followed him up with a succession of messengers; Weﷲﷻ gave Jesus the son of Mary Clear (Signs) and strengthened him with the holy spirit. Is it that whenever there comes to you a messenger with what ye yourselves desire not, ye are puffed up with pride?- Some ye called impostors, and others ye slay!

और हमﷲﷻने मूसा को किताब दी थी, और उसके पश्चात आगे-पीछे निरन्तर रसूल भेजते रहे; और मरयम के बेटे ईसा को खुली-खुली निशानियाँ प्रदान की और पवित्र-आत्मा के द्वारा उसे शक्ति प्रदान की;

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷺ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷺ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷺ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

तो यही तो हुआ कि जब भी कोई रसूल तुम्हारे पास वह कुछ लेकर आया जो तुम्हारे जी को पसन्द न था, तो तुम अकड़ बैठे, तो एक गिरोह को तो तुमने झुठलाया और एक गिरोह को क़त्ल करते हो?

অবশ্যই আমিﷲﷺ মূসাকে কিতাব দিয়েছি। এবং তার পরে পর্যায়ক্রমে রসূল পাঠিয়েছি। আমিﷲﷺ মরিয়ম তনয় ঈসাকে সুস্পষ্ট মোজেযা দান করেছি এবং পবিত্র রূহের মাধ্যমে তাকে শক্তিদান করেছি। অতঃপর যখনই কোন রসূল এমন নির্দেশ নিয়ে তোমাদের কাছে এসেছে, যা তোমাদের মনে ভাল লাগেনি, তখনই তোমরা অহংকার করেছ। শেষ পর্যন্ত তোমরা একদলকে মিথ্যাবাদী বলেছ এবং একদলকে হত্যা করেছ।

●●●●●

Al-Baqara (2:88)

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَقَالُواْ قُلُوبُنَا غُلۡفُۢۚ بَل لَّعَنَهُمُ ٱللَّهُ بِكُفۡرِهِمۡ فَقَلِيلٗا مَّا يُؤۡمِنُونَ

They say, "Our hearts are the wrappings (which preserve

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Allah'ﷻs Word: we need no more)." Nay, Allahﷻ's curse is on them for their blasphemy: Little is it they believe.

वे कहते हैं, "हमारे दिलों पर तो प्राकृतिक आवरण चढ़े है" नहीं, बल्कि उनके इनकार के कारण अल्लाहﷻ ने उनपर लानत की है; अतः वे ईमान थोड़े ही लाएँगे

তারা বলে, আমাদের হৃদয় অর্ধাবৃত। এবং তাদের কুফরের কারণে আল্লাহﷻ অভিসম্পাত করেছেন। ফলে তারা অল্পই ঈমান আনে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:74)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَٱذْكُرُوٓا۟ إِذْ جَعَلَكُمْ خُلَفَآءَ مِنۢ بَعْدِ عَادٍ وَبَوَّأَكُمْ فِى ٱلْأَرْضِ تَتَّخِذُونَ مِن سُهُولِهَا قُصُورًا وَتَنْحِتُونَ ٱلْجِبَالَ بُيُوتًا فَٱذْكُرُوٓا۟ ءَالَآءَ ٱللَّهِ وَلَا تَعْثَوْا۟ فِى ٱلْأَرْضِ مُفْسِدِينَ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"And remember how Heﷻ made you inheritors after the 'Ad people and gave you habitations in the land: ye build for yourselves palaces and castles in (open) plains, and carve out homes in the mountains; so bring to remembrance the benefits (ye have received) from Allahﷻ, and refrain from evil and mischief on the earth."

और याद करो जब अल्लाहﷻ ने आद के पश्चात तुम्हें उसका उत्तराधिकारी बनाया और धरती में तुम्हें ठिकाना प्रदान किया। तुम उसके समतल मैदानों में महल बनाते हो और पहाड़ो को काट-छाँट कर भवनों का रूप देते हो। अतः अल्लाहﷻ की सामर्थ्य के चमत्कारों को याद करो और धरती में बिगाड़ पैदा करते न फिरो।"

তোমরা স্মরণ কর, যখন তোমাদেরকে আদ জাতির পরে সর্দার করেছেন; তোমাদেরকে পৃথিবীতে ঠিকানা দিয়েছেন। তোমরা নরম মাটিতে অট্টালিকা নির্মান কর এবং পর্বত গাত্র খনন করে প্রকোষ্ঠ নির্মাণ কর। অতএব আল্লাহﷻর অনুগ্রহ স্মরণ কর এবং পৃথিবীতে অনর্থ সৃষ্টি করো না।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:75)

﷽

قَالَ ٱلْمَلَأُ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ مِن قَوْمِهِۦ لِلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِمَنْ ءَامَنَ مِنْهُمْ أَتَعْلَمُونَ أَنَّ صَٰلِحًا مُّرْسَلٌ مِّن رَّبِّهِۦ قَالُوٓا۟ إِنَّا بِمَآ أُرْسِلَ بِهِۦ مُؤْمِنُونَ

The leaders of the arrogant party among his people said to those who were reckoned powerless - those among them who believed: "know ye indeed that Salih is a messenger from his Lordﷻ?" They said: "We do indeed believe in the revelation which hath been sent through him."

उसकी क़ौम के सरदार, जो बड़े बने हुए थे, उन कमज़ोर लोगों से, जो उनमें ईमान लाए थे, कहने लगे, "क्या तुम जानते हो कि सालेह अपने रबﷻ }का भेजा हुआ (पैग़म्बर) है?" उन्होंने कहा, "निस्संदेह जिस चीज़ के साथ वह भेजा गया है, हम उसपर ईमान रखते है।"

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

তার সম্প্রদায়ের দাম্ভিক সর্দাররা ঈমানদার দারিদ্রদেরকে জিজ্ঞেস করলঃ তোমরা কি বিশ্বাস কর যে সালেহ কে তার পালনকর্তা প্রেরণ করেছেন; তারা বলল আমরা তো তার আনীত বিষয়ের প্রতি বিশ্বাসী।

●●●●●

Al-A'raaf (7:76)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلَّذِينَ ٱسۡتَكۡبَرُوٓاْ إِنَّا بِٱلَّذِيٓ ءَامَنتُم بِهِۦ كَٰفِرُونَ

The Arrogant party said: "For our part, we reject what ye believe in."

उन घमंड करनेवालों ने कहा, "जिस चीज़ पर तुम ईमान लाए हो, हम तो उसको नहीं मानते।"

দাম্ভিকরা বললঃ তোমরা যে বিষয়ে বিশ্বাস স্থাপন করেছ, আমরা তাতে অস্বীকৃত।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:85)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِلَىٰ مَدْيَنَ أَخَاهُمْ شُعَيْبًا قَالَ يَٰقَوْمِ ٱعْبُدُوا۟ ٱللَّهَ مَا لَكُم مِّنْ إِلَٰهٍ غَيْرُهُۥ قَدْ جَآءَتْكُم بَيِّنَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ فَأَوْفُوا۟ ٱلْكَيْلَ وَٱلْمِيزَانَ وَلَا تَبْخَسُوا۟ ٱلنَّاسَ أَشْيَآءَهُمْ وَلَا تُفْسِدُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ بَعْدَ إِصْلَٰحِهَا ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنتُم مُّؤْمِنِينَ

To the Madyan people Weﷲﷻ sent Shu'aib, one of their own brethren: he said: "O my people! worship Allahﷻ; Ye have no other god but Him. Now hath come unto you a clear (Sign) from your Lord!ﷻ Give just measure and weight, nor withhold from the people the things that are their due; and do no mischief on the earth after it has been set in order: that will be best for you, if ye have Faith.

और मदयनवालों की ओर हमﷲﷻने उनके भाई शुऐब को भेजा। उसने कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगों! अल्लाहﷻ की बन्दगी करो। उसके

अतिरिक्त तुम्हारा कोई पूज्य नहीं। तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक स्पष्ट प्रमाण आ चुका है। तो तुम नाप और तौल पूरी-पूरी करो, और लोगों को उनकी चीज़ों में घाटा न दो, और धरती में उसकी सुधार के पश्चात बिगाड़ पैदा न करो। यही तुम्हारे लिए अच्छा है, यदि तुम ईमानवाले हो

আমিﷲﷻ মাদইয়ানের প্রতি তাদের ভাই শোয়ায়েবকে প্রেরণ করেছি। সে বললঃ হে আমার সম্প্রদায়! তোমরা আল্লাহﷻর এবাদত কর। তিনি ব্যতীত তোমাদের কোন উপাস্য নেই। তোমাদের কাছে তোমাদের প্রতিপালকের পক্ষ থেকে প্রমাণ এসে গেছে। অতএব তোমরা মাপ ও ওজন পূর্ন কর এবং মানুষকে তাদের দ্রব্যদি কম দিয়ো না এবং ভুপৃষ্টের সংস্কার সাধন করার পর তাতে অনর্থ সৃষ্টি করো না। এই হল তোমাদের জন্যে কল্যাণকর, যদি তোমরা বিশ্বাসী হও।

●●●●●

Al-A'raaf (7:86)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَا تَقْعُدُوا۟ بِكُلِّ صِرَٰطٍ تُوعِدُونَ وَتَصُدُّونَ عَن

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

سَبِيلِ ٱللَّهِ مَنْ ءَامَنَ بِهِۦ وَتَبْغُونَهَا عِوَجًا وَٱذْكُرُوٓا۟ إِذْ كُنتُمْ قَلِيلًا فَكَثَّرَكُمْ وَٱنظُرُوا۟ كَيْفَ كَانَ عَٰقِبَةُ ٱلْمُفْسِدِينَ

"And squat not on every road, breathing threats, hindering from the path of Allahﷲﷻ those who believe in Him, and seeking in it something crooked; But remember how ye were little, and Heﷲﷻ gave you increase. And hold in your mind's eye what was the end of those who did mischief.

"और प्रत्येक मार्ग पर इसलिए न बैठो कि धमकियाँ दो और उस व्यक्ति को अल्लाहﷻ के मार्ग से रोकने लगो जो उसपर ईमान रखता हो और न उस मार्ग को टेढ़ा करने में लग जाओ। याद करो, वह समय जब तुम थोड़े थे, फिर उसने तुम्हें अधिक कर दिया। और देखो, बिगाड़ पैदा करनेवालो का कैसा परिणाम हुआ

তোমরা পথে ঘাটে এ কারণে বসে থেকো না যে, আল্লাহﷻ বিশ্বাসীদেরকে হুমকি দিবে, আল্লাহﷻর পথে বাধা সৃষ্টি করবে

এবং তাতে বক্রতা অনুসন্ধান করবে। স্মরণ কর, যখন তোমরা সংখ্যায় অল্প ছিলে অতঃপর আল্লাহﷻ তোমাদেরকে অধিক করেছেন এবং লক্ষ্য কর কিরূপ অশুভ পরিণতি হয়েছে অনর্থকারীদের।

●●●●●

Al-A'raaf (7:87)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِن كَانَ طَآئِفَةٌ مِّنكُمْ ءَامَنُوا۟ بِٱلَّذِىٓ أُرْسِلْتُ بِهِۦ وَطَآئِفَةٌ لَّمْ يُؤْمِنُوا۟ فَٱصْبِرُوا۟ حَتَّىٰ يَحْكُمَ ٱللَّهُ بَيْنَنَا وَهُوَ خَيْرُ ٱلْحَٰكِمِينَ

"And if there is a party among you who believes in the message with which I have been sent, and a party which does not believe, hold yourselves in patience until Allahﷻ doth decide between us: for He is the best to decide.

"और यदि तुममें एक गिरोह ऐसा है, जो उसपर ईमान लाया है, जिसके साथ मैं भेजा गया हूँ और एक गिरोह ऐसा है, जो उसपर

ईमान लाया है, जिसके साथ मैं भेजा गया हूँ और एक गिरोह ईमान नहीं लाया, तो धैर्य से काम लो, यहाँ तक कि अल्लाहﷻ हमारे बीच फ़ैसला कर दे। और वह सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है।"

আর যদি তোমাদের একদল ঐ বিষয়ের প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে যা নিয়ে আমি প্রেরিত হয়েছি এবং একদল বিশ্বাস স্থাপন করে যা নিয়ে আমি প্রেরিত হয়েছি এবং একদল বিশ্বাস স্থাপন না করে, তবে ছবর কর যে পর্যন্ত আল্লাহﷻ আমাদের মধ্যে মীমাংসা না করে দেন। তিনিই শ্রেষ্ট মীমাংসাকারী।

●●●●●

Al-A'raaf (7:88)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلْمَلَأُ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ مِن قَوْمِهِۦ لَنُخْرِجَنَّكَ يَٰشُعَيْبُ وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ مَعَكَ مِن قَرْيَتِنَآ أَوْ لَتَعُودُنَّ فِى مِلَّتِنَا قَالَ أَوَلَوْ كُنَّا كَٰرِهِينَ

The leaders, the arrogant party among his people, said: "O

Shu'aibﷺ! we shall certainly drive thee out of our city - (thee) and those who believe with thee; or else ye (thou and they) shall have to return to our ways and religion." He said: "What! even though we do detest (them)?

उनकी क़ौम के सरदारों ने, जो घमंड में पड़े थे, कहा, "ऐ शुऐब! हम तुझे और तेरे साथ उन लोगों को, जो ईमान लाए है, अपनी बस्ती से निकालकर रहेंगे। या फिर तुम हमारे पन्थ में लौट आओ।" उसने कहा, "क्या (तुम यही चाहोगे) यद्यपि यह हमें अप्रिय हो जब भी?

তার সম্প্রদায়ের দাম্ভিক সর্দাররা বললঃ হে শোয়ায়েব, আমরা অবশ্যই তোমাকে এবং তোমার সাথে বিশ্বাস স্থাপনকারীদেরকে শহর থেকে বের করে দেব অথবা তোমরা আমাদের ধর্মে প্রত্যাবর্তন করবে। শোয়ায়েব বললঃ আমরা অপছন্দ করলেও কি ?

●●●●●

Al-A'raaf (7:89)

﷽

قَدِ ٱفْتَرَيْنَا عَلَى ٱللَّهِ كَذِبًا إِنْ عُدْنَا فِى مِلَّتِكُم بَعْدَ

إِذْ نَجَّىٰنَا ٱللَّهُ مِنْهَا وَمَا يَكُونُ لَنَآ أَن نَّعُودَ فِيهَآ إِلَّآ أَن يَشَآءَ ٱللَّهُ رَبُّنَا وَسِعَ رَبُّنَا كُلَّ شَىْءٍ عِلْمًا عَلَى ٱللَّهِ تَوَكَّلْنَا رَبَّنَا ٱفْتَحْ بَيْنَنَا وَبَيْنَ قَوْمِنَا بِٱلْحَقِّ وَأَنتَ خَيْرُ ٱلْفَٰتِحِينَ

"We should indeed invent a lie against Allahﷻ, if we returned to your ways after Allahﷻ hath rescued us therefrom; nor could we by any manner of means return thereto unless it be as in the will and plan of Allahﷻ, Our Lord. Our Lord can reach out to the utmost recesses of things by His knowledge. In the Allahﷻ is our trust. our Lord! decide Thou between us and our people in truth, for Thou art the best to decide."

"हम अल्लाहﷻ पर झूठ घड़नेवाले ठहरेंगे, यदि तुम्हारे पन्थ में लौट आएँ, इसके बाद कि अल्लाहﷻ ने हमें उससे छुटकारा दे दिया है। यह हमसे तो होने का नहीं कि हम उसमें पलट कर जाएँ, बल्कि हमारे रब अल्लाहﷻ की इच्छा ही क्रियान्वित है। ज्ञान की स्पष्ट से हमारा रब हर चीज़ को अपने घेरे में लिए हुए है। हमने अल्लाहﷻ

ही पर भरोसा किया है। हमारे रब, हमारे और हमारी क़ौम के बीच निश्चित अटल फ़ैसला कर दे। और तू सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है।"

আমরা আল্লাহﷻর প্রতি মিথ্যা অপবাদকারী হয়ে যাব যদি আমরা তোমাদের ধর্মে প্রত্যাবর্তন করি, অথচ তিনি আমাদেরকে এ থেকে মুক্তি দিয়েছেন। আমাদের কাজ নয় এ ধর্মে প্রত্যাবর্তন করা, কিন্তু আমাদের প্রতি পালক আল্লাহﷻ যদি চান। আমাদের প্রতিপালক প্রত্যেক বস্তুকে স্বীয় জ্ঞান দ্বারা বেষ্টন করে আছেন। আল্লাহﷻর প্রতিই আমরা ভরসা করেছি। হে আমাদের প্রতিপালক আমাদের ও আমাদের সম্প্রদায়ের মধ্যে ফয়সালা করে ছিল যথার্থ ফয়সালা। আপনিই শ্রেষ্টতম ফসলা ফয়সালাকারী।

●●●●●

Al-A'raaf (7:90)

﷽

وَقَالَ ٱلْمَلَأُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ مِن قَوْمِهِۦ لَئِنِ ٱتَّبَعْتُمْ شُعَيْبًا إِنَّكُمْ إِذًا لَّخَٰسِرُونَ

The leaders, the unbelievers among his people, said: "If ye follow Shu'aib, ﷺbe sure then ye are ruined!"

और क़ौम के सरदार, जिन्होंने इनकार किया था, बोले, "यदि तुम शुऐबﷺ के अनुयायी बने तो तुम घाटे में पड़ जाओगे।"

তার সম্প্রদায়ের কাফের সর্দাররা বললঃ যদি তোমরা শোয়ায়েবের ﷺঅনুসরণ কর, তবে নিশ্চিতই ক্ষতিগ্রস্ত হবে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:91)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَأَخَذَتْهُمُ ٱلرَّجْفَةُ فَأَصْبَحُوا۟ فِى دَارِهِمْ جَٰثِمِينَ

But the earthquake took them unawares, and they lay prostrate in their homes before the morning!

अन्ततः एक दहला देनेवाली आपदा ने उन्हें आ लिया। फिर वे अपने

घर में औंधे पड़े रह गए,

অনন্তর পাকড়াও করল তাদেরকে ভূমিকম্প। ফলে তারা সকাল বেলায় গৃহ মধ্যে উপুড় হয়ে পড়ে রইল।

●●●●●

Al-A'raaf (7:92)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱلَّذِينَ كَذَّبُوا۟ شُعَيْبًا كَأَن لَّمْ يَغْنَوْا۟ فِيهَا ٱلَّذِينَ كَذَّبُوا۟ شُعَيْبًا كَانُوا۟ هُمُ ٱلْخَٰسِرِينَ

The men who reject Shu'aibﷺ became as if they had never been in the homes where they had flourished: the men who rejected Shu'aibﷺ - it was they who were ruined!

शुऐबﷺ को झुठलानेवाले, मानो कभी वहाँ बसे ही न थे। शुऐबﷺ को झुठलानेवाले ही घाटे में रहे

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷿ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷿ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷿ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

শোয়ায়েবেরﷺ প্রতি মিথ্যারোপকারীরা যেন কোন দিন সেখানে বসবাসই করেনি। যারা শোয়ায়েবেরﷺ প্রতি মিথ্যারোপ করেছিল, তারাই ক্ষতিগ্রস্থ হল।

●●●●●

Al-A'raaf (7:93)

﷽

فَتَوَلَّىٰ عَنْهُمْ وَقَالَ يَٰقَوْمِ لَقَدْ أَبْلَغْتُكُمْ رِسَٰلَٰتِ رَبِّى وَنَصَحْتُ لَكُمْ فَكَيْفَ ءَاسَىٰ عَلَىٰ قَوْمٍ كَٰفِرِينَ

So Shu'aibﷺ left them, saying: "O my people! I did indeed convey to you the messages for which I was sent by my Lord: I gave you good counsel, but how shall I lament over a people who refuse to believe!"

तब वह उनके यहाँ से यह कहता हुआ फिरा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मैंने अपने रब के सन्देश तुम्हें पहुँचा दिए और मैंने तुम्हारा हित चाहा। अब मैं इनकार करनेवाले लोगो पर कैसे अफ़सोस करूँ!"

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

অনন্তর সে তাদের কাছ থেকে প্রস্থান করল এবং বললঃ হে আমার সম্প্রদায়, আমি তোমাদেরকে প্রতিপালকের পয়গাম পৌছে দিয়েছি এবং তোমাদের হিত কামনা করেছি। এখন আমি কাফেরদের জন্যে কেন দুঃখ করব।

●●●●●

Al-A'raaf (7:94)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَآ أَرْسَلْنَا فِى قَرْيَةٍ مِّن نَّبِىٍّ إِلَّآ أَخَذْنَآ أَهْلَهَا بِٱلْبَأْسَآءِ وَٱلضَّرَّآءِ لَعَلَّهُمْ يَضَّرَّعُونَ

Whenever Weﷻ sent a prophet to a town, Weﷻ took up its people in suffering and adversity, in order that they might learn humility.

हमﷻने जिस बस्ती में भी कभी कोई नबी भेजा, तो वहाँ के लोगों को तंगी और मुसीबत में डाला, ताकि वे (हमारे सामने) गिड़गिड़ाए

আর আমিﷻ কোন জনপদে কোন নবী পাঠাইনি, তবে (এমতাবস্থায়) যে পাকড়াও করেছি সে জনপদের

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

অধিবাসীদিগকে কষ্ট ও কঠোরতার মধ্যে, যাতে তারা শিথিল হয়ে পড়ে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:95)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ بَدَّلْنَا مَكَانَ ٱلسَّيِّئَةِ ٱلْحَسَنَةَ حَتَّىٰ عَفَوا۟ وَّقَالُوا۟ قَدْ مَسَّ ءَابَآءَنَا ٱلضَّرَّآءُ وَٱلسَّرَّآءُ فَأَخَذْنَٰهُم بَغْتَةً وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ

Then Weﷲ changed their suffering into prosperity, until they grew and multiplied, and began to say: "Our fathers (too) were touched by suffering and affluence"... Behold! We called them to account of a sudden, while they realised not (their peril).

फिर हमने बदहाली को ख़ुशहाली में बदल दिया, यहाँ तक कि वे ख़ूब फले-फूले और कहने लगे, "ये दुख और सुख तो हमारे बाप-दादा को भी पहुँचे हैं।" अनततः जब वे बेखबर थे, हमने अचानक उन्हें

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি ﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

पकड़ लिया

অতঃপর অকল্যাণের স্থলে তা কল্যাণে বদলে দিয়েছে। এমনকি তারা অনেক বেড়ে গিয়েছি এবং বলতে শুরু করেছে, আমাদের বাপ-দাদাদের উপরও এমন আনন্দ-বেদনা এসেছে। অতঃপর আমি তাদেরকে পাকড়াও করেছি এমন আকস্মিকভাবে যে তারা টেরও পায়নি।

●●●●●

Al-A'raaf (7:96)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ أَنَّ أَهْلَ ٱلْقُرَىٰٓ ءَامَنُوا۟ وَٱتَّقَوْا۟ لَفَتَحْنَا عَلَيْهِم بَرَكَٰتٍ مِّنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلْأَرْضِ وَلَٰكِن كَذَّبُوا۟ فَأَخَذْنَٰهُم بِمَا كَانُوا۟ يَكْسِبُونَ

If the people of the towns had but believed and feared Allah, ﷻ We should indeed have opened out to them (All kinds of) blessings from heaven and earth; but they rejected (the truth), and We brought them to book for their

misdeeds.

यदि बस्तियों के लोग ईमान लाते और डर रखते तो अवश्य ही हमﷲﷻ उनपर आकाश और धरती की बरकतें खोल देते, परन्तु उन्होंने तो झुठलाया। तो जो कुछ कमाई वे करते थे, उसके बदले में हमने उन्हें पकड़ लिया

আর যদি সে জনপদের অধিবাসীরা ঈমান আনত এবং পরহেযগারী অবলম্বন করত, তবে আমিﷲﷻ তাদের প্রতি আসমানী ও পার্থিব নেয়ামত সমূহ উম্মুক্ত করে দিতাম। কিন্তু তারা মিথ্যা প্রতিপন্ন করেছে। সুতরাং আমি তাদেরকে পাকড়াও করেছি তাদের কৃতকর্মের বদলাতে।

●●●●●

Al-Furqaan (25:20)

﷽

وَمَآ أَرْسَلْنَا قَبْلَكَ مِنَ ٱلْمُرْسَلِينَ إِلَّآ إِنَّهُمْ لَيَأْكُلُونَ ٱلطَّعَامَ وَيَمْشُونَ فِى ٱلْأَسْوَاقِ وَجَعَلْنَا بَعْضَكُمْ لِبَعْضٍ فِتْنَةً أَتَصْبِرُونَ وَكَانَ رَبُّكَ بَصِيرًا

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

And the messengers whom We ﷲsent before thee were all (men) who ate food and walked through the streets: Weﷲ have made some of you as a trial for others: will ye have patience? for Allahﷻ is One Who sees (all things).

और तुमसे पहले हमने जितने रसूल भी भेजे हैं, वे सब खाना खाते और बाज़ारों में चलते-फिरते थे। हमﷲने तो तुम्हें परस्पर एक को दूसरे के लिए आज़माइश बना दिया है, "क्या तुम धैर्य दिखाते हो?" तुम्हारा रब तो सब कुछ देखता है

আপনার পূর্বে যত রসূল প্রেরণ করেছি, তারা সবাই খাদ্য গ্রহণ করত এবং হাটে-বাজারে চলাফেরা করত। আমিﷲ তোমাদের এককে অপরের জন্যে পরীক্ষাস্বরূপ করেছি। দেখি, তোমরা সবর কর কিনা। আপনার পালনকর্তা সব কিছু দেখেন।

●●●●●

Al-Furqaan (25:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

وَقَالَ ٱلَّذِينَ لَا يَرْجُونَ لِقَآءَنَا لَوْلَآ أُنزِلَ عَلَيْنَا ٱلْمَلَٰٓئِكَةُ أَوْ نَرَىٰ رَبَّنَا ۗ لَقَدِ ٱسْتَكْبَرُوا۟ فِىٓ أَنفُسِهِمْ وَعَتَوْ عُتُوًّا كَبِيرًا

Such as fear not the meeting with Usﷻ (for Judgment) say: "Why are not the angels sent down to us, or (why) do we not see our Lordﷻ?" Indeed they have an arrogant conceit of themselves, and mighty is the insolence of their impiety!

जिन्हें हमﷺसे मिलने की आशंका नहीं, वे कहते है, "क्यों न फ़रिश्ते हमपर उतरे या फिर हम अपने रबﷲﷻ को देखते?" उन्होंने अपने जी में बड़ा घमंज किया और बड़ी सरकशी पर उतर आए

যারা আমারﷻ সাক্ষাৎ আশা করে না, তারা বলে, আমাদের কাছে ফেরেশতা অবতীর্ণ করা হল না কেন? অথবা আমরা আমাদের পালনকর্তাﷲﷻকে দেখি না কেন? তারা নিজেদের অন্তরে অহংকার পোষণ করে এবং গুরুতর অবাধ্যতায় মেতে উঠেছে।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি ﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Furqaan (25:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ يَرَوْنَ ٱلْمَلَٰٓئِكَةَ لَا بُشْرَىٰ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُجْرِمِينَ وَيَقُولُونَ حِجْرًا مَّحْجُورًا

The Day they see the angels,- no joy will there be to the sinners that Day: The (angels) will say: "There is a barrier forbidden (to you) altogether!"

जिस दिन वे फ़रिश्तों को देखेंगे उस दिन अपराधियों के लिए कोई ख़ुशख़बरी न होगी और वे पुकार उठेंगे, "पनाह! पनाह!!"

যেদিন তারা ফেরেশতাদেরকে দেখবে, সেদিন অপরাধীদের জন্যে কোন সুসংবাদ থাকবে না এবং তারা বলবে, কোন বাধা যদি তা আটকে রাখত।

●●●●●

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Al-Ankaboot (29:39)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَٰرُونَ وَفِرْعَوْنَ وَهَٰمَٰنَ وَلَقَدْ جَآءَهُم مُّوسَىٰ بِٱلْبَيِّنَٰتِ فَٱسْتَكْبَرُوا۟ فِى ٱلْأَرْضِ وَمَا كَانُوا۟ سَٰبِقِينَ

(Remember also) Qarun, Pharaoh, and Haman: there came to them Moses with Clear Signs, but they behaved with insolence on the earth; yet they could not overreach (Us).

और क़ारून और फ़िरऔन और हामान को हमने विनष्ट किया। मूसा उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आया। किन्तु उन्होंने धरती में घमंड किया, हालाँकि वे हमसे निकल जानेवाले न थे

আমি কারুন, ফেরাউন ও হামানকে ধ্বংস করেছি। মূসা তাদের কাছে সুস্পষ্ট নিদর্শনাবলী নিয়ে আগমন করেছিল অতঃপর তারা দেশে দম্ভ করেছিল। কিন্তু তারা জিতে যায়নি।

●●●●●

Al-Ankaboot (29:40)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَكُلًّا أَخَذْنَا بِذَنۢبِهِۦ فَمِنْهُم مَّنْ أَرْسَلْنَا عَلَيْهِ حَاصِبًا وَمِنْهُم مَّنْ أَخَذَتْهُ ٱلصَّيْحَةُ وَمِنْهُم مَّنْ خَسَفْنَا بِهِ ٱلْأَرْضَ وَمِنْهُم مَّنْ أَغْرَقْنَا وَمَا كَانَ ٱللَّهُ لِيَظْلِمَهُمْ وَلَٰكِن كَانُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ

Each one of them Weﷲ seized for his crime: of them, against some We sent a violent tornado (with showers of stones); some were caught by a (mighty) Blast; some Weﷲcaused the earth to swallow up; and some We drowned (in the waters): It was not Allah Who injured (or oppressed) them:" They injured (and oppressed) their own souls.

अन्ततः हमﷲने हरेक को उसके अपने गुनाह के कारण पकड़ लिया। फिर उनमें से कुछ पर तो हमﷲने पथराव करनेवाली वायु भेजी और उनमें से कुछ को एक प्रचंड चीत्कार न आ लिया। और उनमें से कुछ को हमﷲने धरती में धँसा दिया। और उनमें से कुछ को हमने डूबो दिया। अल्लाह तो ऐसा न था कि उनपर

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

जुल्म करता, किन्तु वे स्वयं अपने आपपर जुल्म कर रहे थे

আমিﷲ প্রত্যেককেই তার অপরাধের কারণে পাকড়াও করেছি। তাদের কারও প্রতি প্রেরণ করেছি প্রস্তরসহ প্রচন্ড বাতাস, কাউকে পেয়েছে বজ্রপাত, কাউকে আমিﷲ বিলীন করেছি ভূগর্ভে এবং কাউকে করেছি নিমজ্জত। আল্লাহ তাদের প্রতি যুলুম করার ছিলেন না; কিন্তু তারা নিজেরাই নিজেদের প্রতি যুলুম করেছে।

◉⇮◆⇮●⇮◉

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

Moosa.a.s.

◆◉◈◆◉◈◆

Al-Muminoon (23:45)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ وَأَخَاهُ هَٰرُونَ بِـَٔايَٰتِنَا وَسُلْطَٰنٍ مُّبِينٍ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Then Weﷲﷻ sent Moses and his brother Aaron, with Our ﷻSigns and authority manifest,

फिर हमﷲﷻने मूसा और उसके भाई हारून को अपनीﷻ निशानियों और खुले प्रमाण के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों की ओर भेजा।

অতঃপর আমিﷲﷻ মূসা ও হারুণকে প্রেরণ করেছিলাম আমারﷻ নিদর্শনাবলী ও সুস্পষ্ট সনদসহ,

●●●●●

Al-Muminoon (23:46)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَإِيْهِۦ فَٱسْتَكْبَرُوا۟ وَكَانُوا۟ قَوْمًا عَالِينَ

To Pharaoh and his Chiefs: But these behaved insolently: they were an arrogant people.

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

किन्तु उन्होंने अहंकार किया। वे थे ही सरकश लोग

ফেরআউন ও তার অমাত্যদের কাছে। অতঃপর তারা অহংকার করল এবং তারা উদ্ধত সম্প্রদায় ছিল।

●●●●●

Al-Muminoon (23:47)

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

فَقَالُوٓا۟ أَنُؤْمِنُ لِبَشَرَيْنِ مِثْلِنَا وَقَوْمُهُمَا لَنَا عَـٰبِدُونَ

They said: "Shall we believe in two men like ourselves? And their people are subject to us!"

तो व कहने लगे, "क्या हम अपने ही जैसे दो मनुष्यों की बात मान लें, जबकि उनकी क़ौम हमारी ग़ुलाम भी है?"

তারা বললঃ আমরা কি আমাদের মতই এ দুই ব্যক্তিতে বিশ্বাস স্থাপন করব; অথচ তাদের সম্প্রদায় আমাদের দাস?

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Muminoon (23:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَكَذَّبُوهُمَا فَكَانُوا۟ مِنَ ٱلْمُهْلَكِينَ

So they accused them of falsehood, and they became of those who were destroyed.

अतः उन्होंने उन दोनों को झुठला दिया और विनष्ट होनेवालों में सम्मिलित होकर रहे

অতঃপর তারা উভয়কে মিথ্যাবাদী বলল। ফলে তারা ধ্বংস প্রাপ্ত হল।

●●●●●

Yunus (10:75)

بسم الله الرحمن الرحيم

ثُمَّ بَعَثْنَا مِنۢ بَعْدِهِم مُّوسَىٰ وَهَٰرُونَ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَمَلَإِي۟هِۦ بِـَٔايَٰتِنَا فَٱسْتَكْبَرُوا۟ وَكَانُوا۟ قَوْمًا مُّجْرِمِينَ

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Then after them Weﷲ sent Moses and Aaron to Pharaoh and his chiefs with Our Signs. But they were arrogant: they were a people in sin.

फिर उनके बाद हमﷲने मूसा और हारून को अपनी आयतों के साथ फ़िरऔन और उसके सरदारों के पास भेजा। किन्तु उन्होंने घमंड किया, वे थे ही अपराधी लोग

অতঃপর তাদের পেছনে পাঠিয়েছি আমিﷲ মূসা ও হারুনকে, ফেরাউন ও তার সর্দারের প্রতি স্বীয় নির্দেশাবলী সহকারে। অথচ তারা অহংকার করতে আরম্ভ করেছে।

●●●●●

Yunus (10:76)
بسم الله الرحمن الرحيم
فَلَمَّا جَآءَهُمُ ٱلْحَقُّ مِنْ عِندِنَا قَالُوٓا۟ إِنَّ هَـٰذَا لَسِحْرٌ مُّبِينٌ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

When the Truth did come to them from Usﷻ, they said: "This is indeed evident sorcery!"

अत: जब हमारीﷻ ओर से सत्य उनके सामने आया तो वे कहने लगे, "यह तो खुला जादू है।"

বস্তুতঃ তারা ছিল গোনাহগার। তারপর আমারﷻ পক্ষ থেকে যখন তাদের কাছে সত্য বিষয় উপস্থিত হল, তখন বলতে লাগলো, এগুলো তো প্রকাশ্য যাদু।

●●●●●

Yunus (10:77)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ مُوسَىٰٓ أَتَقُولُونَ لِلْحَقِّ لَمَّا جَآءَكُمْ ۖ أَسِحْرٌ هَٰذَا وَلَا يُفْلِحُ ٱلسَّٰحِرُونَ

Said Moses: "Say ye (this) about the truth when it hath (actually) reached you? Is sorcery (like) this? But sorcerers will not prosper."

मूसा ने कहा, "क्या तुम सत्य के विषय में ऐसा कहते हो, जबकि यह तुम्हारे सामने आ गया है? क्या यह कोई जादू है? जादूगर तो सफल नहीं हुआ करते।"

মূসা বলল, সত্যের ব্যাপারে একথা বলছ, তা তোমাদের কাছে পৌঁছার পর? একি যাদু? অথচ যারা যাদুকর, তারা সফল হতে পারে না।

●●●●●

Yunus (10:78)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالُوٓا۟ أَجِئْتَنَا لِتَلْفِتَنَا عَمَّا وَجَدْنَا عَلَيْهِ ءَابَآءَنَا وَتَكُونَ لَكُمَا ٱلْكِبْرِيَآءُ فِى ٱلْأَرْضِ وَمَا نَحْنُ لَكُمَا بِمُؤْمِنِينَ

They said: "Hast thou come to us to turn us away from the ways we found our fathers following,- in order that thou and thy brother may have greatness in the land? But not we shall believe in you!"

उन्होंने कहा, "क्या तू हमारे पास इसलिए आया है कि हमें उस चीज़ से फेर दे जिसपर हमने अपना बाप-दादा का पाया है और धरती में तुम दोनों की बड़ाई स्थापित हो जाए? हम तो तुम्हें माननेवाले नहीं।"

তারা বলল, তুমি কি আমাদেরকে সে পথ থেকে ফিরিয়ে দিতে এসেছ যাতে আমরা পেয়েছি আমাদের বাপ-দাদাদেরকে? আর যাতে তোমরা দুইজন এদেশের সর্দারী পেয়ে যেতে পার? আমরা তোমাদেরকে কিছুতেই মানব না।

●●●●●

Yunus (10:80)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَمَّا جَآءَ ٱلسَّحَرَةُ قَالَ لَهُم مُّوسَىٰٓ أَلْقُوا۟ مَآ أَنتُم مُّلْقُونَ

When the sorcerers came, Moses said to them: "Throw ye what ye (wish) to throw!"

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

फिर जब जादूगर आ गए तो मूसा ने उनसे कहा, "जो कुछ तुम डालते हो, डालो।"

তারপর যখন যাদুকররা এল, মূসা তাদেরকে বলল, নিক্ষেপ কর, তোমরা যা কিছু নিক্ষেপ করে থাক।

●●●●●

Yunus (10:81)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَلَمَّآ أَلْقَوْا۟ قَالَ مُوسَىٰ مَا جِئْتُم بِهِ ٱلسِّحْرُ إِنَّ ٱللَّهَ سَيُبْطِلُهُۥٓ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يُصْلِحُ عَمَلَ ٱلْمُفْسِدِينَ

When they had had their throw, Moses said: "What ye have brought is sorcery: Allahﷻ will surely make it of no effect: for Allahﷻ prospereth not the work of those who make mischief.

फिर जब उन्होंने डाला तो मूसा ने कहा, "तुम जो कुछ लाए हो, जादू है। अल्लाहﷻ अभी उसे मटियामेट किए देता है। निस्संदेह

अल्लाहﷻ बिगाड़ पैदा करनेवालों के कर्म को फलीभूत नहीं होने देता

অতঃপর যখন তারা নিক্ষেপ করল, মূসা বলল, যা কিছু তোমরা এনেছ তা সবই যাদু-এবার আল্লাহﷻ এসব ভন্ডুল করে দিচ্ছেন। নিঃসন্দেহে আল্লাহﷻ দুস্কর্মীদের কর্মকে সুষ্ঠুতা দান করেন না।

●●●●●

Yunus (10:82)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيُحِقُّ ٱللَّهُ ٱلْحَقَّ بِكَلِمَٰتِهِۦ وَلَوْ كَرِهَ ٱلْمُجْرِمُونَ

"And Allahﷻ by His words doth prove and establish His truth, however much the sinners may hate it!"

"अल्लाहﷻ अपने शब्दों से सत्य को सत्य कर दिखाता है, चाहे अपराधी नापसन्द ही करें।"

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

আল্লাহ সত্যকে সত্যে পরিণত করেন স্বীয় নির্দেশে যদিও পাপীদের তা মনঃপুত নয়।

●●●●●

Yunus (10:83)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَمَآ ءَامَنَ لِمُوسَىٰٓ إِلَّا ذُرِّيَّةٌ مِّن قَوْمِهِۦ عَلَىٰ خَوْفٍ مِّن فِرْعَوْنَ وَمَلَإِيْهِمْ أَن يَفْتِنَهُمْ وَإِنَّ فِرْعَوْنَ لَعَالٍ فِى ٱلْأَرْضِ وَإِنَّهُۥ لَمِنَ ٱلْمُسْرِفِينَ

But none believed in Moses except some children of his people, because of the fear of Pharaoh and his chiefs, lest they should persecute them; and certainly Pharaoh was mighty on the earth and one who transgressed all bounds.

फिर मूसा की बात उसकी क़ौम की संतति में से बस कुछ ही लोगों ने मानी; फ़िरऔन और उनके सरदारों के भय से कि कहीं उन्हें किसी फ़ितने में न डाल दें। फ़िरऔन था भी धरती में बहुत सिर उठाए हुए, और निश्चय ही वह हद से आगे बढ़ गया था

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

আর কেউ ঈমান আনল না মূসার প্রতি তাঁর কওমের কতিপয় বালক ছাড়া-ফেরাউন ও তার সর্দারদের ভয়ে যে, এরা না আবার কোন বিপদে ফেলে দেয়। ফেরাউন দেশময় কর্ত ৷ 2499;ত্বের শিখরে আরোহণ করেছিল। আর সে তার হাত ছেড়ে রেখেছিল।

●●●●●

Yunus (10:87)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَوْحَيْنَآ إِلَىٰ مُوسَىٰ وَأَخِيهِ أَن تَبَوَّءَا لِقَوْمِكُمَا بِمِصْرَ بُيُوتًا وَٱجْعَلُوا۟ بُيُوتَكُمْ قِبْلَةً وَأَقِيمُوا۟ ٱلصَّلَوٰةَ وَبَشِّرِ ٱلْمُؤْمِنِينَ

Weﷲﷻ inspired Moses and his brother with this Message: "Provide dwellings for your people in Egypt, make your dwellings into places of worship, and establish regular prayers: and give glad tidings to those who believe!"

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

हमﷻने मूसा और उसके भाई की ओर प्रकाशना की कि "तुम दोनों अपने लोगों के लिए मिस्र में कुछ घर निश्चित कर लो और अपने घरों को क़िबला बना लो। और नमाज़ क़ायम करो और ईमानवालों को शुभसूचना दे दो।"

আর আমিﷻ নির্দেশ পাঠালাম মূসা এবং তার ভাইয়ের প্রতি যে, তোমরা তোমাদের জাতির জন্য মিসরের মাটিতে বাস স্থান নির্ধারণ কর। আর তোমাদের ঘরগুলো বানাবে কেবলামুখী করে এবং নামায কায়েম কর আর যারা ঈমানদার তাদেরকে সুসংবাদ দান কর।

●●●●●

Yunus (10:88)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ مُوسَىٰ رَبَّنَآ إِنَّكَ ءَاتَيْتَ فِرْعَوْنَ وَمَلَأَهُۥ زِينَةً وَأَمْوَٰلًا فِى ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا رَبَّنَا لِيُضِلُّوا۟ عَن سَبِيلِكَ رَبَّنَا ٱطْمِسْ عَلَىٰٓ أَمْوَٰلِهِمْ وَٱشْدُدْ عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ فَلَا يُؤْمِنُوا۟ حَتَّىٰ يَرَوُا۟ ٱلْعَذَابَ ٱلْأَلِيمَ

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Moses prayed: "Our Lord!ﷲﷻ Thou hast indeed bestowed on Pharaoh and his chiefs splendour and wealth in the life of the present, and so, Our Lordﷲﷻ, they mislead (men) from Thy Path. Deface, our Lordﷲﷻ, the features of their wealth, and send hardness to their hearts, so they will not believe until they see the grievous penalty."

मूसा ने कहा, "हमारे रबﷲﷻ! तूने फ़िरऔन और उसके सरदारों को सांसारिक जीवन में शोभा-सामग्री और धन दिए है, हमारे रब,ﷲﷻ इसलिए कि वे तेरे मार्ग से भटकाएँ! हमारे रब,ﷲﷻ उनके धन नष्ट कर दे और उनके हृदय कठोर कर दे कि वे ईमान न लाएँ, ताकि वे दुखद यातना देख लें।"

মূসা বলল, হে আমার ربﷻ ~~পরওয়ারদেগার~~, তুমি ফেরাউনকে এবং তার সর্দারদেরকে পার্থব জীবনের আড়ম্বর দান করেছ, এবং সম্পদ দান করেছ-হে আমারربةﷻ ~~পরওয়ারদেগার~~, এ জন্যই যে তারা তোমার পথ থেকে বিপথগামী করব! হে আমার

রب﷿~~পরওয়ারদেগার~~, তাদের ধন-সম্পদ ধ্বংস করে দাও এবং তাদের অন্তরগুলোকে কাঠোর করে দাও যাতে করে তারা ততক্ষণ পর্যন্ত ঈমান না আনে যতক্ষণ না বেদনাদায়ক আযাব প্রত্যক্ষ করে নেয়।

●●●●●

Al-A'raaf (7:130)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ أَخَذْنَآ ءَالَ فِرْعَوْنَ بِٱلسِّنِينَ وَنَقْصٍ مِّنَ ٱلثَّمَرَٰتِ لَعَلَّهُمْ يَذَّكَّرُونَ

Weﷲ﷿ punished the people of Pharaoh with years (of droughts) and shortness of crops; that they might receive admonition.

और हमﷲ﷿ने फ़िरऔनियों को कई वर्ष तक अकाल और पैदावार की कमी में ग्रस्त रखा कि वे चेतें

তারপর আমিﷲ﷿ পাকড়াও করেছি-ফেরাউনের

অনুসারীদেরকে দুর্ভিক্ষের মাধ্যমে এবং ফল ফসলের ক্ষয়-ক্ষতির মাধ্যমে যাতে করে তারা উপদেশ গ্রহণ করে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:131)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِذَا جَآءَتۡهُمُ ٱلۡحَسَنَةُ قَالُواْ لَنَا هَٰذِهِۦۖ وَإِن تُصِبۡهُمۡ سَيِّئَةٞ يَطَّيَّرُواْ بِمُوسَىٰ وَمَن مَّعَهُۥٓۗ أَلَآ إِنَّمَا طَٰٓئِرُهُمۡ عِندَ ٱللَّهِ وَلَٰكِنَّ أَكۡثَرَهُمۡ لَا يَعۡلَمُونَ

But when good (times) came, they said, "This is due to us;" When gripped by calamity, they ascribed it to evil omens connected with Moses and those with him! Behold! in truth the omens of evil are theirs in Allah'ﷻs sight, but most of them do not understand!

फिर जब उन्हें अच्छी हालत पेश आती है तो कहते है, "यह तो है ही हमारे लिए।" और उन्हें बुरी हालत पेश आए तो वे उसे मूसा और उसके साथियों की नहूसत (अशकुन) ठहराएँ। सुन लो, उसकी नहूसत

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

तो अल्लाह ﷻ ही के पास है, परन्तु उनमें से अधिकतर लोग जानते नहीं

অতঃপর যখন শুভদিন ফিরে আসে, তখন তারা বলতে আরম্ভ করে যে, এটাই আমাদের জন্য উপযোগী। আর যদি অকল্যাণ এসে উপস্থিত হয় তবে তাতে মূসার এবং তাঁর সঙ্গীদের অলক্ষণ বলে অভিহিত করে। শুনে রাখ তাদের অলক্ষণ যে, আল্লাহ ﷻ রই এলেমে রয়েছে, অথচ এরা জানে না।

●●●●●

Al-A'raaf (7:132)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالُواْ مَهْمَا تَأْتِنَا بِهِۦ مِنْ ءَايَةٍ لِّتَسْحَرَنَا بِهَا فَمَا نَحْنُ لَكَ بِمُؤْمِنِينَ

They said (to Moses): "Whatever be the Signs thou bringest, to work therewith thy sorcery on us, we shall never believe in thee.

वे बोले, "तू हमपर जादू करने के लिए चाहे कोई भी निशानी हमारे पास ले आए, हम तुझपर ईमान लानेवाले नहीं।"

তারা আরও বলতে লাগল, আমাদের উপর জাদু করার জন্য তুমি যে নিদর্শনই নিয়ে আস না কেন আমরা কিন্তু তোমার উপর ঈমান আনছি না।

●●●●●

Al-A'raaf (7:133)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمُ ٱلطُّوفَانَ وَٱلْجَرَادَ وَٱلْقُمَّلَ وَٱلضَّفَادِعَ وَٱلدَّمَ ءَايَٰتٍ مُّفَصَّلَٰتٍ فَٱسْتَكْبَرُوا۟ وَكَانُوا۟ قَوْمًا مُّجْرِمِينَ

So Weﷲ sent (plagues) on them: Wholesale death, Locusts, Lice, Frogs, And Blood: Signs openly self-explained: but they were steeped in arrogance,- a people given to sin.

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

अन्ततः हमﷲﷻने उनपर तूफ़ान और टिड्डियों और छोटे कीड़े और मेंढक और रक्त, कितनी ही निशानियाँ अलग-अलग भेजी, किन्तु वे घमंड ही करते रहे। वे थे ही अपराधी लोग

সুতরাং আমিﷲﷻ তাদের উপর পাঠিয়ে দিলাম তুফান, পঙ্গপাল, উকুন, ব্যাঙ ও রক্ত প্রভৃতি বহুবিধ নিদর্শন একের পর এক। তারপরেও তারা গর্ব করতে থাকল। বস্তুতঃ তারা ছিল অপরাধপ্রবণ।

●●●●●

Al-A'raaf (7:134)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَمَّا وَقَعَ عَلَيْهِمُ ٱلرِّجْزُ قَالُوا۟ يَـٰمُوسَى ٱدْعُ لَنَا رَبَّكَ بِمَا عَهِدَ عِندَكَ لَئِن كَشَفْتَ عَنَّا ٱلرِّجْزَ لَنُؤْمِنَنَّ لَكَ وَلَنُرْسِلَنَّ مَعَكَ بَنِىٓ إِسْرَٰٓءِيلَ

Every time the penalty fell on them, they said: "O Moses! on your behalf call on thy Lord in virtue of his promise to thee: If thou wilt remove the penalty from us, we shall truly

believe in thee, and we shall send away the Children of Israel with thee."

जब कभी उनपर यातना आ पड़ती, कहते है, "ऐ मूसा, हमारे लिए अपने रब से प्रार्थना करो, उस प्रतिज्ञा के आधार पर जो उसने तुमसे कर रखी है। तुमने यदि हमपर से यह यातना हटा दी, तो हम अवश्य ही तुमपर ईमान ले आएँगे और इसराईल की सन्तान को तुम्हारे साथ जाने देंगे।"

আর তাদের উপর যখন কোন আযাব পড়ে তখন বলে, হে মূসা আমাদের জন্য তোমার পরওয়ারদেগারের নিকট সে বিষয়ে দোয়া কর যা তিনি তোমার সাথে ওয়াদা করে রেখেছেন। যদি তুমি আমাদের উপর থেকে এ আযাব সরিয়ে দাও, তবে অবশ্যই আমরা ঈমান আনব তোমার উপর এবং তোমার সাথে বনী-ইসরাঈলদেরকে যেতে দেব।

●●●●●

Al-A'raaf (7:135)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

فَلَمَّا كَشَفْنَا عَنْهُمُ ٱلرِّجْزَ إِلَىٰٓ أَجَلٍ هُم بَٰلِغُوهُ إِذَا هُمْ يَنكُثُونَ

But every time Weﷲﷻ removed the penalty from them according to a fixed term which they had to fulfil,- Behold! they broke their word!

किन्तु जब हमﷲﷻ उनपर से यातना को एक नियत समय के लिए जिस तक वे पहुँचनेवाले ही थे, हटा लेते तो क्या देखते कि वे वचन-भंग करने लग गए

অতঃপর যখন আমিﷲﷻ তাদের উপর থেকে আযাব তুলে নিতাম নির্ধারিত একটি সময় পর্যন্ত-যেখান পর্যন্ত তাদেরকে পৌছানোর উদ্দেশ্য ছিল, তখন তড়িঘড়ি তারা প্রতিশ্রুতি ভঙ্গ করত।

●●●●●

Al-A'raaf (7:136)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَٱنتَقَمۡنَا مِنۡهُمۡ فَأَغۡرَقۡنَٰهُمۡ فِي ٱلۡيَمِّ بِأَنَّهُمۡ كَذَّبُواْ بِـَٔايَٰتِنَا وَكَانُواْ عَنۡهَا غَٰفِلِينَ

So Weﷲﷻ exacted retribution from them: Weﷲﷻ drowned them in the sea, because they rejected Ourﷻ Signs and failed to take warning from them.

फिर हमﷲﷻने उनसे बदला लिया और उन्हें गहरे पानी में डूबो दिया, क्योंकि उन्होंने हमारीﷻ निशानियों को ग़लत समझा और उनसे ग़ाफिल हो गए

সুতরাং আমিﷻ তাদের কাছে থেকে বদলা নিয়ে নিলাম-বস্তুতঃ তাদেরকে সাগরে ডুবিয়ে দিলাম। কারণ, তারা মিথ্যা প্রতিপন্ন করেছিল আমারﷻ নিদর্শনসমূহকে এবং তৎপ্রতি অনীহা প্রদর্শন করেছিল।

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●

⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖

Prefinals

●●●●●

Al-Jaathiya (45:8)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَسْمَعُ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ تُتْلَىٰ عَلَيْهِ ثُمَّ يُصِرُّ مُسْتَكْبِرًا كَأَن لَّمْ يَسْمَعْهَا فَبَشِّرْهُ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ

He hears the Signs of Allahﷻ rehearsed to him, yet is obstinate and lofty, as if he had not heard them: then announce to him a Penalty Grievous!

जो अल्लाहﷻ की उन आयतों को सुनता है जो उसे पढ़कर सुनाई जाती है। फिर घमंड के साथ अपनी (इनकार की) नीति पर अड़ा रहता है मानो उसने उनको सुना ही नहीं। अतः उसको दुखद यातना की शुभ सूचना दे दो

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

সে আল্লাহﷻর আয়াতসমূহ শুনে, অতঃপর অহংকারী হয়ে জেদ ধরে, যেন সে আয়াত শুনেনি। অতএব, তাকে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তির সুসংবাদ দিন।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا عَلِمَ مِنْ ءَايَٰتِنَا شَيْـًٔا ٱتَّخَذَهَا هُزُوًا أُو۟لَٰٓئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ

And when he learns something of Ourﷻ Signs, he takes them in jest: for such there will be a humiliating Penalty.

जब हमारीﷻ आयतों में से कोई बात वह जान लेता है तो वह उनका परिहास करता है, ऐसे लोगों के लिए रुसवा कर देनेवाली यातना है

যখন সে আমারﷻ কোন আয়াত অবগত হয়, তখন তাকে

ঠাট্টারূপে গ্রহণ করে। এদের জন্যই রয়েছে লাঞ্ছনাদায়ক শাস্তি।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

مِّن وَرَآئِهِمْ جَهَنَّمُ وَلَا يُغْنِى عَنْهُم مَّا كَسَبُوا۟ شَيْـًٔا وَلَا مَا ٱتَّخَذُوا۟ مِن دُونِ ٱللَّهِ أَوْلِيَآءَ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ

In front of them is Hell: and of no profit to them is anything they may have earned, nor any protectors they may have taken to themselves besides Allahﷻ: for them is a tremendous Penalty.

उनके आगे जहन्नम है, जो उन्होंने कमाया वह उनके कुछ काम न आएगा और न यही कि उन्होंने अल्लाहﷻ को छोड़कर अपने संरक्षक ठहरा रखे है। उनके लिए तो बड़ी यातना है

তাদের সামনে রয়েছে জাহান্নাম। তারা যা উপার্জন করেছে, তা

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

তাদের কোন কাজে আসবে না, তারা আল্লাহﷻর পরিবর্তে যাদেরকে বন্ধুরূপে গ্রহণ করেছে তারাও নয়। তাদের জন্যে রয়েছে মহাশাস্তি।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

هَٰذَا هُدًى ۖ وَٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِـَٔايَٰتِ رَبِّهِمْ لَهُمْ عَذَابٌ مِّن رِّجْزٍ أَلِيمٌ

This is (true) Guidance and for those who reject the Signs of their Lordﷲﷻ, is a grievous Penalty of abomination.

यह सर्वथा मार्गदर्शन है। और जिन लोगों ने अपने रबﷲﷻ की आयतों को इनकार किया, उनके लिए हिला देनेवाली दुखद यातना है

এটা সৎপথ প্রদর্শন, আর যারা তাদের পালনকর্তারﷲﷻ আয়াতসমূহ অস্বীকার করে, তাদের জন্যে রয়েছে কঠোর যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:12)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ ٱلَّذِى سَخَّرَ لَكُمُ ٱلْبَحْرَ لِتَجْرِىَ ٱلْفُلْكُ فِيهِ بِأَمْرِهِۦ وَلِتَبْتَغُوا۟ مِن فَضْلِهِۦ وَلَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

It is Allahﷻ Who has subjected the sea to you, that ships may sail through it by Hisﷻ command, that ye may seek of his Bounty, and that ye may be grateful.

वह अल्लाहﷻ ही है जिसने समुद्र को तुम्हारे लिए वशीभूत कर दिया है, ताकि उसﷲﷻके आदेश से नौकाएँ उसमें चलें; और ताकि तुम उसका उदार अनुग्रह तलाश करो; और इसलिए कि तुम कृतज्ञता दिखाओ

তিনি আল্লাহﷻ যিনি সমুদ্রকে তোমাদের উপকারার্থে আয়ত্বাধীন করে দিয়েছেন, যাতে তাঁরﷲﷻ আদেশক্রমে তাতে জাহাজ চলাচল করে এবং যাতে তোমরা তাঁর অনুগ্রহ তালাশ কর ও

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

তাঁর প্রতি কৃতজ্ঞ হও।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:13)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَسَخَّرَ لَكُم مَّا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ
جَمِيعًا مِّنْهُ إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَٰتٍ لِّقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ

And Heﷲﷻ has subjected to you, as from Himﷻ, all that is in the heavens and on earth: Behold, in that are Signs indeed for those who reflect.

जो चीज़ें आकाशों में है और जो धरती में हैं, उसﷲﷻने उन सबको अपनी ओर से तुम्हारे काम में लगा रखा है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो सोच-विचार से काम लेते है

ﷲﷻএবং আয়ত্ত্বাধীন করে দিয়েছেন তোমাদের, যা আছে নভোমন্ডলে ও যা আছে ভূমন্ডলে; তাঁরﷲﷻ পক্ষ থেকে। নিশ্চয় এতে চিন্তাশীল সম্প্রদায়ের জন্যে নিদর্শনাবলী রয়েছে।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:14)

بسم الله الرحمن الرحيم

قُل لِّلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ يَغْفِرُوا۟ لِلَّذِينَ لَا يَرْجُونَ أَيَّامَ ٱللَّهِ لِيَجْزِىَ قَوْمًۢا بِمَا كَانُوا۟ يَكْسِبُونَ

Tell those who believe, to forgive those who do not look forward to the Days of Allahﷻ: It is for Him to recompense (for good or ill) each People according to what they have earned.

जो लोग ईमान लाए उनसे कह दो कि, "वे उन लोगों को क्षमा करें (उनकी करतूतों पर ध्यान न दे) अल्लाहﷻ के दिनों की आशा नहीं रखते, ताकि वह इसके परिणामस्वरूप उन लोगों को उनकी अपनी कमाई का बदला दे

মুমিনদেরকে বলুন, তারা যেন তাদেরকে ক্ষমা করে, যারা আল্লাহﷻর সে দিনগুলো সম্পর্কে বিশ্বাস রাখে না যাতে তিনি

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

কোন সম্প্রদায়কে কৃতকর্মের প্রতিফল দেন।

⦿⇮◆⇮●⇮⦿

⦿⇮◆⇮●⇮⦿⦿⇮◆⇮●⇮⦿⦿⇮◆⇮●⇮⦿⦿⇮◆⇮●

⇮⦿⦿⇮◆⇮●⇮⦿

❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖ ✻❖

Final

Al-Jaathiya (45:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَأَمَّا ٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَفَلَمْ تَكُنْ ءَايَٰتِى تُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ فَٱسْتَكْبَرْتُمْ وَكُنتُمْ قَوْمًا مُّجْرِمِينَ

But as to those who rejected Allahﷻ, (to them will be said): "Were not Ourﷻ Signs rehearsed to you? But ye were arrogant, and were a people given to sin!

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

ﷲﷻरहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया (उनसे कहा जाएगा,) "क्या तुम्हें हमारीﷻ आयतें पढ़कर नहीं सुनाई जाती थी? किन्तु तुमने घमंड किया और तुम थे ही अपराधी लोग

ﷲﷻআর যারা কুফর করেছে, তাদেরকে জিজ্ঞাসা করা হবে, তোমাদের কাছে কি আয়াতসমূহ পঠিত হত না? কিন্তু তোমরা অহংকার করছিলে এবং তোমরা ছিলে এক অপরাধী সম্প্রদায়।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا قِيلَ إِنَّ وَعْدَ ٱللَّهِ حَقٌّ وَٱلسَّاعَةُ لَا رَيْبَ فِيهَا قُلْتُم مَّا نَدْرِى مَا ٱلسَّاعَةُ إِن نَّظُنُّ إِلَّا ظَنًّا وَمَا نَحْنُ بِمُسْتَيْقِنِينَ

"And when it was said that the promise of Allahﷻ was true, and that the Hour- there was no doubt about its (coming), ye used to say, 'We know not what is the hour: we only think it is an idea, and we have no firm

assurance.'"

और जब कहा जाता था कि अल्लाहﷻ का वादा सच्चा है और (क़ियामत की) घड़ी में कोई संदेह नहीं हैं। तो तुम कहते थे, "हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या हैं? तो तुम कहते थे, 'हम नहीं जानते कि वह घड़ी क्या है? हमें तो बस एक अनुमान-सा प्रतीत होता है और हमें विश्वास नहीं होता।'"

যখন বলা হত, আল্লাহﷻর ওয়াদা সত্য এবং কেয়ামতে কোন সন্দেহ নেই, তখন তোমরা বলতে আমরা জানি না কেয়ামত কি ? আমরা কেবল ধারণাই করি এবং এ বিষয়ে আমরা নিশ্চিত নই।

●●●●●

Al-A'raaf (7:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَنَادَىٰٓ أَصْحَٰبُ ٱلْأَعْرَافِ رِجَالًا يَعْرِفُونَهُم بِسِيمَىٰهُمْ قَالُوا۟ مَآ أَغْنَىٰ عَنكُمْ جَمْعُكُمْ وَمَا كُنتُمْ تَسْتَكْبِرُونَ

The men on the heights will call to certain men whom they will know from their marks, saying: "Of what profit to you were your hoards and your arrogant ways?

और ये ऊँचाइयोंवाले कुछ ऐसे लोगों से, जिन्हें ये उनके लक्षणों से पहचानते हैं, कहेंगे, "तुम्हारे जत्थे तो तुम्हारे कुछ काम न आए और न तुम्हारा अकड़ते रहना ही।

আরাফবাসীরা যাদেরকে তাদের চিহ্ন দ্বারা চিনবে, তাদেরকে ডেকে বলবে তোমাদের দলবল ও ঔদ্ধত্য তোমাদের কোন কাজে আসেনি।

●●●●●

Al-Ahqaf (46:20)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَيَوْمَ يُعْرَضُ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ عَلَى ٱلنَّارِ أَذْهَبْتُمْ
طَيِّبَٰتِكُمْ فِى حَيَاتِكُمُ ٱلدُّنْيَا وَٱسْتَمْتَعْتُم بِهَا فَٱلْيَوْمَ
تُجْزَوْنَ عَذَابَ ٱلْهُونِ بِمَا كُنتُمْ تَسْتَكْبِرُونَ فِى
ٱلْأَرْضِ بِغَيْرِ ٱلْحَقِّ وَبِمَا كُنتُمْ تَفْسُقُونَ

And on the Day that the Unbelievers will be placed before the Fire, (It will be said to them): "Ye received your good things in the life of the world, and ye took your pleasure out of them: but today shall ye be recompensed with a Penalty of humiliation: for that ye were arrogant on earth without just cause, and that ye (ever) transgressed."

और याद करो जिस दिन वे लोग जिन्होंने इनकार किया, आग के सामने पेश किए जाएँगे। (कहा जाएगा), "तुम अपने सांसारिक जीवन में अच्छी रुचिकर चीज़े नष्ट कर बैठे और उनका मज़ा ले चुके। अतः आज तुम्हे अपमानजनक यातना दी जाएगी, क्योंकि तुम धरती में बिना किसी हक़ के घमंड करते रहे और इसलिए कि तुम आज्ञा का उल्लंघन करते रहे।"

যেদিন কাফেরদেরকে জাহান্নামের কাছে উপস্থিত করা হবে সেদিন বলা হবে, তোমরা তোমাদের সুখ পার্থিব জীবনেই নিঃশেষ করেছ এবং সেগুলো ভোগ করেছ সুতরাং আজ তোমাদেরকে অপমানকর আযাবের শাস্তি দেয়া হবে; কারণ, তোমরা পৃথিবীতে অন্যায় ভাবে অহংকার করতে এবং তোমরা

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

পাপাচার করতে।

●●●●●

Az-Zumar (39:72)

﷽

قِيلَ ٱدْخُلُوٓا۟ أَبْوَٰبَ جَهَنَّمَ خَٰلِدِينَ فِيهَا ۖ فَبِئْسَ مَثْوَى ٱلْمُتَكَبِّرِينَ

(To them) will be said: "Enter ye the gates of Hell, to dwell therein: and evil is (this) Abode of the Arrogant!"

कहा जाएगा, "जहन्नम के द्वारों में प्रवेश करो। उसमें सदैव रहने के लिए।" तो बहुत ही बुरा ठिकाना है अहंकारियों का!

বলা হবে, তোমরা জাহান্নামের দরজা দিয়ে প্রবেশ কর, সেখানে চিরকাল অবস্থানের জন্যে। কত নিকৃষ্ট অহংকারীদের আবাসস্থল।

●●●●●

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Al-Ghaafir (40:76)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱدْخُلُوٓا۟ أَبْوَٰبَ جَهَنَّمَ خَٰلِدِينَ فِيهَا فَبِئْسَ مَثْوَى ٱلْمُتَكَبِّرِينَ

"Enter ye the gates of Hell, to dwell therein: and evil is (this) abode of the arrogant!"

प्रवेश करो जहन्नम के द्वारों में, उसमे सदैव रहने के लिए।" अतः बहुत ही बुरा ठिकाना है अहंकारियों का!

প্রবেশ কর তোমরা জাহান্নামের দরজা দিয়ে সেখানে চিরকাল বসবাসের জন্যে। কত নিকৃষ্ট দাম্ভিকদের আবাসস্থল।

●●●●●

An-Nahl (16:29)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَٱدْخُلُوٓا۟ أَبْوَٰبَ جَهَنَّمَ خَٰلِدِينَ فِيهَا فَلَبِئْسَ مَثْوَى ٱلْمُتَكَبِّرِينَ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

"So enter the gates of Hell, to dwell therein. Thus evil indeed is the abode of the arrogant."

तो अब जहन्नम के द्वारों में, उसमें सदैव रहने के लिए प्रवेश करो। अत: निश्चय ही बहुत ही बुरा ठिकाना है यह अहंकारियों का।"

অতএব, জাহান্নামের দরজসমূহে প্রবেশ কর, এতেই অনন্তকাল বাস কর। আর অহংকারীদের আবাসস্থল কতই নিকৃষ্ট।

●●●●●

Ibrahim (14:21)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَبَرَزُوا۟ لِلَّهِ جَمِيعًا فَقَالَ ٱلضُّعَفَـٰٓؤُا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوٓا۟ إِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ أَنتُم مُّغْنُونَ عَنَّا مِنْ عَذَابِ ٱللَّهِ مِن شَىْءٍ قَالُوا۟ لَوْ هَدَىٰنَا ٱللَّهُ لَهَدَيْنَـٰكُمْ سَوَآءٌ عَلَيْنَآ أَجَزِعْنَآ أَمْ صَبَرْنَا مَا لَنَا مِن مَّحِيصٍ

They will all be marshalled before Allahﷻ together: then

will the weak say to those who were arrogant, "For us, we but followed you; can ye then avail us to all against the wrath of Allahﷻ?" They will reply, "If we had received the Guidance of Allahﷻ, we should have given it to you: to us it makes no difference (now) whether we rage, or bear (these torments) with patience: for ourselves there is no way of escape."

सबके सब अल्लाहﷻ के सामने खुलकर आ जाएँगे तो कमज़ोर लोग, उन लोगों से जो बड़े बने हुए थे, कहेंगे, "हम तो तुम्हारे पीछे चलते थे। तो क्या तुम अल्लाहﷻ की यातना में से कुछ हमपर टाल सकते हो? वे कहेंगे, "यदि अल्लाहﷻ हमें मार्ग दिखाता तो हम तुम्हें भी दिखाते। अब यदि हम व्याकुल हों या धैर्य से काम लें, हमारे लिए बराबर है। हमारे लिए बचने का कोई उपाय नहीं।"

সবাই আল্লাহﷻর সামনে দন্ডায়মান হবে এবং দুর্বলেরা বড়দেরকে বলবেঃ আমরা তো তোমাদের অনুসারী ছিলাম- অতএব, তোমরা আল্লাহﷻর আযাব থেকে আমাদেরকে কিছুমাত্র রক্ষা করবে কি? তারা বলবেঃ যদি আল্লাহﷻ

আমাদেরকে সৎপথ দেখাতেন, তবে আমরা অবশ্যই তোমাদের কে সৎপথ দেখাতাম। এখন তো আমাদের ধৈর্য্যচ্যুত হই কিংবা সবর করি-সবই আমাদের জন্যে সমান আমাদের রেহাই নেই।

●●●●●

Al-Ghaafir (40:47)

بِسْمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

وَإِذْ يَتَحَآجُّونَ فِى ٱلنَّارِ فَيَقُولُ ٱلضُّعَفَٰٓؤُا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوٓا۟ إِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ أَنتُم مُّغْنُونَ عَنَّا نَصِيبًا مِّنَ ٱلنَّارِ

Behold, they will dispute with each other in the Fire! The weak ones (who followed) will say to those who had been arrogant, "We but followed you: Can ye then take (on yourselves) from us some share of the Fire?

और सोचो जबकि वे आग के भीतर एक-दूसरे से झगड़ रहे होंगे, तो कमज़ोर लोग उन लोगों से, जो बड़े बनते थे, कहेंगे, "हम तो तुम्हारे पीछे चलनेवाले थे। अब क्या तुम हमपर से आग का कुछ भाग हटा

सकते हो?"

যখন তারা জাহান্নামে পরস্পর বিতর্ক করবে, অতঃপর দূর্বলরা অহংকারীদেরকে বলবে, আমরা তোমাদের অনুসারী ছিলাম। তোমরা এখন জাহান্নামের আগুনের কিছু অংশ আমাদের থেকে নিবৃত করবে কি?

●●●●●

Al-Ghaafir (40:48)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوٓا۟ إِنَّا كُلٌّ فِيهَآ إِنَّ ٱللَّهَ قَدْ حَكَمَ بَيْنَ ٱلْعِبَادِ

Those who had been arrogant will say: "We are all in this (Fire)! Truly, Allahﷻ has judged between (his) Servants!"

वे लोग, जो बड़े बनते थे, कहेंगे, "हममें से प्रत्येक इसी में पड़ा है। निश्चय ही अल्लाहﷻ बन्दों के बीच फ़ैसला कर चुका।"

অহংকারীরা বলবে, আমরা সবাই তো জাহান্নামে আছি। আল্লাহﷻ তাঁর বান্দাদের ফয়সালা করে দিয়েছেন।

●●●●●

Al-Ghaafir (40:49)

﷽

وَقَالَ ٱلَّذِينَ فِى ٱلنَّارِ لِخَزَنَةِ جَهَنَّمَ ٱدْعُوا۟ رَبَّكُمْ يُخَفِّفْ عَنَّا يَوْمًا مِّنَ ٱلْعَذَابِ

Those in the Fire will say to the Keepers of Hell: "Pray to your Lord ﷲﷻto lighten us the Penalty for a day (at least)!"

जो लोग आग में होंगे वे जहन्नम के प्रहरियों से कहेंगे कि "अपने रबﷲﷻ को पुकारो कि वह हमपर से एक दिन यातना कुछ हल्की कर दे!"

যারা জাহান্নামে আছে, তারা জাহান্নামের রক্ষীদেরকে বলবে, তোমরা তোমাদের পালনকর্তাﷲﷻকে বল, তিনি যেন আমাদের

থেকে একদিনের আযাব লাঘব করে দেন।

●●●●●

Al-Ghaafir (40:50)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالُوٓاْ أَوَلَمْ تَكُ تَأْتِيكُمْ رُسُلُكُم بِٱلْبَيِّنَٰتِ قَالُواْ بَلَىٰ
قَالُواْ فَٱدْعُواْ وَمَا دُعَٰٓؤُاْ ٱلْكَٰفِرِينَ إِلَّا فِى ضَلَٰلٍ

They will say: "Did there not come to you your messengers with Clear Signs?" They will say, "Yes". They will reply, "Then pray (as ye like)! But the prayer of those without Faith is nothing but (futile wandering) in (mazes of) error!"

वे कहेंगे, "क्या तुम्हारे पास तुम्हारे रसूल खुले प्रमाण लेकर नहीं आते रहे?" कहेंगे, "क्यों नहीं!" वे कहेंगे, "फिर तो तुम्ही पुकारो।" किन्तु इनकार करनेवालों की पुकार तो बस भटककर ही रह जाती है

রক্ষীরা বলবে, তোমাদের কাছে কি সুস্পষ্ট প্রমাণাদিসহ তোমাদের রসূল আসেননি? তারা বলবে হ্যাঁ। রক্ষীরা বলবে,

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

তবে তোমরাই দোয়া কর। বস্তুতঃ কাফেরদের দোয়া নিস্ফলই হয়।

●●●●●

Al-Ghaafir (40:51)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّا لَنَنصُرُ رُسُلَنَا وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ فِى ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا وَيَوْمَ يَقُومُ ٱلْأَشْهَٰدُ

Weﷲ will, without doubt, help our messengers and those who believe, (both) in this world's life and on the Day when the Witnesses will stand forth,-

निश्चय ही हमﷲ अपने रसूलों की और उन लोगों की जो ईमान लाए अवश्य सहायता करते है, सांसारिक जीवन में भी और उस दिन भी, जबकि गवाह खड़े होंगे

আমিﷲ সাহায্য করব রসূলগণকে ও মুমিনগণকে পার্থিব জীবনে ও সাক্ষীদের দন্ডায়মান হওয়ার দিবসে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:15)

بسم الله الرحمن الرحيم

مَنْ عَمِلَ صَٰلِحًا فَلِنَفْسِهِۦ وَمَنْ أَسَآءَ فَعَلَيْهَا ثُمَّ إِلَىٰ رَبِّكُمْ تُرْجَعُونَ

If any one does a righteous deed, it ensures to the benefit of his own soul; if he does evil, it works against (his own soul). In the end will ye (all) be brought back to your Lord.

जो कुछ अच्छा कर्म करता है तो अपने ही लिए करेगा और जो कोई बुरा कर्म करता है तो उसका वबाल उसी पर होगा। फिर तुम अपने रब की ओर लौटाये जाओगे

যে সৎকাজ করছে, সে নিজের কল্যাণার্থেই তা করছে, আর যে অসৎকাজ করছে, তা তার উপরই বর্তাবে। অতঃপর তোমরা তোমাদের পালনকর্তার দিকে প্রত্যাবর্তিত হবে।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:16)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَا بَنِىٓ إِسْرَٰٓءِيلَ ٱلْكِتَٰبَ وَٱلْحُكْمَ وَٱلنُّبُوَّةَ وَرَزَقْنَٰهُم مِّنَ ٱلطَّيِّبَٰتِ وَفَضَّلْنَٰهُمْ عَلَى ٱلْعَٰلَمِينَ

Weﷲ did aforetime grant to the Children of Israel the Book the Power of Command, and Prophethood; Weﷲ gave them, for Sustenance, things good and pure; and Weﷲ favoured them above the nations.

निश्चय ही हमﷲने इसराईल की सन्तान को किताब और हुक्म और पैग़म्बरी प्रदान की थी। और हमﷲने उन्हें पवित्र चीज़ो की रोज़ी दी और उन्हें सारे संसारवालों पर श्रेष्ठता प्रदान की

আমিﷲ বনী ইসরাঈলকে কিতাব, রাজত্ব ও নবুওয়ত দান করেছিলাম এবং তাদেরকে পরিচ্ছন্ন রিযিক দিয়েছিলাম এবং বিশ্ববাসীর উপর শ্রেষ্ঠত্ব দিয়েছিলাম।

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَءَاتَيْنَٰهُم بَيِّنَٰتٍ مِّنَ ٱلْأَمْرِ فَمَا ٱخْتَلَفُوٓا۟ إِلَّا مِنۢ بَعْدِ مَا جَآءَهُمُ ٱلْعِلْمُ بَغْيًۢا بَيْنَهُمْ إِنَّ رَبَّكَ يَقْضِى بَيْنَهُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فِيمَا كَانُوا۟ فِيهِ يَخْتَلِفُونَ

And Weﷲ granted them Clear Signs in affairs (of Religion): it was only after knowledge had been granted to them that they fell into schisms, through insolent envy among themselves. Verily thy Lordﷲ will judge between them on the Day of Judgment as to those matters in which they set up differences.

और हमﷲने उन्हें इस मामले के विषय में स्पष्ट निशानियाँ प्रदान कीं। फिर जो भी विभेद उन्होंने किया, वह इसके पश्चात ही किया कि उनके पास ज्ञान आ चुका था और इस कारण कि वे परस्पर एक-दूसरे पर ज़्यादती करना चाहते थे। निश्चय ही तुम्हारा रबﷲ क़ियामत के दिन उनके बीच उन चीज़ों के बारे में फ़ैसला कर देगा,

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heاللهﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहاللهﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

जिनमें वे परस्पर विभेद करते रहे है

اللهﷻ

আরও দিয়েছিলাম তাদেরকে ধর্মের সুস্পষ্ট প্রমাণাদি। অতঃপর তারা জ্ঞান লাভ করার পর শুধু পারস্পরিক জেদের বশবর্তী হয়ে মতভেদ সৃষ্টি করেছে। তারা যে বিষয়ে মতভেদ করত, আপনার পালনকর্তাاللهﷻ কেয়ামতের দিন তার ফয়সালা করে দেবেন।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَءَاتَيْنَٰهُم بَيِّنَٰتٍ مِّنَ ٱلْأَمْرِ فَمَا ٱخْتَلَفُوٓا۟ إِلَّا مِنۢ بَعْدِ مَا جَآءَهُمُ ٱلْعِلْمُ بَغْيًۢا بَيْنَهُمْ إِنَّ رَبَّكَ يَقْضِى بَيْنَهُمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ فِيمَا كَانُوا۟ فِيهِ يَخْتَلِفُونَ

And Weاللهﷻ granted them Clear Signs in affairs (of Religion): it was only after knowledge had been granted to them that they fell into schisms, through insolent envy among themselves. Verily thy Lordاللهﷻ will judge

between them on the Day of Judgment as to those matters in which they set up differences.

और हमﷲने उन्हें इस मामले के विषय में स्पष्ट निशानियाँ प्रदान कीं। फिर जो भी विभेद उन्होंने किया, वह इसके पश्चात ही किया कि उनके पास ज्ञान आ चुका था और इस कारण कि वे परस्पर एक-दूसरे पर ज़्यादती करना चाहते थे। निश्चय ही तुम्हारा रबﷲ क़ियामत के दिन उनके बीच उन चीज़ों के बारे में फ़ैसला कर देगा, जिनमें वे परस्पर विभेद करते रहे है

ﷲ

আরও দিয়েছিলাম তাদেরকে ধর্মের সুস্পষ্ট প্রমাণাদি। অতঃপর তারা জ্ঞান লাভ করার পর শুধু পারস্পরিক জেদের বশবর্তী হয়ে মতভেদ সৃষ্টি করেছে। তারা যে বিষয়ে মতভেদ করত, আপনার পালনকর্তাﷲ কেয়ামতের দিন তার ফয়সালা করে দেবেন।

●●●●●

Al-A'raaf (7:26)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰبَنِيٓ ءَادَمَ قَدۡ أَنزَلۡنَا عَلَيۡكُمۡ لِبَاسٗا يُوَٰرِي سَوۡءَٰتِكُمۡ وَرِيشٗاۖ وَلِبَاسُ ٱلتَّقۡوَىٰ ذَٰلِكَ خَيۡرٞۚ ذَٰلِكَ مِنۡ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ لَعَلَّهُمۡ يَذَّكَّرُونَ

O ye Children of Adam! Weﷲ﷯ have bestowed raiment upon you to cover your shame, as well as to be an adornment to you. But the raiment of righteousness,- that is the best. Such are among the Signs of Allah﷯, that they may receive admonition!

ऐ आदम की सन्तान! हमﷲ﷯ने तुम्हारे लिए वस्त्र उतारा है कि तुम्हारी शर्मगाहों को छुपाए और रक्षा और शोभा का साधन हो। और धर्मपरायणता का वस्त्र - वह तो सबसे उत्तम है, यह अल्लाह﷯ की निशानियों में से है, ताकि वे ध्यान दें

হে বনী-আদম আমিﷲ﷯ তোমাদের জন্যে পোশাক অবর্তীণ করেছি, যা তোমাদের লজ্জাস্থান আবৃত করে এবং অবর্তীণ করেছি সাজ সজ্জার বস্ত্র এবং পরহেযগারীর পোশাক, এটি সর্বোত্তম। এটি আল্লাহ﷯র কুদরতেরঅন্যতম নিদর্শন, যাতে তারা

চিন্তা-ভাবনা করে।

●●●●●

Al-A'raaf (7:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰبَنِىٓ ءَادَمَ لَا يَفْتِنَنَّكُمُ ٱلشَّيْطَٰنُ كَمَآ أَخْرَجَ أَبَوَيْكُم مِّنَ ٱلْجَنَّةِ يَنزِعُ عَنْهُمَا لِبَاسَهُمَا لِيُرِيَهُمَا سَوْءَٰتِهِمَآ إِنَّهُۥ يَرَىٰكُمْ هُوَ وَقَبِيلُهُۥ مِنْ حَيْثُ لَا تَرَوْنَهُمْ إِنَّا جَعَلْنَا ٱلشَّيَٰطِينَ أَوْلِيَآءَ لِلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ

ﷲ جَلَّ جَلَالُهُ

O ye Children of Adam! Let not Satan seduce you, in the same manner as He got your parents out of the Garden, stripping them of their raiment, to expose their shame: for he and his tribe watch you from a position where ye cannot see them: Weﷲ made the evil ones friends (only) to those without faith.

ﷲ جَلَّ جَلَالُهُ

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

ऐ आदम की सन्तान! कहीं शैतान तुम्हें बहकावे में न डाल दे, जिस प्रकार उसने तुम्हारे माँ-बाप को जन्नत से निकलवा दिया था; उनके वस्त्र उनपर से उतरवा दिए थे, ताकि उनकी शर्मगाहें एक-दूसरे के सामने खोल दे। निस्सदेह वह और उसका गिरोह उस स्थान से तुम्हें देखता है, जहाँ से तुम उन्हें नहीं देखते। हमﷲ ने तो शैतानों को उन लोगों का मित्र बना दिया है, जो ईमान नहीं रखते

ﷲ

হে বনী-আদম শয়তান যেন তোমাদেরকে বিভ্রান্ত না করে; যেমন সে তোমাদের পিতামাতাকে জান্নাত থেকে বের করে দিয়েছে এমতাবস্থায় যে, তাদের পোশাক তাদের থেকে খুলিয়ে দিয়েছি-যাতে তাদেরকে লজ্জাস্থান দেখিয়ে দেয়। সে এবং তার দলবল তোমাদেরকে দেখে, যেখান থেকে তোমরা তাদেরকে দেখ না। আমি শয়তানদেরকে তাদের বন্ধু করে দিয়েছি, , যারা বিশ্বাস স্থাপন করে না।

●●●●●

Al-A'raaf (7:28)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِذَا فَعَلُوا۟ فَٰحِشَةً قَالُوا۟ وَجَدْنَا عَلَيْهَآ ءَابَآءَنَا وَٱللَّهُ أَمَرَنَا بِهَا ۗ قُلْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَأْمُرُ بِٱلْفَحْشَآءِ ۖ أَتَقُولُونَ عَلَى ٱللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ

When they do aught that is shameful, they say: "We found our fathers doing so"; and "Allahﷻ commanded us thus": Say: "Nay, Allahﷻ never commands what is shameful: do ye say of Allahﷻ what ye know not?"

और उनका हाल यह है कि जब वे लोग कोई अश्लील कर्म करते है तो कहते है कि "हमने अपने बाप-दादा को इसी तरीक़े पर पाया है और अल्लाहﷺ ही ने हमें इसका आदेश दिया है।" कह दो, "अल्लाह कभी अश्लील बातों का आदेश नहीं दिया करता। क्या अल्लाहﷻ पर थोपकर ऐसी बात कहते हो, जिसका तुम्हें ज्ञान नहीं?"

তারা যখন কোন মন্দ কাজ করে, তখন বলে আমরা বাপ-দাদাকে এমনি করতে দেখেছি এবং আল্লাহও আমাদেরকে এ নির্দেশই দিয়েছেন। আল্লাহﷻ মন্দকাজের আদেশ দেন না। এমন কথা আল্লাহﷻর প্রতি কেন আরোপ কর, যা তোমরা

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

জান না।

●●●●●

Faatir (35:3)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلنَّاسُ ٱذْكُرُوا۟ نِعْمَتَ ٱللَّهِ عَلَيْكُمْ هَلْ مِنْ خَٰلِقٍ غَيْرُ ٱللَّهِ يَرْزُقُكُم مِّنَ ٱلسَّمَآءِ وَٱلْأَرْضِ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ فَأَنَّىٰ تُؤْفَكُونَ

O men! Call to mind the grace of Allahﷻ unto you! is there a creator, other than Allahﷻ, to give you sustenance from heaven or earth? There is no god but He: how then are ye deluded away from the Truth?

ऐ लोगो! अल्लाहﷻ की तुमपर जो अनुकम्पा है, उसे याद करो। क्या अल्लाहﷻ के सिवा कोई और पैदा करनेवाला है, जो तुम्हें आकाश और धरती से रोज़ी देता हो? उसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं। तो तुम कहाँ से उलटे भटके चले जा रहे हो?

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

হে মানুষ, তোমাদের প্রতি আল্লাহﷻর অনুগ্রহ স্মরণ কর। আল্লাহﷻ ব্যতীত এমন কোন স্রষ্টা আছে কি, যে তোমাদেরকে আসমান ও যমীন থেকে রিযিক দান করে? তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই। অতএব তোমরা কোথায় ফিরে যাচ্ছ?

●●●●●

Faatir (35:4)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَإِن يُكَذِّبُوكَ فَقَدْ كُذِّبَتْ رُسُلٌ مِّن قَبْلِكَ وَإِلَى ٱللَّهِ تُرْجَعُ ٱلْأُمُورُ

And if they reject thee, so were messengers rejected before thee: all affairs are reverted back to Allahﷻ for decision

और यदि वे तुम्हें झुठलाते तो तुमसे पहले भी कितने ही रसूल झुठलाए जा चुके है। सारे मामले अल्लाहﷻ ही की ओर पलटते हैं

তারা যদি আপনাকে মিথ্যাবাদী বলে, তবে আপনার পূর্ববর্তী رُسُل~~পয়গম্বরগণকেও~~ তো মিথ্যাবাদী বলা হয়েছিল। আল্লাহﷻর

প্রতিই যাবতীয় বিষয় প্রত্যাবর্তিত হয়।

●●●●●

Al-Furqaan (25:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَوْمَ يَرَوْنَ ٱلْمَلَٰٓئِكَةَ لَا بُشْرَىٰ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُجْرِمِينَ وَيَقُولُونَ حِجْرًا مَّحْجُورًا

The Day they see the angels,- no joy will there be to the sinners that Day: The (angels) will say: "There is a barrier forbidden (to you) altogether!"

जिस दिन वे फ़रिश्तों को देखेंगे उस दिन अपराधियों के लिए कोई ख़ुशख़बरी न होगी और वे पुकार उठेंगे, "पनाह! पनाह!!"

যেদিন তারা ফেরেশতাদেরকে দেখবে, সেদিন অপরাধীদের জন্যে কোন সুসংবাদ থাকবে না এবং তারা বলবে, কোন বাধা যদি তা আটকে রাখত।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Furqaan (25:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَدِمْنَآ إِلَىٰ مَا عَمِلُوا۟ مِنْ عَمَلٍ فَجَعَلْنَٰهُ هَبَآءً مَّنثُورًا

And Weﷲﷻ shall turn to whatever deeds they did (in this life), and Weﷲﷻ shall make such deeds as floating dust scattered about.

हमﷲﷻ बढ़ेंगे उस कर्म की ओर जो उन्होंने किया होगा और उसे उड़ती धूल कर देंगे

আমি{ﷲﷻ তাদের কৃতকর্মের প্রতি মনোনিবেশ করব, অতঃপর সেগুলোকে বিক্ষিপ্ত ধুলিকণারূপে করে দেব।

●●●●●

Saba (34:31)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ لَن نُّؤْمِنَ بِهَٰذَا ٱلْقُرْءَانِ وَلَا بِٱلَّذِى

بَيْنَ يَدَيْهِ وَلَوْ تَرَىٰٓ إِذِ ٱلظَّٰلِمُونَ مَوْقُوفُونَ عِندَ
رَبِّهِمْ يَرْجِعُ بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ ٱلْقَوْلَ يَقُولُ ٱلَّذِينَ
ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ لَوْلَآ أَنتُمْ لَكُنَّا مُؤْمِنِينَ

The Unbelievers say: "We shall neither believe in this scripture nor in (any) that (came) before it." Couldst thou but see when the wrong-doers will be made to stand before their Lord, throwing back the word (of blame) on one another! Those who had been despised will say to the arrogant ones: "Had it not been for you, we should certainly have been believers!"

जिन लोगों ने इनकार किया वे कहते है, "हम इस क़ुरआन को कदापि न मानेंगे और न उसको जो इसके आगे है।" और यदि तुम देख पाते जब ज़ालिम अपने रब के सामने खड़े कर दिए जाएँगे। वे आपस में एक-दूसरे पर इल्ज़ाम डाल रहे होंगे। जो लोग कमज़ोर समझे गए वे उन लोगों से जो बड़े बनते थे कहेंगे, "यदि तुम न होते तो हम अवश्य ही ईमानवाले होते।"

কাফেররা বলে, আমরা কখনও এ কোরআনে বিশ্বাস করব না এবং এর পূর্ববর্তী কিতাবেও নয়। আপনি যদি পাপিষ্ঠদেরকে দেখতেন, যখন তাদেরকে তাদের পালনকর্তার সামনে দাঁড় করানো হবে, , তখন তারা পরস্পর কথা কাটাকাটি করবে। যাদেরকে দুর্বল মনে করা হত, তারা অহংকারীদেরকে বলবে, তোমরা না থাকলে আমরা অবশ্যই মুমিন হতাম।

●●●●●

Saba (34:32)

بسم الله الرحمن الرحيم

قَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوٓا۟ أَنَحْنُ صَدَدْنَٰكُمْ عَنِ ٱلْهُدَىٰ بَعْدَ إِذْ جَآءَكُم بَلْ كُنتُم مُّجْرِمِينَ

The arrogant ones will say to those who had been despised: "Was it we who kept you back from Guidance after it reached you? Nay, rather, it was ye who transgressed.

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

वे लोग जो बड़े बनते थे उन लोगों से जो कमज़ोर समझे गए थे, कहेंगे, "क्या हमने तुम्हे उस मार्गदर्शन से रोका था, वह तुम्हारे पास आया था? नहीं, बल्कि तुम स्वयं ही अपराधी हो।"

অহংকারীরা দুর্বলকে বলবে, তোমাদের কাছে হেদায়েত আসার পর আমরা কি তোমাদেরকে বাধা দিয়েছিলাম? বরং তোমরাই তো ছিলে অপরাধী।

●●●●●

Saba (34:33)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَقَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتُضْعِفُوا۟ لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوا۟ بَلْ مَكْرُ ٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ إِذْ تَأْمُرُونَنَآ أَن نَّكْفُرَ بِٱللَّهِ وَنَجْعَلَ لَهُۥٓ أَندَادًا وَأَسَرُّوا۟ ٱلنَّدَامَةَ لَمَّا رَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ وَجَعَلْنَا ٱلْأَغْلَٰلَ فِىٓ أَعْنَاقِ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ هَلْ يُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كَانُوا۟ يَعْمَلُونَ

Those who had been despised will say to the arrogant ones: "Nay! it was a plot (of yours) by day and by night:

Behold! Ye (constantly) ordered us to be ungrateful to Allahﷻ and to attribute equals to Himﷻ!" They will declare (their) repentance when they see the Penalty: We shall put yokes on the necks of the Unbelievers: It would only be a requital for their (ill) Deeds.

वे लोग कमज़ोर समझे गए थे बड़े बननेवालों से कहेंगे, "नहीं, बल्कि रात-दिन की मक्कारी थी जब तुम हमसे कहते थे कि हम अल्लाहﷻ के साथ कुफ़्र करें और दूसरों को उसﷲﷻका समकक्ष ठहराएँ।" जब वे यातना देखेंगे तो मन ही मन पछताएँगे और हम उन लोगों की गरदनों में जिन्होंने कुफ़्र की नीति अपनाई, तौक़ डाल देंगे। वे वही तो बदले में पाएँगे, जो वे करते रहे थे?

দুর্বলরা অহংকারীদেরকে বলবে, বরং তোমরাই তো দিবারাত্রি চক্রান্ত করে আমাদেরকে নির্দেশ দিতে যেন আমরা আল্লাহﷻকে না মানি এবং তাঁরﷲﷻ অংশীদার সাব্যস্ত করি তারা যখন শাস্তি দেখবে, তখন মনের অনুতাপ মনেই রাখবে। বস্তুতঃ আমি কাফেরদের গলায় বেড়ী পরাব। তারা সে প্রতিফলই পেয়ে থাকে যা তারা করত।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Saba (34:34)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَآ أَرْسَلْنَا فِى قَرْيَةٍ مِّن نَّذِيرٍ إِلَّا قَالَ مُتْرَفُوهَآ إِنَّا بِمَآ أُرْسِلْتُم بِهِۦ كَٰفِرُونَ

Never did Weﷻ send a warner to a population, but the wealthy ones among them said: "We believe not in the (Message) with which ye have been sent."

हमﷻने जिस बस्ती में भी कोई सचेतकर्ता भेजा तो वहाँ के सम्पन्न लोगों ने यही कहा कि "जो कुछ देकर तुम्हें भेजा गया है, हम तो उसको नहीं मानते।"

কোন জনপদে সতর্ককারী প্রেরণ করা হলেই তার বিত্তশালী অধিবাসীরা বলতে শুরু করেছে, তোমরা যে বিষয়সহ প্রেরিত হয়েছ, আমরা তা মানি না।

Angels..

Fussilat (41:38)

بسم الله الرحمن الرحيم

فَإِنِ ٱسْتَكْبَرُوا۟ فَٱلَّذِينَ عِندَ رَبِّكَ يُسَبِّحُونَ لَهُۥ بِٱلَّيْلِ وَٱلنَّهَارِ وَهُمْ لَا يَسْـَٔمُونَ

But is the (Unbelievers) are arrogant, (no matter): for in the presence of thy Lordﷲ ﷻ are those who celebrate His praises by night and by day. And they never flag (nor feel themselves above it).

लेकिन यदि वे घमंड करें (और अल्लाह को याद न करें), तो जो फ़रिश्ते तुम्हारे रबﷲ ﷻ के पास है वे तो रात और दिन उसकी

तसबीह करते ही रहते है और वे उकताते नहीं

অতঃপর তারা যদি অহংকার করে, তবে যারা আপনার পালনকর্তারﷲﷻ কাছে আছে, তারা দিবারাত্রি তাঁর পবিত্রতা ঘোষণা করে এবং তারা ক্লান্ত হয় না।

●●●●●

Fussilat (41:40)

﷽

إِنَّ ٱلَّذِينَ يُلۡحِدُونَ فِيٓ ءَايَٰتِنَا لَا يَخۡفَوۡنَ عَلَيۡنَآۗ أَفَمَن يُلۡقَىٰ فِي ٱلنَّارِ خَيۡرٌ أَم مَّن يَأۡتِيٓ ءَامِنٗا يَوۡمَ ٱلۡقِيَٰمَةِۚ ٱعۡمَلُواْ مَا شِئۡتُمۡ إِنَّهُۥ بِمَا تَعۡمَلُونَ بَصِيرٌ

Those who pervert the Truth in Our ﷻSigns are not hidden from Us.ﷻ Which is better?- he that is cast into the Fire, or he that comes safe through, on the Day of Judgment? Do what ye will: verily He seeth (clearly) all that ye do.

जो लोग हमारीﷻ आयतों में कुटिलता की नीति अपनाते है वे

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

हमﷲ से छिपे हुए नहीं हैं, तो क्या जो व्यक्ति आग में डाला जाए वह अच्छा है या वह जो क़ियामत के दिन निश्चिन्त होकर आएगा? जो चाहो कर लो, तुम जो कुछ करते हो वह तो उसे देख ही रहा है

নিশ্চয় যারা আমারﷲ আয়াতসমূহের ব্যাপারে বক্রতা অবলম্বন করে, তারা আমার কাছে গোপন নয়। যে ব্যক্তি জাহান্নামে নিক্ষিপ্ত হবে সে শ্রেষ্ঠ, না যে কেয়ামতের দিন নিরাপদে আসবে? তোমরা যা ইচ্ছা কর, নিশ্চয় তিনি দেখেন যা তোমরা কর।

◉⇮◆⇮●⇮◉

◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉◉⇮◆⇮●

⇮◉◉⇮◆⇮●⇮◉

❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖ ❄❖

Final Scripture.

◆◆◆◆◆◆◆

Fussilat (41:41)

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ بِٱلذِّكْرِ لَمَّا جَآءَهُمْ وَإِنَّهُۥ لَكِتَٰبٌ عَزِيزٌ

Those who reject the Message when it comes to them (are not hidden from Us). And indeed it is a Book of exalted power.

जिन लोगों ने अनुस्मृति का इनकार किया, जबकि वह उनके पास आई, हालाँकि वह एक प्रभुत्वशाली किताब है, (तो न पूछो कि उनका कितना बुरा परिणाम होगा)

নিশ্চয় যারা কোরআন আসার পর তা অস্বীকার করে, তাদের মধ্যে চিন্তা-ভাবনার অভাব রয়েছে। এটা অবশ্যই এক সম্মানিত গ্রন্থ।

◆◆◆◆◆◆◆

Fussilat (41:42)

بسم الله الرحمن الرحيم

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি ﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

لَّا يَأْتِيهِ ٱلْبَٰطِلُ مِنۢ بَيْنِ يَدَيْهِ وَلَا مِنْ خَلْفِهِۦ ۖ تَنزِيلٌ مِّنْ حَكِيمٍ حَمِيدٍ

No falsehood can approach it from before or behind it: It is sent down by One Full of Wisdom, Worthy of all Praise.

असत्य उस तक न उसके आगे से आ सकता है और न उसके पीछे से; अवतरण है उसकी ओर से जो अत्यन्त तत्वदर्शी, प्रशंसा के योग्य है

এতে মিথ্যার প্রভাব নেই, সামনের দিক থেকেও নেই এবং পেছন দিক থেকেও নেই। এটা প্রজ্ঞাময়, প্রশংসিত আল্লাহর পক্ষ থেকে অবতীর্ণ।

◆◆◆◆◆◆◆

Fussilat (41:43)

بسم الله الرحمن الرحيم

مَّا يُقَالُ لَكَ إِلَّا مَا قَدْ قِيلَ لِلرُّسُلِ مِن قَبْلِكَ ۚ إِنَّ رَبَّكَ لَذُو مَغْفِرَةٍ وَذُو عِقَابٍ أَلِيمٍ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Nothing is said to thee that was not said to the messengers before thee: that thy lord has at his Command (all) forgiveness as well as a most Grievous Penalty.

तुम्हें बस वही कहा जा रहा है, जो उन रसूलों को कहा जा चुका है, जो तुमसे पहले गुज़र चुके है। निस्संदेह तुम्हारा रब बड़ा क्षमाशील है और दुखद दंड देनेवाला भी

আপনাকে তো তাই বলা হয়, যা বলা হত পূর্ববর্তী রসূলগনকে। নিশ্চয় আপনার পালনকর্তার কাছে রয়েছে ক্ষমা এবং রয়েছে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি।

◆◆◆◆◆◆◆

Fussilat (41:44)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَوْ جَعَلْنَٰهُ قُرْءَانًا أَعْجَمِيًّا لَّقَالُوا۟ لَوْلَا فُصِّلَتْ ءَايَٰتُهُۥٓ

ءَا۬عْجَمِىٌّ وَعَرَبِىٌّ قُلْ هُوَ لِلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ هُدًى وَشِفَآءٌ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷫ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷫ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷫ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

وَٱلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ فِيٓ ءَاذَانِهِمْ وَقْرٌ وَهُوَ عَلَيْهِمْ عَمًى أُوْلَٰٓئِكَ يُنَادَوْنَ مِن مَّكَانٍۭ بَعِيدٍ

Had Weﷲﷻ sent this as a Qur'an (in the language) other than Arabic, they would have said: "Why are not its verses explained in detail? What! (a Book) not in Arabic and (a Messenger an Arab?" Say: "It is a Guide and a Healing to those who believe; and for those who believe not, there is a deafness in their ears, and it is blindness in their (eyes): They are (as it were) being called from a place far distant!"

यदि हमﷲﷻ उसे ग़ैर अरबी क़ुरआन बनाते तो वे कहते कि " उसकी आयतें क्यों नहीं (हमारी भाषा में) खोलकर बयान की गई? यह क्या कि वाणी तो ग़ैर अरबी है और व्यक्ति अरबी?" कहो, "वह उन लोगों के लिए जो ईमान लाए मार्गदर्शन और आरोग्य है, किन्तु जो लोग ईमान नहीं ला रहे है उनके कानों में बोझ है और वह (क़ुरआन) उनके लिए अन्धापन (सिद्ध हो रहा) है, वे ऐसे है जिनको किसी दूर के स्थान से पुकारा जा रहा हो।"

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

আমিﷲﷻ যদি একে অনারব ভাষায় কোরআন করতাম, তবে অবশ্যই তারা বলত, এর আয়াতসমূহ পরিস্কার ভাষায় বিবৃত হয়নি কেন? কি আশ্চর্য যে, কিতাব অনারব ভাষায় আর রসূল আরবী ভাষী! বলুন, এটা বিশ্বাসীদের জন্য হেদায়েত ও রোগের প্রতিকার। যারা মুমিন নয়, তাদের কানে আছে ছিপি, আর কোরআন তাদের জন্যে অন্ধত্ব। তাদেরকে যেন দূরবর্তী স্থান থেকে আহবান করা হয়।

◉⇧◆⇧●⇧◉

◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉◉⇧◆⇧●

⇧◉◉⇧◆⇧●⇧◉

❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ ❄ ❖ **Nihaayah**.

Fussilat (41:39)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمِنْ ءَايَٰتِهِۦٓ أَنَّكَ تَرَى ٱلْأَرْضَ خَٰشِعَةً فَإِذَآ أَنزَلْنَا عَلَيْهَا ٱلْمَآءَ ٱهْتَزَّتْ وَرَبَتْ ۚ إِنَّ ٱلَّذِىٓ أَحْيَاهَا لَمُحْىِ ٱلْمَوْتَىٰٓ ۚ إِنَّهُۥ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

And among Hisﷻ Signs in this: thou seest the earth barren and desolate; but when We send down rain to it, it is stirred to life and yields increase. Truly, Heﷻ Who gives life to the (dead) earth can surely give life to (men) who are dead. For Heﷻ has power over all things.

और यह चीज़ भी उसﷻकी निशानियों में से है कि तुम देखते हो कि धरती दबी पड़ी है; फिर ज्यों ही हमﷻने उसपर पानी बरसाया कि वह फबक उठी और फूल गई। निश्चय ही जिसने उसे जीवित किया, वहीﷻ मुर्दों को जीवित करनेवाला है। निस्संदेह उसेﷻ हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है

তাঁরﷻ এক নিদর্শন এই যে, তুমি ভূমিকে দেখবে অনুর্বর পড়ে আছে। অতঃপর আমিﷻ যখন তার উপর বৃষ্টি বর্ষণ করি, তখন সে শস্যশ্যামল ও স্ফীত হয়। নিশ্চয় যিনিﷻ একে জীবিত করেন, তিনিﷻ জীবিত করবেন মৃতদেরকেও। নিশ্চয় তিনি সবকিছু করতে সক্ষম।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Recognize thy Lord with a befitting Configuration...

●●●●●

An-Nahl (16:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَٰهُكُمْ إِلَٰهٌ وَٰحِدٌ فَٱلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِٱلْءَاخِرَةِ قُلُوبُهُم مُّنكِرَةٌ وَهُم مُّسْتَكْبِرُونَ

Your Allah ﷻis one Allahﷻ: as to those who believe not in the Hereafter, their hearts refuse to know, and they are arrogant.

तुम्हारा पूज्य-प्रभुﷲﷻ अकेला ﷲﷻहै। किन्तु जो आख़िरत में

विश्वास नहीं रखते, उनके दिलों को इनकार है। वे अपने आपको बड़ा समझ रहे है

আমাদের ইলাহﷲﷻ একক ইলাহ। অনন্তর যারা পরজীবনে বিশ্বাস করে না, তাদের অন্তর সত্যবিমুখ এবং তারা অহংকার প্রদর্শন করেছে।

●●●●●

Al-Jaathiya (45:37)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَلَهُ ٱلْكِبْرِيَآءُ فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَهُوَ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

To Himﷻ be glory throughout the heavens and the earth: and Heﷲﷻ is Exalted in Power, Full of Wisdom!

आकाशों और धरती में बड़ाई उसीﷲﷻ के लिए है, और वही ﷲﷻ प्रभुत्वशाली, अत्यन्त तत्वदर्शी है

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

নভোমন্ডলে ও ভূ-মন্ডলে তাঁরইﷲﷻ গৌরব। তিনিﷲﷻ পরাক্রমশালী, প্রজ্ঞাময়।

●●●●●

Al-Hashr (59:22)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱللَّهُ ٱلَّذِى لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ عَٰلِمُ ٱلْغَيْبِ وَٱلشَّهَٰدَةِ هُوَ ٱلرَّحْمَٰنُ ٱلرَّحِيمُ

Allahﷻ is He, than Whom there is no other god;- Who knows (all things) both secret and open; Heﷻ, Most Gracious, Most Merciful.

वही अल्लाहﷻ है जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, परोक्ष और प्रत्यक्ष को जानता है। वहﷲﷻ बड़ा कृपाशील, अत्यन्त दयावान है

তিনিই আল্লাহﷻ তা'আলা, তিনি ব্যতীত কোন উপাস্য নেই; তিনিﷲﷻদৃশ্য ও অদৃশ্যকে জানেন তিনি পরম দয়ালু, অসীম দাতা।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Hashr (59:23)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱللَّهُ ٱلَّذِى لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْمَلِكُ ٱلْقُدُّوسُ ٱلسَّلَٰمُ ٱلْمُؤْمِنُ ٱلْمُهَيْمِنُ ٱلْعَزِيزُ ٱلْجَبَّارُ ٱلْمُتَكَبِّرُ سُبْحَٰنَ ٱللَّهِ عَمَّا يُشْرِكُونَ

Allahﷻ is He, than Whom there is no other god;- the Sovereign, the Holy One, the Source of Peace (and Perfection), the Guardian of Faith, the Preserver of Safety, the Exalted in Might, the Irresistible, the Supreme: Glory to Allahﷻ! (High is He) above the partners they attribute to Him.

वही अल्लाहﷻ है जिसके सिवा कोई पूज्य नहीं। बादशाह है अत्यन्त पवित्र, सर्वथा सलामती, निश्चिन्तता प्रदान करनेवाला, संरक्षक, प्रभुत्वशाली, प्रभावशाली (टुटे हुए को जोड़नेवाला), अपनी बड़ाई प्रकट करनेवाला। महान और उच्च है अल्लाहﷻ उस शिर्क से जो वे करते है

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

هُوَ ٱللَّهُ ٱلَّذِي لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْمَلِكُ ٱلْقُدُّوسُ ٱلسَّلَٰمُ ٱلْمُؤْمِنُ ٱلْمُهَيْمِنُ ٱلْعَزِيزُ ٱلْجَبَّارُ ٱلْمُتَكَبِّرُ سُبْحَٰنَ ٱللَّهِ عَمَّا يُشْرِكُونَ

তিনিই আল্লাহ্ﷻ তিনি ব্যতিত কোন উপাস্য নেই। তিনিই একমাত্র মালিক, পবিত্র, শান্তি ও নিরাপত্তাদাতা, আশ্রয়দাতা, পরাক্রান্ত, প্রতাপান্বিত, বড়াই প্রকট করনেবালা।। তারা যাকে অংশীদার করে আল্লাহ তা' আলা তা থেকে পবিত্র।

●●●●●

Al-Hashr (59:24)

بسم الله الرحمن الرحيم

هُوَ ٱللَّهُ ٱلْخَٰلِقُ ٱلْبَارِئُ ٱلْمُصَوِّرُ لَهُ ٱلْأَسْمَآءُ ٱلْحُسْنَىٰ يُسَبِّحُ لَهُۥ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضِ وَهُوَ ٱلْعَزِيزُ ٱلْحَكِيمُ

He is Allahﷻ, the Creator, the Evolver, the Bestower of Forms (or Colours). To Himﷻ belong the Most Beautiful Names: whatever is in the heavens and on earth, doth

declare Hisﷻ Praises and Glory: and Heﷲﷻ is the Exalted in Might, the Wise.

वही अल्लाहﷻ है जो संरचना का प्रारूपक है, अस्तित्व प्रदान करनेवाला, रूप देनेवाला है। उसीﷲﷻ के लिए अच्छे नाम है। जो चीज़ भी आकाशों और धरती में है, उसी ﷲﷻकी तसबीह कर रही है। और वह प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

তিনিই আল্লাহﷻ তা'আলা, স্রষ্টা, উদ্ভাবক, রূপদাতা, উত্তম নাম সমূহ তাঁরই। নভোমন্ডলে ও ভূমন্ডলে যা কিছু আছে, সবই তাঁরﷲﷻ পবিত্রতা ঘোষণা করে। তিনিﷲﷻ পরাক্রান্ত প্রজ্ঞাময়।

●●●●●

Al-Baqara (2:255)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْحَيُّ ٱلْقَيُّومُ لَا تَأْخُذُهُۥ سِنَةٌ وَلَا
نَوْمٌ لَّهُۥ مَا فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِي ٱلْأَرْضِ مَن ذَا
ٱلَّذِي يَشْفَعُ عِندَهُۥٓ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَىْءٍ مِّنْ عِلْمِهِۦٓ إِلَّا بِمَا شَآءَ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ وَلَا يَـُٔودُهُۥ حِفْظُهُمَا وَهُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْعَظِيمُ

Allah!ﷻThere is no god but He,-the Living, the Self-subsisting, Eternal. No slumber can seize Himﷻ nor sleep. Hisﷻ are all things in the heavens and on earth. Who is there can intercede in Hisﷻ presence except as Heﷻ permitteth? He knoweth what (appeareth to His creatures as) before or after or behind them. Nor shall they compass aught of Hisﷻ knowledge except as Heﷲﷻ willeth. Hisﷻ Throne doth extend over the heavens and the earth, and Heﷲﷻ feeleth no fatigue in guarding and preserving them for Heﷲﷻ is the Most High, the Supreme (in glory).

अल्लाहﷻ कि जिसके सिवा कोई पूज्य-प्रभु नहीं, वहﷲﷻ जीवन्त-सत्ता है, सबको सँभालने और क़ायम रखनेवाला है। उसेﷻ न ऊँघ लगती है और न निद्रा। उसीﷻ का है जो कुछ आकाशों में है और

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

जो कुछ धरती में है। कौन है जो उसﷲﷻके यहाँ उसकी अनुमति के बिना सिफ़ारिश कर सके? वहﷲﷻ जानता है जो कुछ उनके आगे है और जो कुछ उनके पीछे है। और वेﷻ उसके ज्ञान में से किसी चीज़ पर हावी नहीं हो सकते, सिवाय उसके जो उसﷻने चाहा। उसﷲﷻकी कुर्सी (प्रभुता) आकाशों और धरती को व्याप्त है और उनकी सुरक्षा उसﷻके लिए तनिक भी भारी नहीं और वह उच्च, महान है

আল্লাহﷻ ছাড়া অন্য কোন উপাস্য নেই, তিনিﷲﷻ জীবিত, সবকিছুর ধারক। তাঁকে তন্দ্রাও স্পর্শ করতে পারে না এবং নিদ্রাও নয়। আসমান ও যমীনে যা কিছু রয়েছে, সবই তাঁর। কে আছ এমন, যে সুপারিশ করবে তাঁরﷻ কাছে তাঁরﷻ অনুমতি ছাড়া? দৃষ্টির সামনে কিংবা পিছনে যা কিছু রয়েছে সে সবই তিনিﷻ জানেন। তাঁর জ্ঞানসীমা থেকে তারা কোন কিছুকেই পরিবেষ্টিত করতে পারে না, কিন্তু যতটুকু তিনিﷻ ইচ্ছা করেন। তাঁর সিংহাসন সমস্ত আসমান ও যমীনকে পরিবেষ্টিত করে আছে। আর সেগুলোকে ধারণ করা তাঁর পক্ষে কঠিন নয়। তিনিﷻই সর্বোচ্চ এবং সর্বাপেক্ষা মহান।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

●●●●●

Al-Baqara (2:256)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَآ إِكْرَاهَ فِى ٱلدِّينِ قَد تَّبَيَّنَ ٱلرُّشْدُ مِنَ ٱلْغَىِّ فَمَن يَكْفُرْ بِٱلطَّٰغُوتِ وَيُؤْمِنۢ بِٱللَّهِ فَقَدِ ٱسْتَمْسَكَ بِٱلْعُرْوَةِ ٱلْوُثْقَىٰ لَا ٱنفِصَامَ لَهَا وَٱللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ

Let there be no compulsion in religion: Truth stands out clear from Error: whoever rejects evil and believes in Allahﷻ hath grasped the most trustworthy hand-hold, that never breaks. And Allahﷻ heareth and knoweth all things.

धर्म के विषय में कोई ज़बरदस्ती नहीं। सही बात नासमझी की बात से अलग होकर स्पष्ट हो गई है। तो अब जो कोई बढ़े हुए सरकश को ठुकरा दे और अल्लाहﷻ पर ईमान लाए, उसने ऐसा मज़बूत सहारा थाम लिया जो कभी टूटनेवाला नहीं। अल्लाह सब कुछ सुनने, जाननेवाला है

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

দ্বীনের ব্যাপারে কোন জবরদস্তি বা বাধ্য-বাধকতা নেই। নিঃসন্দেহে হেদায়াত গোমরাহী থেকে পৃথক হয়ে গেছে। এখন যারা গোমরাহকারী 'তাগুত'দেরকে মানবে না এবং আল্লাহﷻতে বিশ্বাস স্থাপন করবে, সে ধারণ করে নিয়েছে সুদৃঢ় হাতল যা ভাংবার নয়। আর আল্লাহ সবই শুনেন এবং জানেন।

●●●●●

Al-Baqara (2:257)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱللَّهُ وَلِيُّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ يُخْرِجُهُم مِّنَ ٱلظُّلُمَٰتِ إِلَى ٱلنُّورِ وَٱلَّذِينَ كَفَرُوٓا۟ أَوْلِيَآؤُهُمُ ٱلطَّٰغُوتُ يُخْرِجُونَهُم مِّنَ ٱلنُّورِ إِلَى ٱلظُّلُمَٰتِ أُو۟لَٰٓئِكَ أَصْحَٰبُ ٱلنَّارِ هُمْ فِيهَا خَٰلِدُونَ

Allahﷻ is the Protector of those who have faith: from the depths of darkness Heﷲﷻ will lead them forth into light. Of those who reject faith the patrons are the evil ones: from light they will lead them forth into the depths of darkness. They will be companions of the fire, to dwell

therein (For ever).

जो लोग ईमान लाते है, अल्लाहﷻ उनका रक्षक और सहायक है। वहﷲﷻ उन्हें अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाता है। रहे वे लोग जिन्होंने इनकार किया तो उनके संरक्षक बढ़े हुए सरकश है। वे उन्हें प्रकाश से निकालकर अँधेरों की ओर ले जाते है। वही आग (जहन्नम) में पड़नेवाले है। वे उसी में सदैव रहेंगे

যারা ঈমান এনেছে, আল্লাহﷻ তাদের অভিভাবক। তাদেরকে তিনিﷲﷻ বের করে আনেন অন্ধকার থেকে আলোর দিকে। আর যারা কুফরী করে তাদের অভিভাবক হচ্ছে তাগুত। তারা তাদেরকে আলো থেকে বের করে অন্ধকারের দিকে নিয়ে যায়। এরাই হলো দোযখের অধিবাসী, চিরকাল তারা সেখানেই থাকবে।

●●●●●

Al-Baqara (2:284)

بسم الله الرحمن الرحيم

لِّلَّهِ مَا فِي ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِي ٱلْأَرْضِ وَإِن تُبْدُوا۟ مَا

فِيٓ أَنفُسِكُمۡ أَوۡ تُخۡفُوهُ يُحَاسِبۡكُم بِهِ ٱللَّهُۖ فَيَغۡفِرُ لِمَن يَشَآءُ وَيُعَذِّبُ مَن يَشَآءُۗ وَٱللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيۡءٖ قَدِيرٌ

To Allah﷽ belongeth all that is in the heavens and on earth. Whether ye show what is in your minds or conceal it, Allah Calleth you to account for it. Heﷲﷻ forgiveth whom Heﷻ pleaseth, and punisheth whom Heﷻ pleaseth, for Allahﷻ hath power over all things.

अल्लाहﷻ ही का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है। और जो कुछ तुम्हारे मन है, यदि तुम उसे व्यक्त करो या छिपाओं, अल्लाहﷻ तुमसे उसका हिसाब लेगा। फिर वह जिसे चाहे क्षमा कर दे और जिसे चाहे यातना दे। अल्लाहﷻ को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है

যা কিছু আকাশসমূহে রয়েছে এবং যা কিছু যমীনে আছে, সব আল্লাহﷻরই। যদি তোমরা মনের কথা প্রকাশ কর কিংবা গোপন কর, আল্লাহﷻ তোমাদের কাছ থেকে তার হিসাব

নেবেন। অতঃপর যাকে ইচ্ছা তিনি ক্ষমা করবেন এবং যাকে ইচ্ছা তিনি শাস্তি দেবেন। আল্লাহﷻ সর্ববিষয়ে শক্তিমান।

Al-Baqara (2:285)

﷽

ءَامَنَ ٱلرَّسُولُ بِمَآ أُنزِلَ إِلَيۡهِ مِن رَّبِّهِۦ وَٱلۡمُؤۡمِنُونَ كُلٌّ ءَامَنَ بِٱللَّهِ وَمَلَٰٓئِكَتِهِۦ وَكُتُبِهِۦ وَرُسُلِهِۦ لَا نُفَرِّقُ بَيۡنَ أَحَدٍ مِّن رُّسُلِهِۦ وَقَالُواْ سَمِعۡنَا وَأَطَعۡنَا غُفۡرَانَكَ رَبَّنَا وَإِلَيۡكَ ٱلۡمَصِيرُ

The Messenger believeth in what hath been revealed to him from his Lord, as do the men of faith. Each one (of them) believeth in Allahﷻ, His angels, His books, and His messengers. "We make no distinction (they say) between one and another of His messengers." And they say: "We hear, and we obey: (We seek) Thy forgiveness, our Lord, and to Thee is the end of all journeys."

रसूल उसपर, जो कुछ उसके रब की ओर से उसकी ओर उतरा, ईमान

लाया और ईमानवाले भी, प्रत्येक, अल्लाहﷻ पर, उसके फ़रिश्तों पर, उसकी किताबों पर और उसके रसूलों पर ईमान लाया। (और उनका कहना यह है,) "हम उसके रसूलों में से किसी को दूसरे रसूलों से अलग नहीं करते।" और उनका कहना है, "हमने सुना और आज्ञाकारी हुए। हमारे रब! हम तेरी क्षमा के इच्छुक है और तेरी ही ओर लौटना है।"

রসূল বিশ্বাস রাখেন ঐ সমস্ত বিষয় সম্পর্কে যা তাঁর পালনকর্তারﷲﷻ পক্ষ থেকে তাঁর কাছে অবতীর্ণ হয়েছে এবং মুসলমানরাও সবাই বিশ্বাস রাখে আল্লাহﷻর প্রতি, তাঁর ফেরেশতাদের প্রতি, তাঁর গ্রন্থসমুহের প্রতি এবং তাঁর পয়গম্বরগণের প্রতি। তারা বলে আমরা তাঁর পয়গম্বরদের মধ্যে কোন তারতম্য করিনা। তারা বলে, আমরা শুনেছি এবং কবুল করেছি। আমরা তোমার ক্ষমা চাই, হে আমাদের পালনকর্তা। তোমারই দিকে প্রত্যাবর্তন করতে হবে।

●●●●●

Al-Baqara (2:286)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا يُكَلِّفُ ٱللَّهُ نَفْسًا إِلَّا وُسْعَهَا لَهَا مَا كَسَبَتْ وَعَلَيْهَا مَا ٱكْتَسَبَتْ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذْنَآ إِن نَّسِينَآ أَوْ أَخْطَأْنَا رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْ عَلَيْنَآ إِصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُۥ عَلَى ٱلَّذِينَ مِن قَبْلِنَا رَبَّنَا وَلَا تُحَمِّلْنَا مَا لَا طَاقَةَ لَنَا بِهِۦ وَٱعْفُ عَنَّا وَٱغْفِرْ لَنَا وَٱرْحَمْنَآ أَنتَ مَوْلَىٰنَا فَٱنصُرْنَا عَلَى ٱلْقَوْمِ ٱلْكَٰفِرِينَ

On no soul doth Allahﷻ Place a burden greater than it can bear. It gets every good that it earns, and it suffers every ill that it earns. (Pray:) "Our Lord!ﷻ Condemn us not if we forget or fall into error; our Lord! Lay not on us a burden Like that which Thou didst lay on those before us; Our Lord!ﷻ Lay not on us a burden greater than we have strength to bear. Blot out our sins, and grant us forgiveness. Have mercy on us. Thou art our Protector; Help us against those who stand against faith."

अल्लाहﷻ किसी जीव पर बस उसकी सामर्थ्य और समाई के अनुसार ही दायित्व का भार डालता है। उसका है जो उसने कमाया

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷲ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

और उसी पर उसका वबाल (आपदा) भी है जो उसने किया। "हमारे रब! यदि हम भूलें या चूक जाएँ तो हमें न पकड़ना। हमारे रबﷲ! और हम पर ऐसा बोझ न डाल जैसा तूने हमसे पहले के लोगों पर डाला था। हमारे रबﷲ! और हमसे वह बोझ न उठवा, जिसकी हमें शक्ति नहीं। और हमें क्षमा कर और हमें ढाँक ले, और हमपर दया कर। तू ही हमारा संरक्षक है, अतएव इनकार करनेवालों के मुक़ाबले में हमारी सहायता कर।"

আল্লাহﷻ কাউকে তার সাধ্যাতীত কোন কাজের ভার দেন না, সে তাই পায় যা সে উপার্জন করে এবং তাই তার উপর বর্তায় যা সে করে। হে আমাদের ﷲপালনকর্তা, যদি আমরা ভুলে যাই কিংবা ভুল করি, তবে আমাদেরকে অপরাধী করো না। হে আমাদের ﷲপালনকর্তা! এবং আমাদের উপর এমন দায়িত্ব অর্পণ করো না, যেমন আমাদের পূর্ববর্তীদের উপর অর্পণ করেছ, হে আমাদের প্রভূ! এবং আমাদের দ্বারা ঐ বোঝা বহন করিও না, যা বহন করার শক্তি আমাদের নাই। আমাদের পাপ মোচন কর। আমাদেরকে ক্ষমা কর এবং আমাদের প্রতি দয়া কর। তুমিই আমাদের প্রভু।ﷲ সুতরাং কাফের সম্প্রদায়ের বিরুদ্ধে আমাদের কে সাহায্যে কর।

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Aetebarooo Yaa Oooolil Absaar-

ఆలోచించండి! ఆకళింపుగల దేవబంటులారా!

Seriously contemplate -oh men of insight+foresight

The masajid of Muwahhudeena were razed at many places eg: Dichpally.NZB, Telangana,Palamaneru-AP. ,Madanapalle -AP

by protoginists of Factionalism from దేవరఘందిdeol-panthiest BuzRoguey Ullemma group...
యెన్నోచోట్ల +++ "మువహ్హిదు"ల మసీదుల కూల్చివేతలో మిస్లిమ్ ఆకతాయి తపేలీతోపీమూకల సామూహిక కార్సేవ....

✶ ☆ ☆ ✽☆ ✽ ☆ ✽

ముబజ్జి'రూన-

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

(వత్తకు'ల్లాహ - **beware of,** జాగ్రత్త. **!)-**

ఆస్తి-డబ్బు , శారీరిక , మానసిక , మేధో - వనరులను , తేలితేటలనూ, నేర్చుకొన్న విద్యలనూ , స్పెషాలిటీస్ , **expertise , eminence** , పనితనాలనూ , వ్యర్థంగా , షైతా'ను మెచ్చే పనులలో **waste** చేసేవారు - **al-Israa-27-**

╮■╭❁╮■╭❁╮■╭

╮■╭❁╮■╭❁╮■╭
╮■╭❁╮■╭❁╮■╭

&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&&

[[[[ఓ**9**నెంబరు**meesaala royyalaseema** సాయిబుగాని ఆప్-భీతీ-**Auto Biography-** సొంతడబ్బాకొంత **vaayimpudu]]]**చదువరుల ఎంటర్టేన్మెంటు కోసం-

w³-Yt-Fb,Wup,X-??????యిత్యాదులన్నీయేంటో**?**అశ్లీలాలుకావా**?** షైతాను సాంగత్యాలుగావా**??**గొల్లమాల-బేటుల్మాల, ముర్తీపెండజకాతుహడపేబాబ్లాబావలచేతులలోకూడా**G_5** కానవచ్చు-దర్శకులు నిలదీసిఅడగాలి-**///**ఆరియా మహాశయనా**!!** మీకు,మాట్లాడేదానికి మామూలు కీపేడ్ ఫోను సాలదా**?**అని-

Al-Mulk (67:21).
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

ఇదేంవైపరీత్యమో**?** ప్రళయవిలయందగ్గరాయే**-((**లకద్**-**జాఅ

అష్రాతుహా**)[[[**لقد جاء أشراتها**)]]]the signs of ALQIYAAMA have since appeared prominantly,apparantly for the men of foresight/oooooolil absaaaaaar,,,,,,,,only the blind can't see,,,**

ఇస్లాం మక్కా**,**మదీనలకే పరిమితమా**-barre kabaaeru lo**

గోసాయిగోబర్ గ్యాసు దుమారం చెలరేగే**.**

ఛిలుంగాంజాగూంగార్ఝూమ్నేకే దిన్ ఆహీగయే **naadaan bellam**

బాలం**!sajjan,saajan,**

((షైతానుయెన్తసిరు**)(**సాతాను గెలిచిగేళిచేస్తాడనే**))**అరబ్బులకథ

CIEFL-EFLU-2001లో అరబీలో సదివా**-))**

****

Tail piece-లఖనఊ నుండి **350**మిసిలిములు కాలినడకన

బాబ్రీవుండినచోటికివచ్చి యేదోతంతునామే **.........**

చేసిజన్మధన్యసార్థకులాయేరట**-(**పాపీరస్ న్యూసు**)**

****

కలికాలపోగాలందాపురించిననేను కనను**,**విననూ**,**మార్చొననూ అని

సిన్నప్పుడు **"**మిత్రలాబం**-**మిత్రబేధం**"**లో సదివి **SSLC1962**

తెలుగు ఫస్టుపేపరులో లో **73%** మార్కులుతెచ్చుకోని

ZPHS,Mpl,లో **2**ప్రైజు కొట్టేసాన్-నాకంటే ఫస్టు,
నాముందునిలిచినవాడు-నిమ్మనపల్లినారాయణరేడు-వాడు **SSLC**
తో పైసదువులకు ఫుల్స్టాపు పెట్టె,రైతుబిడ్డగ పొలందున్నే-
లగ్గంజేస్కోని సంసారంసాగదీసె-
మర్రైతే నాను,డాక్టరు కావాలనీ తిరపతి డబ్బారేకులకాలేజీలో
PUC(BiPC1963)లోజేరి,కాలేక-రబీంద్రనాథ్ఠాగోర్-గారి-"
శాంతినికేత"న్లో బెజవాడగోపాల్రరెడ్డిలా నేనూ కొంతసదివి-
డిస్కంటిన్యూజేసేసా**1963-64**-అప్పురం-అంటే తమిళ-చిత్తూరు
తాటాకుల **GAS college**లో **BSc-BZC(-1968)**
అయిందనిపించా-ఇగఉద్యోగపర్వం-**SVU.Tpt,**లో-**MA**డిగ్రీ
ప్రైవేటుగా సంపాదిస్తి-అంతకు ముందే ద.భా,హి.ప్రచారసబద్వారా
హిందీవిశారద-అయ్యిందనిపించా-
మా హిందీపండితుడు-చీరాలసుబ్బారావును మరువలేను-
****
ముహమ్మద్ రఫీగారి పుణ్యమా ఈపాట నాహృదయాన్ని
హత్తుకొని కలతపెడుతూనే వుంది-ఓదశకం-నల్లచరితం తర్వాత
1978లో కంబం**(Cumbum)**లో "లబ్బైక" చెప్పేసా!మధ్యలో
జామఆతుల సంపర్కాలలో **30**యేండ్లు వేస్టు-వృధా ఆయే-
గొడ్డుదాల్చా-బగారఖాన**(1979**పురూలో రూకలు**1/-**కే ఓప్లేట్**)**తిని

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

బ్రేవ్మని తేపులుతేన్చినా-గలీగలీమే గసాబుసాగప్షీలూ,పిల్లిమొగ్గలూ-మర్కటగంతులూ-మసీదులలో లుంగీలటక్,జంగీర్ఝటక్-లూచేసినా-యెవడూనాకు అరబీగ్రామరునేర్పలే-పైగాకుర్ఆను సదివితే ఆగమాగంఐపోతవ్-అమీరుసెప్పిందేవేదం-అనిరి-ఒకేదైవం-ఒకేగ్రంధం, మరి**72 !**యెందుకోఅని అడిగితే

-మాబూజురోగులువేరే-వాళ్ల**BuzRougues** వేరే-అని నీతులుసెప్పిరి-

యేదోవెలితి-గా ఫీల్ఔతుంటి--:-అదే తౌహీదు అని పకోడీదాసులుచెప్పిరి-వాళ్లపుస్తకాలలో సిర్ఫ్ ఔరు సిర్ఫ్ "కితాబు" వ "సున్నః" ప్రకారం వుంటే -నేనంతవరకు సదివిన (చెత్త) సాహిత్యాలలో బూజురోగలకతలే మేండకులంతమెండు-ఇగ జామఆకులకు విడాకులూ-తిలోదకాలూఇచ్చేసి--అరబీరంగంలోకి దూకితి-ఆలిమాన పహల్వానీ చవిజూస్తి-ఇంతవరకూ **5**0సార్లు హిజరతులుజేయాల్సివచ్చే-ఆఖిరకు నాసొంతఇల్లే వదలాల్సివచ్చే-అదరాబదరాగొల్లకొండశాలిబండఫిసలబండమేకలబండలపట్నంలో

Urdu-B.A,-2009//చేసి-**MAANU-**ఉర్దూ విశ్వవిద్యాయం,**GachhiBowli,**నుండీ **M,A.URDU-2014--**చేసా-**//**

CIEFL-EFLU-నుండీ **Arabic Diplomas (Graduate**

Al-Mulk (67:21)

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷾ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷾ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷾ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Level-2000_2004)పూర్తిగావించి-కుర్ఆను అర్థంచేసుకోనే ప్రయత్నంలో మష్గూల్-బిజీగా వున్నా-

అరబీనేర్చుకొని (కుర్ఆను)'పారాయణంచేస్తున్నా-అల్ హమ్దులిల్లాహి-**308**సార్లుపూర్తిచేసా-ఈముర్ధాజీవితంలో మొట్టమొదటి సారిగా "ఇత్మినాన్"అనుభూతి అంటేయేమిటో ఈకుర్ఆను చదవటంతోనే కలిగింది-ఇంకేంకావాలినాకు!

****

70యేళ్ళ వడివరకూ **10**-డిగ్రీలు సంపాదించా-చివరిది అరబీ డిగ్రీ-లాస్ట్ బట్ దీ బేస్టు-మరి ఇంకేమీ అవసరంలేదు-

అరబీనేర్చుకోనివాడు پنديكيميتلوسو پنّيرواسنا స్వర్గవాసనకూడపొందడనే నా ఫర్మ్ బిలీఫ్-

మిసిలిమిముసిలిమానులారా-అరబీనహు,సర్ఫు!కవాఇదు-బలాగః,-నేర్చుకొని జన్మలను తరింపజేసుకోవచ్చు-

1445 సంవత్సరాలైనా తెలుగులో ఇలాంటిగ్రామర్ బుక్ రాయాలనే తపన యేఆలిములు,జాలిములూ,గాఫిలకూ కలగలే,

(((ఓకొత్తబిచ్చగాడు- తురకసమాజంకోసం రాసినవి)))

మీకోసం తెలుగు-ఆంగ్లభాషలలో అరబీపుస్తకాలు తయారుచేసా-

www.archive.org.telugu books లోకివెల్లి-

అల్లాహు,అరబీ,నహు-సర్ఫు,తజ్వీదు,వ్యాకరణం -**Arabic**

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Grammar,Arabic,Tajeeed,Arabic Syntax,Allaahu,

అనే సర్చ్ టేగ్సు**Search Tags** తో వెదికితే **........**చాలు**-**

కోత్తగా ఈకల్లోలసమాజంలోకిసాఅడుగు పెట్టే **9**నెంబర్గాళ్ళారా**-**

ముందు తోహీదు నేర్చుకోవడం **,**ఆపై అరబీ జ్ఞానసముపార్జన

మనపై నున్నలాజిమ్**,**ఫర్దులు**-**కర్తవ్యాలు**-**తర్వాత మూడోది**-**

మనఅంబియాలలా రెక్కాడించి డొక్కాడించండి**-**ముర్తీఫెండలూ**,**

ఖైరాతు బిఛ్ఛాలూ**-**జకాతులుగ్రెకొనకండి**-**సులేమాను**,**అ**,**స**.**గారుతన

వట్టిచేతులతో ఇనపకవచాలూ**,**యుద్ధపరికరాలూ తయారుజేసిరే**-**

మరినేను

పిచ్చకుంటలపోషయ్యలా అడుక్కతిని బేగారీ**-**బెగ్గర్సాస్రాట్టుకావాలా**!**

ఇక్కడ ఆదరాబాదరాలో యెన్నో **9**నెంబర్లనుకలిసా**-**

యెక్కువమందితాము**-9!**నెంబరు తగిలించుకోవటంతో

అల్లాహుతఆలా పై **-**మెహర్బానీ చేసినట్లు ఫీల్ఐ

కోతలుకోస్తున్నారూ**-**జేబులునింపు కొంటున్నారు**-**కడుపులను

నరకాగ్నితో**!---**మహాచేటు**--**

-అరబీ భాషనేర్చుకున్న **9'**నెంబరు నేనింత వరకూ సూడలే**,**కనలే**,**

వినలే**,---**అసలు వాల్ల రాడార్లలో అరబీలేదే**-**తౌహీదు మృగ్యం**-..**

దర్గాలకూ**,**ఆమిలలదగ్గరికిపోయే **9**శాల్తీలనూ కలిశా**-**సహీహ్

హదీలనూనిరాకరించే గొప్ప**9**నెంబర్లూవుండ్నేవుండే**-**జమఆతులతో

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

సంసారంగడిపే హాఫ్ బేక్డు కేక్**9**లనూకలిసా**--**మొత్తానికి

ధనమూలమిదంజగత్తు**-Money makes everything-**న బాప్

బడా ధ మయ్యా సబ్సే బడా రూపయ్యా**-**అనేసత్యం కరోనాలా**,**

హినీలా కొత్తతీరాలనూ కళుషితంజేస్తోంది**:--**తెగినగాలిపటంలా**,**

సుక్కానిలేని నావలా కొట్టుకపోతున్నా**:--**చివరకు తేలేది గుడక

గాడే**-**ఆఅగ్నిగుండంలోనే**-**దేనినుండి పారిపోయి**9**లేబల్

తగిలించుకొన్నానో**-**సగినాలుబలికేబల్లికుడితిలోపడినట్లు**-anthena**

aa...జీవనధ్యేయం మబ్బు**-**ఏఱువముబ్బమ్ గానే నిలిచే**-**

నిజానికి ఇస్లాంనిఅమతును నాకు గిఫ్టుజేసిన రబ్బుల్ఆలమీన**-**

అల్లాహు**,**తఆలా వారికి నేను సదా లొంగి**-**బంటునై

రుణపడివుండాలే**-**గాని **......**కోతలు యమ

ఖతరనాక్**-koooyaku,**

సాపప్తువేరు కుర్ఆనుది ఇన్స్టాల్చేసుకోవాలి**-**బూజురోగుల**.,**

జామఆకులకు

దూరంబాబూ**-**బహుదూరం**-**వర్షా**,**ఫలితాలు**-**నెగటివ్**!** బెనిఫిట్సు

ఈనేలపేనే**-**అక్కడ హాహాకారాలూ**,**హాయ్ హాయ్ లే**-**

చివరిగా**-**ఇకనైనా వెంటనే **"**కుర్ఆను**"**ను **"**ఇమామ్**"** గనిలబెట్టుకొని**-**

సరైన**"**సిరాతుల్ ముస్తకీం**"**ను **selecet**చేసి **"**జన్నతు**"**వేపు

Navigate చేస్తే **-**పాతధందాలను దైవం మాఫ్ చేయగలరే**-**

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

జన్మలు తరింపగలవే-జామఆకులూ,బూజురోగులూ-

భూతప్రేతాలఆమిలులూ-మూరకముర్షదులూ-

చింతకాయపుంగనూరులూ,నూకలుచెల్లిపోయిన"కుతుబు-అక్తాబు"

లూ, "వలీ-ఔలియాలూ-"లూ-అంతా మొహతాజులే-

యేసహాయంచేయలేనినిస్సహాయులే-ఆఒక్క

అల్లాహు.సుబహానహూ, తప్ప--

ఈరోగాలకు చికిత్స మువష్షిదుల వద్దమాత్రమే వుంది:-

Al-Hujuraat (49:17)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَمُنُّونَ عَلَيْكَ أَنْ أَسْلَمُوا۟ قُل لَّا تَمُنُّوا۟ عَلَىَّ
إِسْلَٰمَكُم بَلِ ٱللَّهُ يَمُنُّ عَلَيْكُمْ أَنْ هَدَىٰكُمْ لِلْإِيمَٰنِ
إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ

આ લોકો તારા ઉપર એહસાન જતાવે છે કે તેઓએ ઇસ્લામને

કબૂલ કર્યો કહે કે અમારા ઉપર તમારા ઇસ્લામનો એહસાન ન

જતાવો, આ ખુદાનો એહસાન છે કે એણે તમને ઇમાન તરફ હિદાયત

કરી અગર તમે (તમારા ઇમાન લાવવાના દાવામાં) સાચા છો.

वे तुमपर एहसान जताते है कि उन्होंने इस्लाम क़बूल कर लिया।

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

कह दो, "मुझ पर अपने इस्लाम का एहसान न रखो, बल्कि यदि तुम सच्चे हो तो अल्लाह ही तुमपर एहसान रखता है कि उसने तुम्हें ईमान की राह दिखाई।-

তারা মুসলমান হয়ে আপনাকে ধন্য করেছে মনে করে। বলুন, তোমরা মুসলমান হয়ে আমাকে ধন্য করেছ মনে করো না। বরং আল্লাহ ঈমানের পথে পরিচালিত করে তোমাদেরকে ধন্য করেছেন, যদি তোমরা সত্যনিষ্ঠ হয়ে থাক।

They regard as favour upon you (O Muhammad SAW) that they have embraced Islam. Say: "Count not your Islam as a favour upon me. Nay, but Allahﷻ has conferred a favour upon you, that He has guided you to the Faith, if you indeed are true. 49/17

ఈనాడే అరబీనేర్చుకోవాలా!వద్దా-?

****

Heretical BoozuRogula koo,MurashaduAamilalakoo,Turaga-Daragah lakoo bahudooramlo undawalen-

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if He ﷲ ﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वह ﷲ ﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি ﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

dabbuto Ayaatulanu amme,mee zakaatulanu lutaainche Raabandulakooo kuchamaa kaasimeelakooo bahu bahu bahu doooooraammmmmmmm.

☸ ʎ ♂

ఆకలితో అలమటించే నిరాయుధ నిరాశ్రయ నాగరికుల సామూహిక హత్యలు- కుటిలయెహూదీ యెదవల ఆకతాయి ఆగమాలూ-ఆగడాలూ-అక్రమాలూ-గాజ గడ్డలో-

.....కబ్ తక్ మేరే మోలా,సబర్ కా ఇంతహా హోగయా,

మమ్మల్ని రక్షించు ఓ ప్రభూ-రబ్బుల్ ఆలమీన-

మేమంతా నీ ఫకీరులమూ,నీ మొహతాజుగాళ్ళమూ-

తిండిలేదు,తీర్థంలేదు,,గుడ్డనాస్తి,నిదురలేదు,నెత్తిన పైకప్పువ్వుగ్యం--

షైతానుదోస్తులు యెదవయెహూదీడిస్రేలీ-నసారామారికా+మునాఫిక-ముష్రికమూకల,కాఫిరుల గోలీలను తింటున్నాము 110 సంవత్సరాలగా!

నీవేతప్ప ఇతః పరంబెరుగమే!!!

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷾ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷾ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷾ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

నీటముంచినా ,పాలముంచినా నీవేదిక్కు-

కరుణలేని ఈ జగాన మానవత్వం కానరాదే-

అన్నివేపులా రెండు కాళ్ళ పులులూ సింహాలే -

ఐనా ఈదానవ మారికా-డిస్రాఇల్ రక్తపిపాస యెన్నటికీ తీరదే-

GfTI,యూరపూ-swastikaపేడపెంటయ్యలూ రాక్షస అమానుష యెదవలకే వత్తాసుగనిలిచిరే.....

మేం బలిపసువులమేనా-

మాకతఇంతేనా-

జాలితలిచికన్నీరు తుడిచే మానవులే కనరారే!

చితికిపోయినజీవితాలన్నీ ఇంతలో చితిఆయే,

కలతనిదురకూడా కరవాయే-

లామల్జఅ వలామల్జఅ ఇల్లా బిక-

అరినా అజాఇబ కుదరతికి ఫీ ఆదాయినా,వ ఆదాయిక-

యా వాహిదుల్ కహ్హార్! అల్లదీ లా ముఅజిజ లహు ఫీద్దున్యా వల్ఆఖిరతి-

ఇర్ హమ్నా !ఇర్ హమ్నా !ఇర్ హమ్నా !

వ షత్తిత్ షమ్ల ఆదాఇద్దీని! వదమ్మిర్ దియారల్ కాఫిరీన,వ మజూస,వఅల్ బోదియ్యతి,వఅల్ యహూద,వఅన్నసారా ఫీకుల్లి మకాన్!ఆలల్ ఫౌర్!

వదమ్మిర్ హుమ్ జమీఅన్ తద్మీరన్ కతీరా!
వజ్అల్ హుమ్ ఆయతన్ లిల్ గాబిరీన్!
ఆమీన్ యారబ్బుల్ఆలమీన్- యాఅర్హమర్రాహిమీన్-
యాహయ్యు యా కయ్యూము!
సుబహాన రబ్బిక రబ్బిల్ ఇజ్జతి అమ్మా యసిఫూన్!
వసలామున్ ఆలల్ ముర్సలీన్!
వఅస్సలాతు వస్సలాము ఆలానబియ్యినా ముహమ్మదిన్ వ ఆలా ఆలిహీ,వసహ్బిహీ,అజ్మఈన్!
వఅల్ హమ్దులిల్లాహి రబ్బిల్ ఆలమీన్!
లేటెస్టు హాట్టు బ్రేకింగు న్యూ...సు.....

February 29, 2024

Israeli troops fire on Gaza crowd at aid point, health officials say 104 killed

Israeli sources confirmed that troops shot at the crowd, Palestinians receive medical care at Kamal Edwan Hospital in Beit Lahia, in the northern Gaza Strip, on February 29, 2024, after Israeli soldiers allegedly opened fire at Gaza residents who rushed towards trucks loaded with humanitarian aid amid ongoing battles between

Israel and the militant Hamas group.

Palestinians receive medical care at Kamal Edwan Hospital in Beit Lahia, in the northern Gaza Strip, on February 29, 2024, after Israeli soldiers allegedly opened fire at Gaza residents who rushed towards trucks loaded with humanitarian aid amid ongoing battles between Israel and the militant Hamas group. |

Israeli forces in war-torn Gaza opened fire on a crowd of Palestinians at an aid distribution point on February 29, killing at least 104 people and wounding over 700 according to Palestinian health officials.

Israeli sources confirmed that troops shot at the crowd, in the pre-dawn incident in Gaza City in the north of the besieged territory.

The Palestinian Health Ministry in Gaza condemned what it labelled a “massacre” and said it had claimed at least 104 lives and left 760 people wounded.

A witness told AFP that the violence unfolded when thousands of people desperate for food rushed towards aid trucks at the city's western Nabulsi roundabout.

As the dead and wounded were taken to several of Gaza's few functioning hospitals, health officials reported a steadily rising death toll.

"Medical teams are unable to deal with the volume and type of injuries arriving at Al-Shifa Medical Complex as a result of weak medical and human capabilities," one official said in a statement.

Famine warning

AFP TV footage showed the corpses of two men being taken away on the back of a donkey drawn cart.

Health Ministry spokesman Ashraf al-Qudra said the death toll from the "massacre" in Gaza City "rose to 104 martyrs and 760 injuries due to the bullets of the occupation forces that targeted a gathering of citizens".

Gaza is facing an increasingly desperate humanitarian situation nearly five months into the war started by Hamas's unprecedented attack on southern Israel on October 7.

The Hamas attack resulted in the deaths of around 1,160 people, mostly civilians, according to an AFP tally of official Israeli figures.

Israel's relentless military campaign to eliminate Hamas has killed more than 31,000 people, mostly women and children, according to the Health Ministry.

ALSO READ

Gaza Health Ministry says war deaths exceed 31,000 as famine looms

The U.N. estimates that the vast majority of Gaza's 2.4 million people are threatened with famine, particularly in the north where destruction, fighting and looting make aid

delivery almost impossible.

According to the U.N. agency for Palestinian refugees, UNRWA, just over 2,300 aid trucks have entered the Gaza Strip in February, down by around 50% compared to January.

The bloody incident on February 29 spurred a heated exchange at the Human Rights Council in Geneva.

Palestinian ambassador Ibrahim Mohammad Khraishi confronted his Israeli counterpart on the reported casualties and said: “Are these human shields? Are these Hamas combatants?”

Israel troops kill 3 Palestinians in West Bank raid taking the total to 4579 since last october

Gaza Health Ministry says war deaths exceed 31,000 as famine looms

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

♀ ⊲ ⎈ ⊳ ◤

800 SALON KA TAWEEL ARSE ME ,TABLEEGH KA ICON ISTEAMAAL HOTAA RAHAA, زن،زمین ، زرMAGAR AFSAUOS! +OFF COURSE/TABLEEGH NAAM KI CHEEZ NAHI,

SIRF میراSARPE TOPI BACHA...dalchaa ka handi ke sangaath-woh bhi marakazon me....

Vested interests Zindabeda...

...jiye..bagarakhanaa,marqadi sleep.,markozi doze off, amberpet ka 6number,free boarding and lodging +ecomomical loWcost TOURISM.....‹groping,poaching,qaumLooting, PMLA CrowdFund croony muttifunda,Crony Sadaqaaaaat,oooooperseeeee zzzzZAKAT...not to be forgotten is the Snake Chillis BYTULGOLMAAL.followed by convertion of Loot /Golmaal .....into REAL personal estates....@ at least two

places ...one here in the Eretz of the ignorant muscular

followers where i am pampered,reverred and

showered,and i have a small local house for my

immediate PatelyPotla affairs, ,and (2) the Pyaraa

Watan where my original lion share big house is..

to which i am connected to umbilically/ Supra(renally)

VenaCava with my nostalgics ever pervadingly lingering

in my scheming astigmatic keratitik_demonic CPU

Long live BytulGolMaal

****

Muttifund morsel has enticed me like the Shytan and i

forgot many things _fundamental

****

jaatasya maranam dhruvam

Kullu nafsin ZaaaeqtulMout..

But alas my lousy mouth is craving depravedly for other

Things.......forgetting the imminent Death

★ٍ★★ٍ★★★ٍ★★ٍ★★

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

....Sarwejanaa Sukhinobhawantu....

Allaah tero naam........

Sabko sanmati de Yaa muqallibu,

Wa musarriful quloobi wal Absaar.

Monasticism:Sanyaasy:सन्यास;సన్యాసత్వం:सन्नास,ಸನ್ಯಾಸೀ**,Monks,Fekirs,Babaas,Papas,Pedroes,Paadries,Fittus,filthies,**فقير،رحبان.احبار**Sofis,.sufis,darweshes,durvases,etc....**

Al-Hadid (57:27)

بسم الله الرحمن الرحيم

بِعِيسَى وَقَفَّيْنَا بِرُسُلِنَا ءَاثَٰرِهِم عَلَىٰٓ قَفَّيْنَا ثُمَّ

فِي وَجَعَلْنَا ٱلْإِنجِيلَ وَءَاتَيْنَٰهُ مَرْيَمَ ٱبْنِ

وَرَهْبَانِيَّةً وَرَحْمَةً رَأْفَةً ٱتَّبَعُوهُ ٱلَّذِينَ قُلُوبِ

رِضْوَٰنِ ٱبْتِغَآءَ إِلَّا عَلَيْهِمْ كَتَبْنَٰهَا مَا ٱبْتَدَعُوهَا

ٱلَّذِينَ فَـَٔاتَيْنَا رِعَايَتِهَا حَقَّ رَعَوْهَا فَمَا ٱللَّهِ

فَٰسِقُونَ مِّنْهُمْ وَكَثِيرٌ أَجْرَهُمْ مِنْهُمْ ءَامَنُوا۟

પછી અમોએ તેમના જ નકશે કદમ પર બીજા રસૂલ મોકલ્યા, અને તેમના બાદ ઇસા ઇબ્ને મરિયમને મોકલ્યા, અને તેને ઇન્જીલ અતા કરી, અને તેમની પૈરવી કરવાવાળાઓના દિલોમાં મહેરબાની અને મોહબ્બત મૂકી. જેમને રૂહબાનીયત (સંસાર ત્યાગ)ને પોતાના તરફથી શરૂ કર્યો હતો તથા તેના વડે અલ્લાહની ખુશીના તલબગાર હતા, જો કે અમે હુકમ આપ્યો ન હતો અને તેઓએ તેની પૂરતી કાળજી ન રાખી, પછી અમોએ તેઓમાંથી જેઓ હકીકતમાં ઇમાન લાવ્યા હતા, તેમને અજ્ર અતા કર્યો, અને તેઓમાંથી મોટાભાગના ફાસિકો છે.

অতঃপর আমি তাদের পশ্চাতে প্রেরণ করেছি আমার রসূলগণকে এবং তাদের অনুগামী করেছি মরিয়ম তনয় ঈসাকে ও তাকে দিয়েছি ইঞ্জিল। আমি তার অনুসারীদের অন্তরে স্থাপন করেছি নম্রতা ও দয়া। আর বৈরাগ্য, সে তো তারা নিজেরাই উদ্ভাবন করেছে; আমি এটা তাদের উপর ফরজ করিনি; কিন্তু তারা আল্লাহর সন্তুষ্টি লাভের জন্যে এটা অবলম্বন করেছে। অতঃপর তারা যথাযথভাবে তা পালন করেনি। তাদের মধ্যে যারা বিশ্বাসী ছিল, আমি তাদেরকে

তাদের প্রাপ্য পুরস্কার দিয়েছি। আর তাদের অধিকাংশই পাপাচারী।

Then, We sent after them, Our Messengers, and We sent 'Iesa (Jesus) - son of Maryam (Mary), and gave him the Injeel (Gospel). And We ordained in the hearts of those who followed him, compassion and mercy. But the Monasticism which they invented for themselves, We did not prescribe for them, but (they sought it) only to please Allah therewith, but that they did not observe it with the right observance. So We gave those among them who believed, their (due) reward, but many of them are Fasiqun (rebellious, disobedient to Allah).

फिर उनके पीछ उन्हीं के पद-चिन्हों पर हमने अपने दूसरे रसूलों को भेजा और हमने उनके पीछे मरयम के बेटे ईसा को भेजा और उसे इंजील प्रदान की। और जिन लोगों ने उसका अनुसरण किया, उनके दिलों में हमने करुणा और दया रख दी। रहा संन्यास, तो उसे

उन्होंने स्वयं घड़ा था। हमने उसे उनके लिए अनिवार्य नहीं किया था, यदि अनिवार्य किया था तो केवल अल्लाह की प्रसन्नता की चाहत। फिर वे उसका निर्वाह न कर सकें, जैसा कि उनका निर्वाह करना चाहिए था। अतः उन लोगों को, जो उनमें से वास्तव में ईमान लाए थे, उनका बदला हमने (उन्हें) प्रदान किया। किन्तु उनमें से अधिकतर अवज्ञाकारी ही है

the-quran./57/27

islam has nothing to do with Sufism..... a mere Wollen Coatism....

اس نا مرادجنون کو علاج ہے توموت ہے... ఇస్ నా మురాదు జునూను కో

ఇలాజు హైతో మౌతుహై-ఎ ఇష్క్ షైతానీ హై.---

Soofis are Pure Parasitic,Tufeliy Fissiparous,Heretics -Lazy-AntiWorkholics

Leechy suckers. Rather psychologically deluded,,Wierd, abnormal..Easy LifeMongers.....Pesty Vermin,. Viruses Hini,Carona,etc are less Toxic, mildly Virulant than GoongaaJhoomnaa Syndrome......

They are the Root Cause of Corruption In ideology...They have borrowed Mythologically Pathological, illconcepts ,misconceptions from the

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Mageans,ZwendAvestans,Greeks,Romans,Turks,,Subcontinentals,and the Sundry and Sacrileged the 100%Pure Tauheed with Abominations,Concoctions,Fabrications,and mixed Gubaary Menginy with Pure Milky Kalakhan....,

╰■╯✽╰■╯✽╰■╯

╰■╯✽╰■╯✽╰■╯

Caution:_

SACRILEGE, BLASHPHEMY leads to HELL.

Allaahu .s.w.t. Is neither Parwardegar Nor Khuda, nor ...Miyyah

There are the most beautiful Asmaaul_Husnaa_for invocation,Those who use Majoisy Raafedy Jeheemy terminology to describe islaam will get a befitting Punishment Later on ..SAUFA تعلمون T'ALAMOON(know) wa SAUFA تألمون talamoon(Feel the pain of Torment)

Read Allah as Allaahu .s.w.t.

Read Namaz as AsSalah, Roza As AsSaum.

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

Darood as AsSalaatu wAsSalaam, etc

None has the right to Change The Divine Quraanic Istelahaat.i.e.Technical Terms Prescribed by AlMighty ..

****

Document verified by Bowlanna MuttiFundewy Bidarwy,+ HadapZakaty Bijapurey + Shah bodde bokode gulmattewey_Halkattewey

By Mukhtaalan Fakhooran JidduMaddibasmasauroses.Verified by ShahadapdzecoitPendapadu@Palasa,Bebbuli,Arakuvelli:Folio.

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯◯⋆ ✾◯

✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯

Dtp by JidduZaloomanJogulan,
with Tech Support from
ESciondiaOeiappelRazeo.CCIE.

✾◯◯⋆ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯◯⋆

✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯ ✾◯◯⋆ ✾◯

✾◯ ✾◯ ✾◯

/\\\/\\\/\\\/\\\///\\//\\//\\//\\\\/\\

దైవశాపగ్రస్త

మునాఫికు, ముష్రికు, కాఫీరులకు, భువియే, స్వర్గం, అనుభవీ రాజా! అష్ట ఐశ్వర్యాలూ!

చిర్రుబుర్రులూ చిందులూ ఆడాలే!!! తాగి,తాకి,తందనాలు ఆడాలే!!!

నేలపై ఆకతాయి అల్లర్లు రేపాలే!రేపులు,గ్రేపులూ వుండనే వుండే!!!ఉచ్చ పెట్రోలు కానీయ్యాలే!!!అంతా అదుర్స్!!!?ఖా,పీకర్ కపాస్ బనాదేనా!!! చింపేయ్యాలే!!!!!!సుక్క, ముక్క,బొమిక...ఉండనేవుండే\\\

విరుచుక\టూట్ పడేనునేను!\\\ఆకేస్కో,వక్కేస్కో,ఆపైన సూస్కొంటాన్//;

\\సుగం యెంగే?:ఇదో ఇంగే!\\

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷯ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷯ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনি﷯ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

\\\యవ్వనమే ఓకే >కానుకలే///జీవితమే ఓకే >వేడుకలే\\\

At-Tawba (9:38)﷽

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ مَا لَكُمْ إِذَا قِيلَ لَكُمُ ٱنفِرُواْ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ ٱثَّاقَلْتُمْ إِلَى ٱلْأَرْضِ أَرَضِيتُم بِٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا مِنَ ٱلْءَاخِرَةِ فَمَا مَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا فِي ٱلْءَاخِرَةِ إِلَّا قَلِيلٌ

O you who believe! What is the matter with you, that when you are asked to march forth in the Cause of Allaahu,swt, you cling heavily to the earth? Are you pleased with the life of this world rather than the Hereafter? But little is the enjoyment of the life of this world as compared with the Hereafter.

اے ایمان والو! تمہیں کیا ہو گیا ہے کہ جب تم سے کہا جاتا ہے کہ چلو کے راستے میں کوچ کرو تو تم زمین سے لگے جاتے ہو۔ کیا تم آخرت کے عوض دنیا کی زندگانی پر ہی ریجھ گئے ہو۔ سنو! دنیا کی زندگی تو آخرت کے مقابلے میں کچھ یونہی سی ہے/9/38

ఆగేభీ జానేన మై \\ పీఛేభీ ఆగేభీ జానేన మై\\యహీ కర్జూ పూరీ ఆర్జూ మై\\\\దున్యా ఆరిజీ హై కతే మేరే బావా\\\;

Al-Mulk (67:21)
Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲ﷽ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).
या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲ﷽ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है
তিনি﷽ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

కాని దైవసుప్రీంకోర్టులో ఏంజేసుకోలేన్!!!

నా ముందున్నదే ముసల్లపండగ!!!!

Al-Burooj (85:12)

﷽

إِنَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيدٌ

Verily, (O Muhammad (Peace be upon him)) the Grip (Punishment) of your Lord is severe.

یقیناً تیرے رب کی پکڑ بڑی سخت ہے

r/85/12

దునియాదారీ,విర్రవీగుళ్ళూ,లంచాలూ,మంచాలూ,చెంచాలూ,పంచలూ,రేపు {{{౯౮అసలు మౌలానా౯౮}}}వారి సుప్రీంకోర్టులో చెల్లవే!!!! నేంజేసిన మంచితప్పు,తతిమ్మా లన్నీ నా బేలన్సుషీటు\చిట్టాలో లయబిలిటీస్ గా మారి నాపై భారీగా విరుచుకుపడగలవే!!!!;౯౮Beware of fradulent muttifund zakat hadpe money launderers masquerading as moulaanaas....
నా "అస్సెట్సు" నా "ఈమానం",ఇంకా ((నేను))అంటే అరబీ((నహ్ను))తమిళ, మళయాల((నాన్,))కన్నడ ((నిన్న\నన్ను))చేసిన మంచిపనులు మాత్రమే,నన్ను కాపాడగలవ్!!!!!అని!!!

మాగోరవ, శిరోధార్య,కుచ్చుకుళ్ళాయ్,పిల్లిగెడ్డపు,పండిత,షాబావులాన

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।

ముట్టడిఫండవీ,జకాతుహడపీ,ఈనాడే((చేవెళ్ళ)) లో ఘంటాపథంగా యెగిరెగిరి

అరిచి కరిచి గోసపెట్టి గట్టిగా జెప్పిండు!!!!

మరి యీనాలా \ వద్దా

/\\\/\\\/\\\/\\\///\///\///\///\\\/\

Al-Mulk (67:21).

Or who is there that can provide you with Sustenance if Heﷲﷻ were to withhold His provision? Nay, they obstinately persist in insolent impiety and flight (from the Truth).

या वह कौन है जो तुम्हें रोज़ी दे, यदि वहﷲﷻ अपनी रोज़ी रोक ले? नहीं, बल्कि वे तो सरकशी और नफ़रत ही पर अड़े हुए है

তিনিﷻ যদি রিযিক বন্ধ করে দেন, তবে কে আছে, যে তোমাদেরকে রিযিক দিবে বরং তারা অবাধ্যতা ও বিমুখতায় ডুবে রয়েছে।